



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1980 (वैशाख 6, 1902)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1980 (VAISAKHA 6, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए० 38015/1/79-प्रशासन-II—श्री एम० पी० गुह ने 31 मार्च, 1980 (अपराह्न) से निवर्तन होने पर अपनी सेवा नियुक्ति के परिणाम स्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बंगला) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० बालचन्द्रन

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अप्रैल, 1980

सं० डी० एक-12/77-स्थापना—श्री भूम सिंह ने, जब वह मिजोराम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर थे, उनके सरकारी सेवा से नियुक्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० ओ० दो-1348/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री पी० प्रार० मीना, उप-पुलिस अधीक्षक, 28 बाहिनी, के० रि० पु०

1-36GI/80

बल, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम, 5(i) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 20-11-1979 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ० दो-1461/80-स्थापना—राष्ट्रपति मेजर बी० एस० शोरे (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेंट के पद पर प्रागामी आदेश जारी होने तक पुर्ननियुक्ति करते हैं।

2. मेजर बी० एस० शोरे केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की ए० डब्ल्यू० एस० नं० 1, हैदराबाद में दिनांक 28-2-1980 के पूर्वाह्न से सहायक कमाण्डेंट के पद का कार्यभार संभाला।

के० प्रार० के० प्रसाद  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० 11/99/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री जयन्त राव को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता, में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 12 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति

(4527)

पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जन गणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/110/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० जे० झाला को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 13 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पी० जे० झाला का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० 7/4/79-प्रशा०-I-1187—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को तारीख 3 दिसम्बर, 1977 से सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री लाल कृष्ण
2. श्री एस० एस० एस० जायसवाल
3. श्री एस० के० अग्रवाल
4. श्री बी० एल० भान

सं० 11/118/79-प्रशा०-I-1188—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० बी० चौबाल को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चौबाल का मुख्यालय बम्बई में होगा।

दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० 11/57/79-प्रशा०-I-1197—राष्ट्रपति, गुजरात राज्य सरकार के अधिकारी श्री एन० जी० शाह को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 4 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शाह का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री आर० के० भाटिया को उसी कार्यालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० के० भाटिया का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री ओ० पी० शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री ओ० पी० शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० 10/22/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, समाज कल्याण मंत्रालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत डॉ० के० पी० इट्टामन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 15 मार्च, 1980 के अपराह्न से 1 वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डॉ० इट्टामन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/117/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, त्रिपुरा सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० के० गांगुली को त्रिपुरा, अगरतला में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांगुली का मुख्यालय अगरतला में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री जी० डी० दीये को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 15 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दीये का मुख्यालय नासिक में होगा।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० 1589/ए—श्री जी० एस० सपकाके, अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय मुद्राक भंडार, ना० रोड, को केन्द्रीय मुद्राक

भंडार में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) सहायक मुद्रांक नियंत्रक के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रू० 650-30-740-35-810-रू० 1000-40-1000-रू० 1200 में तदर्थ रूप में 1-3-1980 के पूर्वार्द्ध से 30-6-80 तक अथवा तब तक नियमित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 मार्च 1980

सं० 1590/एम०—श्री आर० ए० पटेल, सहायक टिकिट नियंत्रक, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, ना० रोड, 29-2-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

ना० रामभूति,  
उप महाप्रबन्धक,  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 अप्रैल 1980

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79, दिनांक 23-12-79 के अनुक्रम में श्री आर० सी० अग्रवाल की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 25-3-1980 से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79, दिनांक 29-11-79 के अनुक्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 31-3-1980 तक बढ़ाई जाती है।

क्र०सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर वास्तविक नियुक्ति हुई
---------	-----	---

सर्वश्री

1. एम० पोनुथुराई	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)
2. डी० आर० कोडावर	—यथा—
3. व्हाय० जनार्दन राव	—यथा—
4. रामपाल सिंह	—यथा—
5. एन० आर० जयरामन	—यथा—
6. समरेन्द्र दास	—यथा—
7. मुबुल वत्ता	तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)
8. अरुण कुमार इंगले	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना अनु० एवं प्रयोगशाला)
9. जे० एन० गुप्ता	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना उत्पादन)

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० 85—इस कार्यालय के निम्नलिखित तस्थायी अनुभाग अधिकारियों को कार्यवाही लेखा अधिकारी के रूप में रू० 840-40-1000-रू० 1200 के वेतनमान पर उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथियों से नियुक्ति के लिए महालेखाकार ने सहर्ष स्वीकृति दी है।

1. श्री एम० एस० सरकार	25-1-1980 मध्याह्न
2. श्री जी० एस० प्रकाशराव	25-1-1980 मध्याह्न
3. श्री बी० आर० जी० के० सी० भट्ट	25-1-1980 मध्याह्न
4. श्री पी० के० बोच्चुकुटी	25-1-1980 मध्याह्न
5. श्री बी० एस० आर० शर्मा	25-1-1980 मध्याह्न
6. श्री च० आर० सूर्यनारायण	4-2-1980 पूर्वाह्न
7. श्री एस० के० घटर्जी,	1-2-1980 पूर्वाह्न

उनकी परस्पर वरीयता ऊपर उल्लेखित है तथा उनकी पदोन्नति सर्वोच्च /उच्च न्यायालय में पड़े हुए मामलों के निर्णय के शर्तधीन अस्थायी आधार पर हुई है।

दिनांक 25 फरवरी 1980

सं० प्रशा०-आई०ए० डी०-1-29-गोप०-4635—महालेखाकार द्वारा सहर्ष निम्नलिखित कार्यवाही लेखा अधिकारियों को उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथि से लेखा अधिकारी के संवर्ग में मूल रूप से नियुक्ति दी गयी।

1. श्री जी० के० पटनायक	28-12-1978
2. श्री सी० आर० मिश्र	1-6-1979
3. श्री एच० डी० मित्र	26-6-1979
4. श्री एम० के० चिदम्बरम	1-11-1979
5. श्री ए० के० मजुमदार	1-11-1979
6. श्री बी० कृष्णराव	1-2-1980

के० पी० वेंकटेश्वरन

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय,  
आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० प्रशा० 1/8/132/80-31/2—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० नारायण को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रू० 840-40-1000-रू० 1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के अपराह्न से अत्र भर्त आने आदेश न दिए जाने, नियुक्त किया जाना है। यह पदोन्नति उनके वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा० हरिहराज,

वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा,

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० 53/ए-प्रशासन/130/79—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद में स्थायी रूप से अन्तर्लेखन के परिणाम स्वरूप, श्री एस० पी० सिंह, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, (स्थायी अनुभाग अधिकारी (आडिट) का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में, मूल नियम 14-ए (डी) के अधीन, दिनांक 1-9-79 (पूर्वाह्न) से हो गया है।

के० बी० दास भौमिक  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं नई दिल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० 19293/प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री एम० एन० नारायणन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-8-80 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्लिखित कर दिया जाएगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से दिनांक 31-8-80 (अपराह्न) से हटा दिया जाएगा।

सं० 18295/प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री देव राज सहगल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्लिखित कर दिया जाएगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से दिनांक 31-10-80 (अपराह्न) से हटा दिया जाएगा।

सं० 18343/प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री जे० एल० बाली, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30-11-79 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्लिखित कर दिया गया तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से दिनांक 30-11-79 (अपराह्न) से हटा दिया गया।

के० पी० राव,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

ए० डी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आइनेन्स फैंक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 8/80/एई-1 (एन० जी०)—श्री बी० के० चटर्जी, मौलिक एवं स्थायी सहायक/अस्थायी ए० एस० ओ० को मेडिकल बोर्ड द्वारा सरकारी सेवा से स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित किए जाने पर डी० जी० ओ० एफ० ने सी० सी० एस० पेंशन

मयम 1978 (प्रकाशन) के नियम 38 के प्रावधान के अंतर्गत उन्हें असमर्थता पेंशन की मंजूरी दी है। श्री चटर्जी को दिनांक 20-2-80 से अर्थात् मेडिकल बोर्ड द्वारा उन्हें सरकार के अन्तर्गत अग्रिम सेवा से स्थायी तौर पर अयोग्य प्रमाणित किए जाने की तारीख से, पेंशन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता है।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन  
कृते महानिदेशक, आइनेन्स फैंक्टरीयां

भारतीय आइनेन्स फैंक्टरीयां सेवा

महानिदेशालय, आइनेन्स फैंक्टरीयां

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 11/80/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जी० एफ० मेसकारेनहास, स्थानापन्न प्रबन्धक। मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 12/80/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जी० के० रानाडे स्थानापन्न उप-प्रबन्धक। मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक दिनांक 31 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० 13/जी०/80—श्री डी० वाई० मोघे, क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) (स्थायी डी० डी० जी०/एस० जी०, स्तर-I) दिनांक 11-5-1979 (अपराह्न) से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 14/जी०/80—श्री आई० के० नायक, अपर महानिदेशक मेम्बर आइनेन्स फैंक्टरी बोर्ड (स्थायी डी० डी० जी०/एस० जी० स्तर-1) दिनांक 7-1-80 (अपराह्न) से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 15/जी०/80—58 वर्ष के बाद छः महीने की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री एस० एस० बासु स्थानापन्न की डी० डी० जी० ओ० एफ० (स्थायी, ए० डी० जी० ग्रेड-1) दिनांक 20-9-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 18/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर श्री जी० सी० खन्ना, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक), दिनांक 31-1-80 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 17/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री के० सी० कुमरा स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 18/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री मिस्कीन हुसैन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन) दिनांक 31-8-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।



सं० 19/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त पर श्री टी० आर० सिबल, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30-11-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

“(चार) जिसकी चौड़ाई 84 सेंटीमीटर से लेकर 120 सेंटीमीटर (दोनों सहित) तक हो।”

(तीन) यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

एम० मंदुरै नायगम  
अपर वस्त्र आयुक्त

#### उद्योग मंत्रालय

##### (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० 12/170/61-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति जी, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के श्री एस० एच० निरोखेकर, स्थाई सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (यांत्रिक) एवं स्थानापन्न उप निदेशक (यांत्रिक) को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

महेश्वरपाल गुप्त  
उप निदेशक (प्रशासन)

#### वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० सी० ई० आर०/1/80—सुती वस्त्र (नियंत्रक) आदेश 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक 2 मई 1968 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 2 में :—

(एक) मद (बी) की उप-मद (पांच) और उसकी टिप्पणी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

“(पांच) जो औसतन 34.49 काउंट तक के सूत से बुना गया हो और इसमें किसी भी प्रकार की छरी मलमल और छरी बायल, जिसके प्रत्येक टुकड़े की लम्बाई 5 मीटर से कम न हो, भी शामिल है।”

“टिप्पणी : इस मद के निमित्त छरी मलमल और छरी बायल से तात्पर्य भादी बुनाई का कोई भी वस्त्र है जो इकहरे सूत से विनिर्मित हो और जिसके ताने में 28 काउंट से कम का सूत न हो।”

(दो) मद (सी) की उपमद (चार) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

#### पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० जूट(ए)/187(1)/71—पटसन आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा श्री टी० एस० चक्रवर्ती, को दिनांक 14 नवम्बर, 1979 से पटसन आयुक्त कार्यालय, कलकत्ता में कार्यकारी अधिकारी के मूल हैसियत पर नियुक्त करते हैं।

आर० एन० चक्रवर्ती  
पटसन आयुक्त

#### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० प्र० 1/1(948)—इस कार्यालय के स्थायी वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक श्री बाबू लाल को इस कार्यालय में दिनांक 12-3-1980 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (ग्रेड I) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 मार्च 1980

सं० प्र० 1/1(585)—राष्ट्रपति, श्री बी० एस० चावला उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) को दिनांक 20-3-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री चावला की पूर्ति निदेशक के रूप में तदर्थ पदोन्नति से उन्हें तदर्थ आधार पर पदोन्नत ग्रेड में वरीयता अथवा निप्रमिति नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र-1/1(873)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप “ए” के ग्रेड-III) श्री आई० एस० गर्ग को दिनांक 20-3-80 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप “ए” के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री गंग को उपनिदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नत ग्रेड में वरीयता अथवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

कृष्ण किशोर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० प्र-6/247/(324)/61-III—राष्ट्रपति, बर्णपुर निरीक्षणालय के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री जे० के० हाजरा को दिनांक 27-2-80 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक बर्णपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए धातु शाखा के ग्रेड-III) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री हाजरा ने उप निदेशक निरीक्षण (धातु), दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार दिनांक 25-2-80 (अपराह्न) को छोड़ दिया और दिनांक 27-2-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्णपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

पी० डी० सेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते निदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए-19012/(125)/80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री सरस्वती मिह्र स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 18 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "अ" के पद में स्थायी सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एम० व्ही० अनी  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए० 19019/23/79-के० स्वा० बी०-1—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० राम किशम को केन्द्रीय

सरकार स्वास्थ्य योजना में 11 मार्च 1980 पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० ए० 12026/18/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पुष्प कुमार को 26 फरवरी 1980 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुवेना कुपलानी अस्पताल, नई दिल्ली में सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी के लेक्चरर के पद पर नियुक्त किया है।

शरम लाल कुठियाल  
उप निदेशक प्रशासन

आयोग पुनर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद-121001 दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० ए० 19023/58/78-प्रशा-III—इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30-6-80 या जब तक नियमित प्रबन्ध होते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

- (1) श्री एस० बी० चक्रवर्ती
- (2) श्री एस० बी० कृष्णमूर्ति
- (3) श्री आर० बी० कुरुप
- (4) श्री एस० डी० फड़के।

सं० ए० 19025/4/80-प्रशा-III—सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30-6-80 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

- (1) श्री जी० बी० राममूर्ति
- (2) श्री पी० डी० गिरासे
- (3) श्री के० जयनन्दन
- (4) श्रीमती आर० ललिता।

बी० एल० मनिहार  
निदेशक प्रशासन,  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० 602/6/80-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') (राजपत्रित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, एतद्वारा निम्नानुसार व्यक्तियों को सहायक अनुसंधान अधिकारी

(वैज्ञानिक-भौतिकी) के पद पर केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 नियमित रूप से स्थानापन्न पदों पर दिनांक 22 जनवरी 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं:

1. श्री ए० व्ही० वेदपाठक
2. श्री पी० व्ही० भंड्यु ।

उपर्युक्त अधिकारियों को दिनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पदों के लिए दो साल की परिवीक्षावधि रहेगी।

सं० 602/8/80-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') (राजप्रतिष्ठ) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, खड़कवासला, पुणे एतद्वारा श्री ए० एन० कोटी की सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित) के पद पर केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पुणे में वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 नियमित रूप से स्थानापन्न पदों पर दिनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं।

श्री ए० एन० कोटी, सहायक अनुसंधान अधिकारी (गणित) के लिए केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में दिनांक 22-3-80 (पूर्वाह्न) से दो साल की परिवीक्षावधि रहेगी।

सं० 602/19/80-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') (राजप्रतिष्ठ) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे एतद्वारा श्री ए० एन० नाथ की सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक) रसायन के पद पर केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 नियमित रूप से स्थानापन्न पदों पर दिनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं।

श्री ए० एन० नाथ, सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन) के लिए केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में दिनांक 22-3-1980 (पूर्वाह्न) से दो साल की परिवीक्षावधि रहेगी।

एम० आर० गिडवानी,  
प्रशासन अधिकारी  
कुल निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० 5/1/79 स्था० 11/909—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारी तदर्थ रूप से उनके नाम

के सामने अंकित सम्पत्तियों के लिए स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
		से	तक
1. श्री वी० के० मूर्ती, सुरक्षा अधिकारी सहायक सुरक्षा अधिकारी।	कार्यकारी।	15-9-79 (पूर्वाह्न)	26-10-79 (अपराह्न)
2. श्री वी० के० मूर्ती, सुरक्षा अधिकारी सहायक सुरक्षा अधिकारी।	कार्यकारी।	7-1-80 (पूर्वाह्न)	8-2-80 (अपराह्न)

सं० 5/1/79 स्था० II/910—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री ए० बी० गावडे, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर दिनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से 29-2-1980 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर,  
उप स्थानापन्न अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० प० ख० प्र-1/23/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री सोहैल फाहमी को परमाणु खनिज प्रभाग में 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

एन० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन तथा नागरिक विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० ई० (1) 03380—मौसम विज्ञान के महानिदेशक के मुख्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में नियुक्त एन० कुमार निदेशक निवर्तन आयु पर पहुंचने पर दिनांक 30-11-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० ई० (1) 03286—श्री सी० आर० बी० रमन मौसम विज्ञान उपमहानिदेशक जो कि भारत मौसम विज्ञान विभाग में मॉनेक्स परियोजना के निदेशक का कार्य कर रहे

थे, दिनांक 29 फरवरी 1980 के अपराह्न से निवर्तन आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० मुखर्जी

मौसम विज्ञानी

कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० ए० 31011/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित 27 अधिकारियों को दिनांक 26-4-1979 से ग्रन्थ प्रावेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थायी रूप में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)
	सर्वश्री	
1.	आर० एस० गहलोत	वैमानिक संचार स्टेशन, अहमदाबाद।
2.	वी० के० खंडेलवाल	नागर विमानन प्रशिक्षण, केन्द्र इलाहाबाद।
3.	एम० ए० वेणुगोपाल (सेवा निवृत्त)	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
4.	एस० के० सरस्वती (जी० सी० ई० लिमिटेड के पास प्रतिनियुक्ति पर।)	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
5.	एस० पी० हरदास	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी।
6.	बी० एन० एम० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
7.	वी० के० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
8.	एस० कृष्णास्वामी	क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, मद्रास।

दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० ए० 31011/1/78 ई० सी०—राष्ट्रपति के निम्नलिखित 32 अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में संचार अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	स्थायी नियुक्ति की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री दिलीप सिंह (सेवा निवृत्त)	वै० सं० स्टेशन सफवरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	1-4-70
2.	श्री एच० नीलकण्ठ ग्रियर (से० नि०)	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-4-70
3.	श्री एस० एम० गुप्ता (से० नि०)	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-70
4.	श्री एस० के० रायचौधरी (से० नि०)	वै० सं०, स्टेशन दम दम, कलकत्ता	1-4-70
5.	श्री आई० पी० के० मेनन (से० नि०)	वै० सं० स्टेशन, बंगलौर	1-4-70
6.	श्री किशू टेकचन्दानी	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली	1-4-74
7.	श्री वी० के० कालड़ा	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	1-4-74

(1)	(2)	(3)
9.	सुशील कुमार	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, (मुख्यालय)।
10.	पी० एस० मल्लिक	क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, कलकत्ता।
11.	आर० के० सूद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
12.	जे० वी० सरमा	वै० सं० स्टेशन, सफवरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
13.	एम० एम० पौलोस	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद।
14.	ए० जी० नरसिम्हां	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
15.	के० सुरेन्द्र	वै० सं० स्टेशन, पालम।
16.	ए० जगदेशन	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, मद्रास।
17.	रूप चन्ध	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
18.	एस० के० गोविलकर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई।
19.	एस० जयरामन	वै० सं० स्टेशन, बम्बई।
20.	राकेश कुमार	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
21.	एस० वैकटेश्वरम	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, बम्बई।
22.	के० एस० नरसिम्हां	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बम्बई।
23.	विजय पंचार	वै० सं० स्टेशन, पालम।
24.	के० के० नारायण (रिटायर्ड)	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता।
25.	ए० के० पन्सल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
26.	के० पी० बी० मायर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
27.	डी० अनबालगन	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

(1)	(2)	(3)	(4)
8. श्री एस० के० गुप्ता (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-4-74
9. श्री एस० सी० गोस्वामी	.	क्षे० सं० नियंत्रक, नई दिल्ली	1-4-74
10. श्री आर० पी० शर्मा	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-74
11. श्री डी० आर० गुप्ता (से० नि०)	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-74
12. श्री एल० आर० गर्ग	.	के० रे० स्टोर डिपो, नई दिल्ली	1-4-74
13. श्री ए० डी० डींगरा (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली	1-4-74
14. एन० के० पुरी	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-1-75
15. श्री एस० बी० राघवन (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-1-75
16. श्री एस० एच० खान	.	व० सं० स्टेशन कलकत्ता	1-1-75
17. श्री एस० आर० राघवेन्द्र राव	.	व० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-4-75
18. श्री पी० के० सिंघल	.	वै० सं० स्टेशन नई दिल्ली	1-4-76
19. श्री एम० सी० जैन (से० नि०)	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-76
20. श्री के० एस० कृष्णामूर्ति	.	क्षे० सं० नियंत्रक, मद्रास	1-4-76
21. श्री एस० ए० नारायण (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, बंगलौर	1-4-76
22. एस० के० महेश्वरी	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-76
23. श्री बी० जी० शाह (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	1-4-76
24. श्री अरुण तलवार	.	के० रडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली	1-4-76
25. श्री आर० सी० चितकारा	.	क्षे० सं० नियंत्रक, बम्बई	1-4-76
26. श्री एन० बी० माथुर	.	क्षे० सं० नियंत्रक, कलकत्ता	1-4-78
27. श्री एम० दीनदयाल	.	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-7-78
28. श्री पी० अनिलकुमार	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-7-78
29. श्री एन० सदाशिव शर्मा	.	वै० सं० स्टेशन, त्रिवेन्द्रम	1-7-78
30. श्री पी० पालस (से० नि०)	.	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली	1-7-78
31. श्री आर० के० महेश्वरी	.	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-7-78
32. श्री आर० एच० सुब्रह्मण्यन	.	क्षे० सं०, नियंत्रक, बम्बई	1-7-78

आर० एन० वास,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० ए० 32013/13/79-ई-I—राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० सिंह, उपनिदेशक, विमानन सुरक्षा, नागर विमानन विभाग को 19 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर निदेशक, विमानन सुरक्षा के पद पर नियुक्त किया है।

2. एतद्वारा इस कार्यालय की दिनांक 7 मार्च, 1980 की अधिसूचना सं० ए० 32013/13/79-ई०, रद्द की जाती है।

सी० के० बत्स,  
महायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

गुन्दूर-4, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित स्थाई व ग्रेड के निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुन्दूर में, स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रुप "ख" (राजपत्रित) नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने-अपने नाम

के सामने दिखाई गई तिथि से और स्थान पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप "ख" (राजपत्रित) के रूप में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्टेशन	अधीक्षक के० उ० श० ग्रेड "ख" (राजपत्रित) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
<b>सर्वश्री</b>			
1.	जी० देवल्लु	राजामुन्वरी डिवीजन	11-7-79
2.	जी० बीभद्र राव	चिलाकालूरीपेट-I गुन्दुर क्षेत्र का डिवीजन-II	12-7-79
3.	एम० शेषागिरी राव	नीवाडावाले क्षेत्र एलरू डिवीजन	6-7-79
4.	पी० बी० बीरा रामवरारव	तेनाली क्षेत्र गुन्दुर-II डिवीजन	7-7-79
5.	बी० पादुराजू	विशाखापत्तनम डिवीजन-I	17-8-79
6.	एच० एम० एफ० रहीम शेक	विशाखापत्तनम डिवीजन-II	22-10-79
7.	के० बी० परसिम्हाराव	विशाखापत्तनम मण्डल-I	2-1-80 (पूर्वाह्न)
8.	एस० बी० रंगनाथन	मुख्यालय कार्यालय गुन्दुर	14-1-80
9.	मी० बवरुद्दीन	विशाखापत्तनम मण्डल-II	16-1-80
10.	ई० बी० राधवराव	विशाखापत्तनम मण्डल-I	10-1-80
11.	एन० डी० रामनराव	विशाखापत्तनम मण्डल-I	12-1-80 (पूर्वाह्न)
12.	ए० शेषगिरी	एलरू क्षेत्र-I, एलरू मण्डल	9-1-80
13.	टी० बी० एल० नरसिम्हाराव	विजयवाड़ा मण्डल	19-1-80
14.	एन० बी० बी० सम्बाशिवराव	चिलाकालूरीपेट-I गुन्दुर-II क्षेत्र का मण्डल	10-1-80
15.	पी० सत्यनारायण गुप्ता	सत्तोपल्ली क्षेत्र मण्डल II गुन्दुर	9-1-80
16.	के० सुन्दररामा राव	जंगारी द्वीगुदीम एलरू मंडल का क्षेत्र	4-2-80
17.	एम० गोवर्धन राव	अंगोला मण्डल का सिगरयाकोडा क्षेत्र	19-1-80

सं० 2/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुन्दुर के निम्नलिखित अधीक्षक, ग्रुप "ख" (राजपत्रित) अपने-अपने नाम के सामने दिखाई गई तिथि से, बाधक्य के कारण, सेवा निवृत्त हो गए।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तिथि
<b>सर्वश्री</b>			
1.	बी० जे० विजेन्द्र राव	गुन्दुर-II मण्डल	31-1-79 (पूर्वाह्न)
2.	एम० पी० सूरमा	एलरू शहरी क्षेत्र एलरू मण्डल	31-3-79 "
3.	के० प्रसाद राव	चिलाकालूरी पेट-I गुन्दुर का मण्डल क्षेत्र II	30-6-79 "
4.	पी० शोरी रेड्डी	तेनाली क्षेत्र मण्डल गुन्दुर-II	30-6-79 "
5.	के० विजयम	राजामुन्वरी मण्डल	30-6-79 "
6.	बी० ए० सोमायाजुलु	नाडियाडवाला क्षेत्र एलरू मण्डल	30-6-79 "
7.	जी० गोपालकृष्णामूर्ति	विजयवाड़ा मण्डल	30-6-79 "
8.	पी० पुतराईया	रामचन्द्रपुरम, राजामुन्वरी क्षेत्र का मण्डल	30-6-79 "
9.	पी० ए० गजपति राव	श्री काकुलम-I क्षेत्र विशाखापत्तनम-II मण्डल	30-1-79 "
10.	जे० राममूर्ति	मुख्यालय, गुन्दुर	30-11-79 "
11.	मी० नयीमुह्वीन	एलरू I क्षेत्र एलरू मण्डल	31-2-79 "
12.	ए० रामबास	अंगोला मण्डल	31-2-79 "

सं० 3/80—श्री मेट्रुपल्ली वेंकट सुब्बा रेड्डी को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए गए उम्मीदवार को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधीक्षक श्रेणी "ख" (राजपत्रित) के रूप में

नियुक्त किया गया है। वे विशाखापत्तनम डिवीजन-I में दिनांक 7-1-1980 (पूर्वाह्न) को कार्यभार ग्रहण करने के लिए उपस्थित हुए।

सं० 4/80—निम्नलिखित प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी ग्रुप "ख" (राजपत्रित), वार्षिक के कारण, अपने अपने नाम के सामने दिखाई गई तिथियों से, सेवा निवृत्त हुए।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तिथि
	सर्वश्री		(पूर्वाह्न)
1.	वीरभद्र राव . . . . .	मुख्यालय गुन्दुर	31-8-79
2.	ए० पूरनचन्द्र राव प्रशासन अधिकारी . . . . .	मण्डल-I गुन्दुर	30-9-79

सं० 5/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित ग्रुप "ख" (राजपत्रित) के अधीक्षकों का, उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि को, जब कि वे कार्यस्थल पर कार्यरत थे, निधन हो गया।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्टेशन	निधन की तिथि
	सर्वश्री		
1.	वाई रमैया . . . . .	गुन्दुर-III गुन्दुर-I का क्षेत्र	7-6-79
2.	के० भल्लगेश्वर राव . . . . .	—यथोपरि—	26-10-79

सं० 6/80—विशाखापत्तन मंडल कार्यालय-I के ग्रुप "ख" (राजपत्रित) अधीक्षक श्री डी० चन्द्रपाल को, मूलभूत नियमावली के नियम 56 (जे०) के उपबंधों के अधीन, दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न, से सेवा निवृत्त कर दिया गया।

सं० 7/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुन्दुर, के मुख्य कार्यालय अधीक्षक, श्री टी० चिन्मयाचारी को प्रशासन अधिकारी ग्रुप "ख" (राजपत्रित) के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्होंने दिनांक 28-12-1979 को (अपराह्न) विशाखापत्तनम-II के मंडल (डिवीजन) कार्यालय में, उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सी० भुजंगस्वामी,  
समाहर्ता

नान्तरित होने पर, नि० व० लें० प० नि० सी० के० उ० शु० के कलकत्ता स्थित, पूर्वी प्रादेशिक एकक में, दिनांक 12-3-1980 (अपराह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 8/80—श्री एम० के० समव्दर ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 21-2-1980 के आदेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्थानांतरित होने पर, नि० व० लें० प० नि० सी० के० उ० शु० के कलकत्ता स्थित, पूर्वी प्रादेशिक, एकक में, दिनांक 14-3-1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय  
निरीक्षण निदेशक

निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० 7/80—श्री एच० डी० मजूमदार ने, जो कि पहले कलकत्ता, समाहर्तालय में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 21-2-1980 के आदेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्था-

नीवहन और परिवहन मंत्रालय

नीवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 अप्रैल 1980

(वाणिज्य नीवहन)

सं० 3(7) सी० आर० ए०/74—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री डी० डी० जाधव, सहायक

निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, बम्बई को तारीख 17 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियमित रूप से उप नाविक पाल, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधू  
नौवहन उप महानिदेशक

कर्मशायल एजेंट्स एण्ड कनसलटनट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

बूदाटि कोटेश्वरराव  
कम्पनी रजिस्ट्रार

### निर्माण महानिदेशालय

#### केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० 33/11/76-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री जी० एस० बाबा को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700—40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शर्तों पर 12-3-80 (पूर्वाह्न) से उपवास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) दिनांक 12-3-1980 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है।

सं० 33/12/78-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग के नामित श्री एस० के० भट्टनागर को सहायक वास्तुविद् के नाते अस्थायी पद पर रुपये 650/- प्रतिमास वेतन पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 28 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवं शर्तों पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका वेतन शीघ्र ही नियमानुसार पुनर्नियत किया जाएगा।

उन्हें ऊपर दर्शाए अनुसार उनकी नियुक्ति की तिथि से सहायक वास्तुविद् के नाते दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है।

के० ए० अनन्धनारायणन  
प्रशासन उप निदेशक

### विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

#### (कम्पनी कार्य विभाग)

#### कम्पनी विधि बोर्ड

#### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "जया कर्माशयल एजेंट्स एण्ड कनसलटनट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० 68—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 उप-धारा (5) की अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि जया

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बी० के० वुड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 13865/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स बी० के० वुड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स पुसोलाना मशीनरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 15742/560(4)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स पुसोलाना मशीनरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स रेलाक्सा टेक्सटाइल्स एण्ड गारमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 17299/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स रेलाक्सा टेक्सटाइल्स एण्ड गारमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० एन० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोयम्बटूर पयनीर इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० डीपन/5260/56/20—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह



सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोयम्बर-टूर पर्यटन इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पर्यटन बूचरीज लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल 1980

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिव राम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० 3827/560(3)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिव राम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एच० बनार्जी  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

सं० 6691/560(3)—सी०सी०IV—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पर्यटन बूचरीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन्,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

### कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

#### आयकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

मं० कोप्रार्ड/पब/दिल्ली/बी/78-79/7—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के आदेश का अनुसरण करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली लोक हित में उचित समझकर एतद्वारा उन निधिरतियों के नाम तथा अन्य विवरण प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान कम से कम 5,000 रु० की पेनल्टी लगाई गई थी:—

क्रम सं०	नाम और पता	प्रास्थिति	निर्धारण वर्ष	धारा	राशि (रुपये में)
1. 22-022-सीवी-1634	मैसर्स अलोक उद्योग सर्विसेज लि० 5, पी०एन०बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली	कम्पनी	1974-75 1974-75 1974-75	273 (बी) 271(1)(बी) 271(1)(सी)	36,220 47,660 2,67,347
2. 22-004-सी टी-5631	मैसर्स अलोक उद्योग वनस्पति एण्ड प्लांटबुड लि०, 5-पी०एन० बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली अब पता इस प्रकार है :— 6-ए राजा सुबोध मलिक स्कवेयर (सातवीं मंजिल), कलकत्ता।	कम्पनी	1974-75	271(1)(ए) 271(1)(बी)	1,52,250 30,450

मं० समन्वय/प्रकाशन/दिल्ली-ए/78-79/12—निम्नलिखित सूची में (ए) में उन व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त परिवारों के नाम दिये गये हैं जिनका वर्ष 1978-79 में दो लाख रुपये से अधिक आय पर कर-निर्धारण हुआ है तथा (बी) में उन फर्मों, व्यक्तियों, के पंगम या कम्पनियों के नाम दिये गये हैं जिनका कर-निर्धारण 10 लाख रुपये से अधिक आय पर हुआ है। (एक) में "आई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू अविभक्त परिवार का, "सी" कम्पनी का, "एफ" फर्म का

तथा "ए" व्यक्तियों के संगम का सूचक है। (दो) में कर-निर्धारण वर्ष, (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय, (चार) में कर-निर्धारित आय, (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर, (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :—

- (1) पी० आई०-1808, ए० के० पुरी, भागीदार सोफिस्टिका इन्टरप्राइजिज, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,09,050 (चार) 2,09,060 (पांच) 1,36,976।
- (2) 22-030-पी० एक्स-8804, अब्दुल रहमान, सी०-181, दयानन्द कालोनी, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1976-77 (तीन) शून्य (चार) 2,64,000 (पांच) 1,79,839 (छह) शून्य।
- (3) 22-004-पी० जेड-4895, ए० सी० गुलाटी, भागीदार मैसर्स ए० दुग्गल एण्ड कम्पनी, डी० बी० गुप्ता, रोड, नई दिल्ली (ए) आई (दो) 1978-79 (तीन) 1,894,50 (चार) 2,02,120 (पांच) 1,15,542 (छह) 1,06,800।
- (4) पी० एक्स-1545, ए० एन० आहूजा, भागीदार मैसर्स आहूजा रेडियो, 3778, एन० एस० मार्ग, दरिया गंज, दिल्ली (ए) आई (दो) 1976-77 (तीन) 3,98,490 (चार) 4,00,555 (पांच) 2,84,990 (छह) 2,84,990।
- (5) एफ० आई०-7224, मैसर्स बत्तरा ब्रादर्स, 3976-रोशन आरा रोड दिल्ली (एक) एफ (दो) 1977-78 तथा 1978-79 (तीन) 18,30,750, 24,36,934 (चार) 18,47,560, 24,81,940 (पांच) 4,72,355, 6,58,909 (छह) 4,72,355, 6,58,909।
- (6) पी० एक्स०-3715, सी० एम० चावला, भागीदार मैसर्स यूनिवर्सल बुक स्टाल, 4-अंसारी रोड दरिया गंज, दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,08,840 (चार) 2,17,632 (पांच) 1,44,134 (छह) 1,37,366।
- (7) एफ० आई-7123, मैसर्स ग्लोर्ट सुपर पाईस एब38, एन० डी० एस० ई० पाटें-II, नई दिल्ली। (एक) एफ० (दो) 1977-78 (तीन) 40,93,867 (चार) 41,25,810 (पांच) 10,73,813 (छह) 10,65,383।
- (8) 22-007-सीजेड-5436 एण्डो यूरोपियन मशीनरी (प्रा० लि०), कृष्ण उस्ताद दाग, चांदनी चौक, दिल्ली (एक) सी (दो) (1978-79 (तीन) 17,04,068 (चार) 16,82,292 (पांच) 11,48,163 (छह) 11,66,540।
- (9) पी० जेड-0670 जगदीश चन्द्र, भागीदार मैसर्स मद्रास सोप मिल्स, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,89,240 (चार) 2,99,200 (पांच) 2,06,937 (छह) 2,06,937।
- (10) पी० एन-1383, कान्तो देवी, भागीदार मैसर्स मद्रास सोप मिल्स, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,40,850 (चार) 2,48,630 (पांच) 1,67,997 (छह) 1,67,997।
- (11) 22-007-सी० टी०-4768, मैसर्स माइक्रो अब्दुसिखज (आई०) प्रा० लि०, 65-जोरबाग, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) (1978-79 (तीन) 15,29,200 (चार) 15,40,978 (पांच) 9,70,818 (छह) 9,70,818।
- (12) ए० जेड-6492, मैसर्स महेन्द्रा इण्डोमेंट ट्रस्ट, 11-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली (एक) ए (दो) 1975-76 (तीन) 2,98,312 (चार) 2,98,750 (पांच) 2,05,078 (छह) 2,04,732।
- (13) एफ० आई०-2715, मैसर्स मद्रास सोप मिल्स, 34-सी वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) एफ (दो) 1976-77 (तीन) 10,86,910 (चार) 11,22,100 (पांच) 2,80,834 (छह) 2,80,834।
- (14) पी० एक्स०-1562, एन० एस० आहूजा, भागीदार मैसर्स आहूजा, रेडियो, दरियागंज, दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,70,570 (चार) 2,71,944 (पांच) 1,85,935 (छह) 1,85,935।
- (15) 22-007-सी० एक्स-5046, नेशनल सीड कारपोरेशन, आफ इण्डिया, नई दिल्ली (एक) सी (दो) 1974-75 (तीन) 49,77,780 (चार) 91,59,262 (पांच) 52,89,472 (छह) 52,89,472।
- (16) पी० जेड०-2866, पी० सी० गुप्ता, भागीदार सिया राम ब्रादर्स, सिधया हाउस के सामने, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 3,65,730 (चार) 3,82,330 (पांच) 2,71,338 (छह) 2,58,160।
- (17) पी० एन०-6260, प्रियम सुन्दर, भागीदार मैसर्स मद्रास सोप मिल्स, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 2,90,270 (चार) 2,99,350 (पांच) 2,07,051 (छह) 2,07,051।

सं० कोआर्डिनेट/दिल्ली/सी/77-78/1369—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा

- (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के आदेश के अनुसरण में आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

लोक हित में उचित समझकर उन करदाताओं के नाम प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1978-79 के अन्तिम दिन अर्थात् 31-3-1979 को 1,00,000/- रु० या अधिक बकाया है।

क्रम संख्या	करदाता का नाम और पता	दो वर्ष और उससे अधिक की बकाया राशि
1.	मैसर्स अलोक उद्योग सर्विसेज लि०, 5-पी० एन० बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली	15,27,441
2.	मैसर्स अलोक उद्योग वनस्पति एण्ड प्लाईवुड लि०, 5 पी० एन० बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली	7,84,912
3.	मैसर्स चांद फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० द्वारा यशपाल भसीन, एफ-41, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली	2,18,000
4.	मैसर्स ग्रीन ग्रुप एण्ड फाइनेंस चिट फंड द्वारा मैसर्स एल० के० भण्डारी एण्ड कम्पनी, सी० एन-132, कनाट सर्कस, नई दिल्ली	1,30,388
5.	मैसर्स इन्दिरा इलेक्ट्रिक (प्रा०) लि० द्वारा के० डी० वाठिया, 4, साइनगींग स्ट्रीट, कलकत्ता	3,78,576
6.	मैसर्स इन्द्रप्रस्थ फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० द्वारा श्री एस० सी० सुनेजा, एडवोकेट, एम-4-ए, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली	1,78,264
7.	डा० जे० धर्मतेजा, द्वारा मैसर्स रघुनाथ राम एण्ड कम्पनी, सी० एन०-3 हनुमान, रोड, नई दिल्ली अब पता इस प्रकार है:— अपार्टमेंट नं० 65, 38-एवेन्यू 1219-डी० बी०-एल० आई० जी० नोन, जनेबा, स्विटजरलैंड।	5,48,13,675
8.	मैसर्स पर्ल साइकिल इण्डस्ट्रीज लि० पार्ट (परिसमापनाधीन) द्वारा आफिशियल लिक्विडेटर, 16, रिंग रोड, नई दिल्ली	40,34,193
9.	मैसर्स युनाइटेड इण्डिया जनरल फाइनेंस (प्रा० लि०) द्वारा आफिशियल लिक्विडेटर, भारत एकाउंट्स बिल्डिंग, नई दिल्ली।	6,81,825
10.	श्री दामोदर प्रसाद गुप्ता, 109, दरियागंज, दिल्ली	1,37,271
11.	मैसर्स इण्डियन आयरन एण्ड हार्डवेयर कं०, चावड़ी बाजार, दिल्ली	1,46,375
12.	मैसर्स लक्ष्मण दास राम चन्द, प्रो०, श्री तारा चन्द, चावड़ी बाजार, दिल्ली	7,45,000

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी, 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1008—यतः मूले के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री चक्रार्तुना श्रीनिवासा चक्रार्ति, विजयवाड़ा-  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती नेर्म वेण्टा मुक्कम्म, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी में पार्श्वक अंत 31-7-  
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4868 में निगमित अनुसूची  
संपत्ती।

के० के० वीर,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980  
माहूर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1009—यतः मुझे कै०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3—36GI/80

(1) श्री (i) कोनूल व्हा गणपति अत्मा रामाराव  
(ii) के० वेंकटा मुब्बाराव, (iii) के० चंद्रा शेखर-  
भार्गव श्रीमति अन्नापूर्णम्मा और के० डि० जि० ए०  
रामाराव, विजयवाड़ा  
मैनर व गाडियन

(अन्तरक)

(2) श्री (i) तडाप्प वेंकटा हनुमन्ताराव, (ii) टि०  
सुगुणा सुसीला भारती (iii) टी० रत्नम्मा श्रीनवास  
(iv) टि० रामाराव (v) टि० रामाक्रिष्णा  
तीन (iii) से पांच (v) मैनर वड्ड गाडियन टि०  
वि० हनुमन्ताराव विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अविहारी से पाक्षिक अंन 5-7-1979  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4804 में निगमित अनुसूची  
संपत्ती।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980

मोहर:

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एस० बि० पि० वि० चलपतिराव, मद्रास  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री चुक्कपल्ली वेंकटेश्वरारावु, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1010—यतः मुझे के०

के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है, जो स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जुलाई 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-  
1979 से पंजीकृत वस्तावेज नं० 4910 में निगमित अनुसूची  
संपत्ती।

के० के० वीर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1011—अतः मुझे के०  
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गु के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती धिता चिदेम्मा, एलूर। (अन्तरक)
- (2) श्री सुखी जीलमाजी, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)
- (3) श्री (i) जयहरलाल डायमा, (ii) शानीलाल  
मणीलाल, (iii) पिल्ला परसारामय्या  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 4-7-1979  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4724 व 4583 में निगमित  
अनुसूची संपत्ती।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-80  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती एस० आदिलमिह, हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्री एन० तम्मय्या, विशाखापटनम, । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

आर० ए० सी० नं० 1012—यतः, मुझे के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं०

है, जो

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 18-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विशाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-  
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5616 में निर्णमित अनुसूची  
संपत्ति।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980  
मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

(1) श्रीमती रुखिबाई विशाखापटनम (अन्तरक)

(2) श्रीमती मानम तायारम्मा, विशाखापटनम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1013—यन: मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

विशाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5146 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980  
माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1014—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती अब्बिरेडु, सरोजिनि, काकिनाड़ा (अन्तरक)

(2) श्रीमती संकरा सत्यानारायणम्मा, काकिनाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

काकिनाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5603 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पि० लक्ष्मी, काकिनाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री नागम चिना वीराजु, काकिनाड़ा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

सं० आर० ये० सी० नं० 1015—यतः मुझे के०  
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाड़ा में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

काकिनाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-  
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5007 में नियमित अनुसूची  
संपत्ती।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 11-2-1980  
मोहर:

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सि० जगन मोहन रावु, तेनाली (अन्तरक)

(2) श्री जि० विश्वनाथ, तेनाली (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1016—यतः मुझे के०

के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं०

है

तथा जो

में स्थित है और

इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-1979  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2166/79 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 1017—यतः मुझे, के०  
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—36GI/80

(1) श्रीमती गुम्माडि नागेंद्रम्मा, गुन्टूर (अन्तरक)

(2) (i) आल्ला सत्यनारायण रेड्डी, (ii) कल्लम हरनाथा रेड्डी, गुन्टूर (iii) आल्ला सुंदरराम रेड्डी, गुन्टूर, (iv) एस० लक्ष्मिनारायणा, गुन्टूर, (v) कल्लम वेंकटेश्वर रेड्डी, गुन्टूर, (vi) कुसुम अंकिरेड्डी, गुन्टूर, (vii) पोलूरि वेंकटेश्वर रेड्डी, गुन्टूर, (viii) गुल्लम शेषागिरिराव, गुन्टूर, (ix) भवनम पोति रेड्डी, गुन्टूर, (x) श्रीमती कल्लम वेंकटा सुब्बायम्मा, गुन्टूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1898 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० 268/79-80—यतः, मुझे, एच० तिममय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० 998 और सी० टी० एस०  
नं० 997 है, जो महालिंगपुर, तालूक मुघोल, डिस्ट्रिक्ट  
बिजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मुघोल ग्रैंडर डाक्यूमेंट नंबर 687 दिनांक 17-7-1979 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुंदराबाई पत्नी मणिराम बेलगांवकर,
- (2) श्री माणिकलाल मणिराम बेलगांवकर,
- (3) श्री हिरालाल माणिराम बेलगांवकर, (4) श्री  
मदनलाल मणिराम बेलगांवकर, किसान, महालिंगपुर  
तालुक मुघोल डिस्ट्रिक्ट बिजापुर (अन्तरक)
- (2) (1) बसप्पा इट्टप्पा कोलिगुड्ड, (2) महालिंगप्पा  
इट्टप्पा कोलिगुड्ड अदनिया, महालिंगपुर, तालुक  
मुघोल डिस्ट्रिक्ट बिजापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

खुला जगह सि० टि० एस० नंबर 998 जिसका नाप  
है 5260-86 स्क्वेयर यार्ड, और सि० टि० एस० नंबर 997  
(सिर्फ पश्चिम कि ओर कि जगह) दोनों जगह कि संपूर्ण  
नाप 76000 स्क्वेयर फीट है और जो महालिंगपुर, तालुक  
मुघोल डिस्ट्रिक्ट बिजापुर में स्थित है।

एच० तिममय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख: 18-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24251/79-80/एक्यू०/बी०—

यतः मुझे पि० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 823 है, तथा जो चारखाँ "टी०" ब्लॉक  
जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दानों के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री डी० के० सत्यानारायण सेट्टी, सं० 921,  
स्यान्डल कोटे के पीछे के० आर० पुरम, हासन  
(अन्तरक)

(2) श्री के० एस्० बालाजी, सं० 171, उन्नीस क्रास्  
रंगस्वामी मंदिर स्ट्रीट, बेंगलूर-53 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 877/79-80 तारीख 5-7-1979)।  
संपत्ति सं० 823, तथा जो डिविजन् सं० 35, चारखाँ  
"टी०" ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है।

षकबन्दी—पूर्व में जगह सं० 824।

पश्चिम में जगह सं० 822।

उत्तर में सड़क।

दक्षिण में जगह सं० 846।

पी० रंगनाथन्,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 25-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० सी० आर० 62/24873/79-80/एक्यू०/बी०—

यतः मुझे, पी० रंगनाथन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 110, है जो संपंगी टधांक रोड, फोर्ट रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सी० ए० पोन्नप्पा, सं० 1 वुन्टन्न रोड कासू, बेंगलूर (2) डा० (श्रीमती) पी० मिन्नी उत्तप्पा (3) कुमारी पी० बेला उत्तप्पा, (4) कुमार पी० पोन्नप्पा उत्तप्पा, सं० 2 से 4 रहते हैं सं० 90, तीसरा मैन् रोड, जयामहल एक्सटेन्शन, बेंगलूर-6 (अन्तरक)

(2) श्री एम्० डी० शेटी, श्री पुहन्ना शेटी के बेटा, सं० 1064, पांचवां ब्लॉक, राजाजीनगर बेंगलूर-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1540/79-80 तारीख 9-8-1979)।

संपत्ति सं० नया नं० 10, तथा जो संपंगी टधांक रोड, फोर्ट रोड, डिविजन सं० 43 बेंगलूर में स्थित है।

चक्रवर्ती—उत्तर: में संपत्ति टधांक रोड और फोर्ट रोड।

दक्षिण: में सी० आर० टी० बी० नया रोड।

पूर्व में: सी० आर० टी० बी० नया रोड।

पश्चिम में सन्यासी बूदर्स के संपत्ति।

पी० रंगनाथन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 29-1-1980

माहूर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० सी० आर० 62/24765/79-80/एक्यू०/बी—

यतः मुझे, पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो मसूर रोड, चामराजपेट, बंगलूर-18 में स्थित है (और इस से उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनमुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मास्टर के० एम० गुणैबखान (मैनर) रिप्रेन्ट करते हैं इनके बाप और गार्डियन् श्री सी० एम० खलीमुल्लाखान सं० 3/2, बेर्ली स्ट्रीट, आस, लांगफोर्ड टोउन्, बंगलूर-25 (अन्तरक)
- (2) श्री (1) जी० देवेन्द्र सेट्टी, (2) जी० सी० प्रभाकट्ट, सं० 406, पांचवा ब्लॉक राजाजीनगर बंगलूर-10 (अन्तरिती)
- (3) कर्नाटक इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1484/79-80 तारीख 31-8-1979)।  
संपत्ति सं० 7, तथा जो मसूर रोड, चामराजपेट, बंगलूर-18 में स्थित है।

चकबन्दी—पूर्व में श्री बी० आर० मुहम्मद शफीउल्ला की संपत्ति।

पश्चिम में श्री शाह के खाली जगह।

उत्तर में फूटपात् और बंगलूर—मसूर रोड।

दक्षिण में प्रायवेड संपत्ति।

पी० रंगनाथन्,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 23-1-1980

माहूर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1980

सं० सी० आर० 62/24457/79-80/ये० सी० कियो०/

बी०—यतः मुझे ऐच० तिम्मय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 447/1 बी० टी० एस० है, तथा जो कसबा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-7-1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री के० रामचन्द्रा नायक पुत्र के० ठकपा नायक अगरीकलचरीस्ट पने मंगलूर कसबा बंटवाल तालूक (अन्तरक)
- (2) मेसर्स, गुरुप्रासाद टरेडरस रेप्रेसन्ट कर रहे हैं उनके पारटनर श्री विष्णुनाथा कामट, बंदर, मंगलूर। (अन्तरिती)
- (3) (1) मेसर्स सेवगूर गाप्पावा कामत और सन्त  
(2) मेसर्स यो० नारायाना मल्लया और कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 294/79-80 तारीख 28-7-1979)।

घर सम्पत्ति सं० टी० एस० 447/1 बी०, कसबा बाजार विलेज, मंगलूर।

चक्रबंदी—उत्तर—लेन।

दक्षिण—जे० डी० लेन।

पूर्व—रोड।

पश्चिम—टी० एस० सं० 447/1 ये०।

ऐच० तिम्मय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 18-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी०आर० 62/24128/79अ80/एसीक्यू/6—

यतः मुझे, एच० तिममय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, तथा जो दसवां क्रस कब्बनपेट बंगलूर  
में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर,  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती पुट्टम्मा

2. श्री बी० एच० सुब्बय्या, सं० : 15,

दसवां क्रस कब्बनपेट, बंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीनारायणा, सं० : 6, सिद्दप्पा गली, बंगलूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 861/79-80 तारीख 1-7-1979)

धर संपत्ति सं० : 14, तथा जो दसवां क्रस कब्बनपेट  
बंगलूर में स्थित है।

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-2-1980

माहूर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/24520/79-80—यन:

मुझे, एच० तिममया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है, तथा जो 37 वीं रोड क्रम 8 वीं ब्लॉक जयानगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बी० अनासुया देवी, सं० : 39, मसीलामानी मुद्दालियार रोड, बालाजीनगर रोपापेट्टा मद्रास-600014।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) एस० एन० भीमनन्दा  
(2) एस० एन० अरजना  
(3) एस० एन० भारत कुमार,  
(4) एस० एन० अनंतापवानाभा  
(5) एस० एन० रविशंकर  
(6) एस० एन० पारीजाथम सं० : 43, सुलतान पेट बंगलूर-53।  
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1152/79-80 तारीख 31-7-79)

खाली जगह सं० : 12, 37 वीं रोड क्रम 8 वीं ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-11।

एच० तिममया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 19-2-1980

मोहर:

प्रत्यक्ष जाह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रमर्ज रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० प्रार० 62/24392/79-80—यतः,  
मुझे एवं तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पक्षप्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है, तपस जो 1 फ़ास रोड, नेहरूनगर,  
बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर,  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 21-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए सन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-36 1/80

1. श्रीमती (1) एम० जी० निरमाला (2) श्री एम० जी०  
जयातिलकसिंह (3) श्रीमती एम० जी० सुलेखा (4)  
श्रीमती बी० सुवामा, (5) मिस० एम० जी० शोभा  
प्रभा, सब का पता है—सं० 497/1, माडल कॉलोनी  
जसवंतापुर बंगलूर-560022

(अन्तरक)

2. श्री एम राजा मन्नीक्कन

पुल श्री टी० एस० मानीक्कम, सं० 17, II फ्लोर  
21वीं फ़ास, कब्बनपेट,  
बंगलूर-560002।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1059/79-80 तारीख 21-7-1979)

घर सम्पत्ति सं०: 34, I फ़ास नेहरूनगर सेशादरीपुरम,  
बंगलूर-560020।

चकबन्दी:

पूर्व: 1 फ़ास रोड

पश्चिम: कनसरवेन्सी

उत्तर: सम्पत्ति 35

दक्षिण: सम्पत्ति 33।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

प्रमर्ज रेंज, बंगलूर।

तारीख: 20-2-1980

माहूर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी, 1980

निर्देश सं० सीआर 62/24417/79-80/एसीक्यूव/बी—यतः,  
मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2128X2129ए, म्युनिसिपल सं० : 47  
है, तथा जो दूसरा स्टेज आठवां मैन 'डी' ब्लॉक राजाजीनगर बंगलूर  
में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 9-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एच० के० भारद्वाज एयंगर,  
सं० 47, दूसरा स्टेज,  
राजाजीनगर, 'डी' ब्लॉक, आठवां मैन, बंगलूर ।  
(अन्तरक)

2. श्री के० एन० शामसुन्दर,  
सं० 102, मारगोसा रोड,  
मल्लेश्वरम, बंगलूर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यतापूर्ण के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1422/79-80 तारीख 9-7-1979)

घर संपत्ति सं० : 47, तथा जो राजाजीनगर दूसरा स्टेज,  
आठवां मैन बंगलूर में स्थित है।

चक्रबन्दी

उत्तर में जगह सं० : 2129

दक्षिण में जगह सं० : 2127

पूर्व में जगह सं० : 2283ए और 2284

पश्चिम में सड़क।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 20-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/138/1/80/79-80/एसीक्यू०

बी०—यतः, मुझे, एच० तिमम्पया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2 और 20 है, तथा जो  
मरियना तिमसागर हुबली में स्थित है (और इस से उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बैकटराव रामराव देशपांडे,  
तिम्मसागर घोनी, हुबली।

(अन्तरक)

2. श्री एन० जी० कुलकर्णी, चेपरमैन,  
श्री सिद्धालिगेवर को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लिमिटेड, हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1020/79-80 तारीख 30-7-1979)

बिन शेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2,  
और 20 तथा जो मरियना तिमसागर हुबली में स्थित है  
ऊपर की सम्पत्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिति 10  
एकर और 17 गुन्ठे है।

एच० तिमम्पया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 26-2-1980

माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/138ए/1/80/79-80/एस/ब्यू०

बी०—यतः, मुझे, एच० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 18-बी, 19ए/2, और 20 है, तथा जो मरियना निम्मसागर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री डा० सुरेश वैकटराव देशपांडे,  
निम्मसागर घाटी, हुबली।

(कलकत्ता)

2. श्री एन० जी० कुमरकर्णी, चेरसन  
श्री सिद्दिगेश्वर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी  
लिमिटेड, विद्यानगर, हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थापना के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1021/79-80 तारीख 30-7-1979)

बिन गेटकी जमीन जिसकी सर्वे नं० 18-बी, 19ए/2, और 20 तथा जो मरियना निम्मसागर, हुबली में स्थित है। ऊपर की संपत्ति में 1/5 भाग 1 जमीन की परिमिती 10 एकर और 17 गुन्ठे हैं।

एच० तिममय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज, बेंगलूर।

तारीख : 26-2-1980

मोहरः



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना--

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 फरवरी, 1980

निर्देशांक सं० सी०एच० 62/138-सी०/३१/१७-80/-एसीक्यू  
बी०--यतः मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी रं० सर्वे स० 18-बी, 19ए/2 और 20 है, तथा  
जो मरियना तिमसागर हुबली में स्थित है (और इस से उपानद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 30-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्तः आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री रमेश बेंकटराव देशपांडे,  
तिम्सागर मोनी, हुबली

(प्रत्तरक)

2. श्री एन० जी० कुलकर्णी चेमें

श्री सिद्धलिंगेश्वर कोम्पारेटिव हाऊसिंग सोसायटी  
लिमिटेड, विद्यानगर, हुबली (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जहाँ भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1022/79-80 तारीख 30-7-1979)

जिन प्लॉटकी जमीन जिसकी सर्वे स० 18-बी, 19ए/2,  
और 20 तथा जो मरियना तिमसागर, हुबली में स्थित है। उपर  
ऊपर की सम्पत्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकड़ें  
और 17 गुठें है।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 26-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/138-सी/1/80/79-80  
एकवी०/B—यतः मुझे ह० तिममय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेण० 18-बी, 19ए/2, और 20 है, तथा  
जो मरियना तिमसागर, हुबली में स्थित है और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 30-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रकाश, वेंकटराव देशपांडे  
तिम्मसागर भोनी, हुबली

(अन्तरक)

2. श्री एन० जी० कुलकर्णी, चेमन,  
श्री सिद्धालिगेश्वर कोभापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी  
लिमिटेड, विद्यानगर, हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्साक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1023/79-80 ता० 30-7-1979)

बिन शेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2  
और 20 तथा जो मरियना तिमसागर, हुबली में स्थित है।  
ऊपर की संपत्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकड़  
और 17 गुन्ठें है।

ह० तिममय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 26-2-1980  
साहू:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी०आर० 62/138-डी/1/80/79-80/एसीक्यू बी०—यतः मुझे ह० तिममया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2 और 20 है, तथा जो रियल एस्टेट तिममसागर, हुबली, में स्थित है (और इस से उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 30-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया ग्रहण प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भीमेश वेंकटराव, देशपांडे, तिममसागर मोती, हुबली

(अन्तरक)

2. श्री एन० जी० कुलकर्णी चेर्मन, श्री सिद्धालिगेश्वर को अपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड विद्यासागर हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1024/79-80 ता० 30-7-1979)

बिन जेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18बी 19ए/2, और 20 तथा जो मरियाना तिममसागर, हुबली में स्थित है। ऊपरकी संज्ञा में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकड़ और 17 मुठें है।

ह० तिममया

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 26-2-1980

माहुर:

प्रत्यक्ष अर्द्ध. टी. एच. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रधान निरीक्षक, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 मार्च, 1980

निवेदन सं० III 377/अर्जन/79-80—प्रति: सुनी ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेचना करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पाना नं० 4, तैली नं० 438 बॉर्डर नं० 11 सर्वे प्लॉट नं० 665 और 666, खाता नं० 98 प्लॉट नं० 25 होल्डींग नं० 108/ए है, तथा जो कांजीपुर राजेन्द्र नगर (पानी टंकी के समीप) पटना में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिविवरण 1978 (1978 का 18) के अधीन तारीख 7-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सुभाष चन्द्र मेहता उर्फ हनुमान दास मेहता वल्दान स्व० श्री मंगल दास मेहता रोड नम्बर 1, राजेन्द्र नगर, पटना (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजू देवी बोकरा जोजे श्री राज करण बोकरा रोड नम्बर 3, राजेन्द्र नगर, पटना-16 (अन्तरिती)

(3) मेसर्स महावीर इन्डस्ट्रीज (इस व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करायें हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जाकीपू:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि जाव हो सकेगी, होगी, के अन्तर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थापक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3 कट्ठा 11 घूर मकान सहित जो पानी टंकी रोड नम्बर-1 राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है जो पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या 4382 दिनांक 7-7-79 में वर्णित है तथा जिला निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा रजिस्ट्रित है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

तारीख: 1-3-80  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

अन्तर्क सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।  
पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं० III 378/अर्जन/79-80—अतः ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तोजी नं० 5292 थाना नं० 23 खाता नं० 56 और 78 खसरा नं० 85 और 86 है, तथा जो मैनपुर सुगना थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गिंत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
6-36GI/80

(1) श्री बंसली सिंह बल्लव संतलाल सिंह, सा० खकु-  
बपुरा पञ्चालय—बिहार भेटनरी कालेज बाया  
दानापुर जिला पटना

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सिंह बल्लवान श्री सूरज प्रसाद सिंह  
वास्ते मेसर्स ह्यार बेल पोयान्ट सीस्टम और  
फेबरीकेटर ई/50 पीपुल्स कोआपरेटिव कालोनी  
केकड़वाग पटना-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकबा 10 ईकड़ों जो मैनपुर सुगना थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या 3324 दिनांक 9-7-79 में गिंत है तथा निबन्धन पदाधिकारी दानापुर के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

तारीख : 1-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 1 मार्च, 1980

निदेश सं० III 379/भर्जन/79-80—प्रतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सौजी नं० 5292 थाना नं० 23, खाता नं०  
58 और 78 खसरा नं० 85, 86 और 89 है, तथा जो मैनपुर  
सूचना थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 9-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अशोक कुमार सिन्हा बल्लु बंगाली सिंह सा०  
रुकुनपुरा पत्तलय बिहार मेटनरी कालेज थाना  
दानापुर जिला—पटना

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सिंह बल्लुन श्री सूरज प्रसाद सिंह  
वास्ते मेसर्स बिहार वेल् पोम्प्रायन्टा सीस्ट प्रीर  
फेबरीकेटर ई/50 पीपुल्स कोम्पारेटिव कालोनी  
कंकड़ बाग पटना—20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 10 कट्ठा जो मैनपुर सुगना थाना दानापुर  
जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 3323  
दिनांक 9-7-79 में वर्णित है तथा निबन्धन पदाधिकारी दानापुर  
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

भर्जन परिक्षेत्र

बिहार, पटना

तारीख : 1-3-80

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं० III-382/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी नं० वाई नं० 17 (पुराना) 25 (नया), होल्डिंग  
नं० 166-26, प्लॉट नं० 1553/के० 1553/के० एच० 1554,  
1555 है, तथा जो आलमगंज (खुशकीबाग) में स्थित है (और  
इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पूर्णिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री संतोष कुमार पाल एवं श्री प्रामतोष कुमार पाल  
पिता—श्री गयानाथ पाल, साकिन—खुशकीबाग,  
पो०—पूर्णिया० टाउन, जिला—पूर्णिया।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश्वर प्रसाद सिंह  
पिता—श्री बटेश्वर प्रसाद सिंह साकिन—मधुबनी  
पोस्ट/जिला—पूर्णिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकबा 1 बीघा 12 कट्टा 16 1/4 घुर जो आम,  
कटहल, एवं लीची के पेड़ सहित मौजा आलमगंज (खुशकीबाग)  
जिला पूर्णिया में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 11849  
दिनांक 3-7-1979 तथा जो जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी  
पूर्णिया द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना।

तारीख: 1-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिह

पटना, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० III/383/अर्जन/79-80—प्रतः मुझे ज्योतीन्द्रा  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 80 खातानं० 83 रांची ती० एस०  
नम्बर 188 है, तथा जो कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्यावती देवी जोहरपनी श्री जी० एल०  
जोहर एट मुगमा थाना निरसाचट्टी जिला धनबाद  
वर्तमान नगरा दोली थाना लालपुर जिला रांची  
(अन्तरक)

(2) श्री श्याम बिहारी त्रिपाठी  
बलवान श्री रामधारी त्रिपाठी कांके रोड, रांची  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

जबीन रुकवा 44 डी समल मकान सहति जो कांके रोड  
रांची में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7825  
दिनांक 24-9-1979 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्रा नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र  
बिहार, पटना

तारीख: 10-3-80  
मुहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० III/384/अर्जन/79-80—अंतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर उस फ्लैट नं० 877 खाता नं० 9 इत्यादि  
है तथा जो रातु रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती अम्बीकेश्वर बक्स राए वल्दान स्व०  
नागेश्वर बक्स राय महल्ला अश्वगंज थाना, डाल  
टन गंज जिला पलामू,  
वर्तमान—हैसत, रांची

(अन्तरक)

(2) श्री गजेन्द्र नाथ त्रिपाठी वल्दान श्री श्याम बिहारी  
त्रिपाठी, रातु रोड, रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 कट्ठा 9 छंटाक 34 वर्ग फीट मकान  
सहित जो मौजा रातु रोड रांची में स्थित है जो पूर्ण रूप से  
बसिका नम्बर 9416 दिनांक 20-12-79 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र  
बिहार, पटना।

तारीख: 10-3-80  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० III 380/अर्जन/79-80—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होलिंग नं० 391 (पुराना) 625 (नया) वाडें नं० 1, प्लॉट नं० 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7, 8, खाना नं० 11, 14 और 16 है, तथा जो बारहम सिया, थाना गिरिडिह में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी के कार्यालय कसकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीकृष्णा इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड,  
13 प्रोल्ड कोर्टे टाउन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव सामन्ता

पिता श्री भंकर सामन्ता

साकिन—मकतपुर, जिला—गिरिडिह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त जमीन का रकबा .87 डिसमल जो मौजा बारहम सिया जिला—गिरिडिह में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1-5578 दिनांक 27 अक्टूबर, 1979 है जो सब रजिस्ट्रार ऑफ एग्योरेन्स कलकत्ता के द्वारा निबन्धित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन परिक्षेत्र  
बिहार, पटना

तारीख : 21-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन परिक्षेत्र, बिहार।

पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निवेश सं० III-385/भर्जन/79-80—अतः भुम्मे ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खातानं० 165 खसरा नं० 2507, 2515,  
2508, इत्यादि है, तथा जो मौजा दहरिया, जिला कटिहार  
में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कटिहार में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-7-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गोपीकृष्ण भगवाला, वल्द श्री प्रभुदयाल भगवाला  
श्रीमती विमला देवी, पुत्री श्री सीताराम भगवाला  
साकिन—बड़ा बाजार, पतालया/जिला कटिहार  
(अन्तरक)

(2) श्री भजय कुमार भगवाला  
वल्द श्री देवी लाल भगवाला  
साकिन—बिनोद पुर पतालया/जिला कटिहार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकबा चार कटठा मकान सहित जो मौजा दहरिया,  
कटिहार जिसका खातानं० 165, खसरा नं० 2507, 2515,  
2508, इत्यादि, में स्थित है और जो पूर्व रूप से वसिका नम्बर—  
9816 दिनांक 24-7-79 में वर्णित है तथा जिला भवर निबन्धक  
कटिहार में निबन्धित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

तारीख: 21-3-80

मोहर:

प्रकरण आई० टी० आई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, ।

पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० III 386/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्राम जिसकी सं० वार्ड नं० 5, नया-11, होल्डिंग नं० 95, प्लॉट नं० 101 है, तथा जो मधुबनी, जिला पूर्णिया में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूर्णिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोरेन्द्र नाथ गांगुली वल्द श्री भूपेन्द्र मोहन गांगुली साकिन—नौरतन हट्टा, थाना के० हर पञ्चालय/जिला—पूर्णिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत कुमार राय एवं श्री आशित कुमार राय वल्द श्री अश्विनी मोहन राय, साकिन—नौरतन हट्टा पञ्चालय जिला—पूर्णिया ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कारकबानो कट्टा एक धुर मकान सहित जो मौजा मधुबनी जिला—पूर्णिया मोहल्ला—नौरतन हट्टा तथा जो वार्ड नं० 5 (नया), होल्डिंग नं० 95 में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बमिका नं० 12589 दिनांक 21-7-1979 में वर्णित है जो जिन्का अवर निम्न्यक पूर्णिया के द्वारा विवधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना

तारीख : 21-3-1980

मोहुर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निर्देश सं० III-387/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी नं० प्लॉट नं० 579 खाता नं० 29 इत्यादि है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इस से उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

7-36GI/80

(1) श्री अमरनाथ मिह बल्द श्री तारामिह (2) श्रीमती रावप्यारी देवी जीजे श्री अमरनाथ मिह (3) कुलदीप मिह—बल्द श्री अमरनाथ मिह साकिन—शिवली बारी; थाना—चिरकुन्डा, पटालय/जिला धनबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी जीजे श्री खजम मिह साकिन—जोरीडीह, थाना—जोरीडीह, जिला—गिरिडीह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकबा 12 कठ्ठा 6 छटौक दो मंजिला मकान सहित जिसका प्लॉट नं० 579, खाता नं०—29 और जो पूर्ण रूप से बसिका नं० 5808 दिनांक 20-7-79 में वर्णित है तथा जिला अवर निबन्धक धनबाद के द्वारा निबंधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना

तारीख : 21-3-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

[उद्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/642—यतः मुझे

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के धर्मीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिगों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामचन्द्र, जीराज, मुखराम पुत्रान श्री छोणाराम निवासी 3 ई० छोटी, तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री निशीथ पारीकपुत्र श्रीमदन कुमार पारीक निवासी 112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के प्रथम भाग के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मु० नं० 516 कि० नं० 14 की एक बीघा कृषि भूमि जो चक 3 ई० छोटी श्रीगंगानगर में स्थित है और उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 1941 दिनांक 18-7-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26 फरवरी, 80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन —यतः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
7 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामचन्द्र जीराज, मुखगाम पि० छोगाराम निवासी  
3 ई० छोटी तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री निशीथ पारिक पुत्र मदन कृष्ण पारिक निवासी  
112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
सं० नं० 516 कि० नं० 14 की 1 वीं भाग कृषि भूमि जो कर  
3 ई० छोटी श्रीगंगानगर; स्थित है और उप वजीयक, श्रीगंगा-  
नगर द्वारा क्रम संख्या 1896 दिनांक 7-7-1979 पर पंजीबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

## अनुसूची

मु० नं० 516 कि० नं० 14 की 1 वीं भाग कृषि भूमि जो कर  
3 ई० छोटी श्रीगंगानगर; स्थित है और उप वजीयक, श्रीगंगा-  
नगर द्वारा क्रम संख्या 1896 दिनांक 7-7-1979 पर पंजीबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-2-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जेंट/644—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 17 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामचन्द्र, जीराज, मुखराम पुत्रान श्री छोगा  
राम निवासी 3 ई० छोटी श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री निशीथ पारीक पुत्र एम० के० पारीक, निवासी  
112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मु० नं० 516 कि० नं० 41 एक बीघा कृषि भूमि  
जो चक 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप  
पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमसंख्या 1913 दिनांक 17-7-  
1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० एस० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, जयपुर

तारीख: 26-2-1980

मोहर:



प्रकृष्य घाई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/645—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 9 जुलाई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धद् प्रतिपात से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरातियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वाणिज्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अम्ल-प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री राम चन्द्र, गिर राज एवं मुखराम पुत्रान श्री  
छोगाराम निवासी 3 ई छोटी श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

2. श्री रीपूदानसिंह पुत्र श्री भूप सिंह बिस्तोई निवासी  
112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोद्वाहकरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मुख्या नं० 516 किला नं० 14 की 1 बीघा कृषि  
भूमि जो एक 3 ई० छोटी तह० श्रीगंगानगर में स्थित है और  
उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 1914 दिनांक  
9-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्रों में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सहायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/—यतः, मुझे एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रथम पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुकुट बिहारी लाल भार्गव पुत्र श्री विनोदी लाल जी भार्गव निवासी ब्यावर वर्तमान निवासी सरदार पटेल मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स महावीर एण्ड कम्पनी, ब्यावर जरिए श्री मोहन सिंह लोढा एवं श्री लालचन्द सिंघी, ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 1197 एवं 1448 की 4 बीघा कृषि भूमि जो नयानगर ब्यावर में स्थित है और उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रमांक 2463 दिनांक 24-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 3-3-1980

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/649—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
289-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवरुा उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24 अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रत्यक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नग्न राया गरा  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विज्ञान में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

प्रति: यह, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुकुट बिहारी लाल सुपुत्र पं० विनोदीलाल जी  
भार्गव निवासी ब्यावर हाल निवासी सरदार  
पटेल, मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स महावीर एण्ड कम्पनी ब्यावर जरिए मोहन  
सिंह लौड़ा व श्री लालचन्द सिंघी निवासी  
ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा नयानगर में स्थित खसरा नं० 1449 व 1450 की भूमि  
3 बीघा 14 बिस्वा 5 बिस्वांसी जो उप पंजियक, नागौर  
द्वारा क्रम संख्या 2462 दिनांक 24-10-79 पर पंजिबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 3-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/641—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायपुर में स्थित  
है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29 अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

- (1) मैसर्स गोलछा फार्मस एक रजिस्टर्ड पार्टनरशिप  
फर्म द्वारा इसके भागीदार सर्वश्री मोतीचन्द,  
(2) किशनचन्द  
(3) नेमीचन्द एवं  
(4) चेतन मल पुत्रान श्री मनोहर मल  
निवासी अजमेर रोड, ब्यावर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभूलाल पुख श्री राम सुख माली गेहलीत, निवासी  
बेलवाड़ा, रोड, ब्यावर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

खसरा नं० 14, 22 एवं 23 की 69 बीघा कृषि भूमि  
कूचे जिसमें बीजली की मोटर लगी है तथा इंजिन हाउस  
सहित, जो ग्राम बाली तहसील रायपुर जिला पाली में स्थित  
है और उप पंजियक, रायपुर द्वारा क्रम संख्या 294 दिनांक  
29-10-1979 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप  
से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

आवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः, मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंवा जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अबतः :—

8-36GI/80

1. श्री बृज नारायण पुत्र श्री शिव नारायण नरुला द्वारा मुस्तारनामा धारक श्री राम लक्ष्मण पुत्र श्री बाली राम गुप्ता निवासी जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री खूबी पुत्र श्री बरदीचन्द परमार, श्रीमती लाडकंवरल पत्नी श्री बसन्तीलाल बादला एवं श्री लक्ष्मीलाल पुत्र कन्हैयालाल बागरेवा काली बावड़ी उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसके खसरा नं० 955 है तथा जिसका क्षेत्र 6 बीघा 8 बिस्वा है और ग्राम बीडवास तहसील गिरवा में स्थित है जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2106 दिनांक 30-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 3 मार्च, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए०-3 (एफ०) है तथा जो जयपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 10 जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ ब्याज  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भास्कर चौधरी पुत्र श्री मंगल चन्दजी चौधरी,  
12 धूलेश्वर गार्डन, जयपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री राधा बल्लभ गुप्ता पुत्र गोपी प्रसाद जी गुप्ता,  
मोटर सेंटर एम० आई० रोड, जयपुर।  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० ए०-3 (एफ०) का पूर्वी आधा हिस्सा, सुन्दर  
पथ, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या  
1596 दिनांक 10-7-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और  
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-2-1980

मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-3 (एफ०) है तथा जो जयपुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तविकों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक-अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भांकर चौधरी पुत्र श्री मंगल चन्द चौधरी, निवासी  
12 धूलेश्वर गार्डन, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मखन लाल गुप्ता पुत्र श्री गोपी प्रसाद गुप्ता,  
मोटर सेन्टर एम० आई० रोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-3 (एफ) का पश्चिमी आधा भाग, सुन्दर पथ,  
बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1595  
दिनांक 10-7-79 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-2-1980

मोहर :

**प्रकृष्य धार्ई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/651—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 432 है तथा जो जयपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
18 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किश जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रारूपण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हेमनदास पुत्र लक्ष्मण सिन्धी, निवासी प्लाट  
नं० 432, बीस दुकान के पास आदर्श नगर  
जयपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रुबी देवी पत्नि श्री राजा राम अग्रवाल  
निवासी ग्राम मोडा तहसील नावां, जिला नागौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 432 का भाग (ग्राउन्ड फ्लोर का निर्मित  
भाग और खुली जमीन) जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम  
संख्या 1627 दिनांक 18 जुलाई, 1979 को पंजिबद्ध विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 3-3-1980

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/652—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (और, इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिमी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हनुमानदास पुत्र लाखूमल सिन्धी निवासी प्लॉट नं० 432 बीस दुकान के पास, आर्दश नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री राधेश्याम अग्रवाल निवासी ग्राम मीडा तह० नावां जिला नागौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 432 का भाग (ग्राउण्ड फ्लोर में दक्षिणमुखी पांच दुकानें) जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1582 दिनांक 10-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 3 मार्च, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/653—यतः म

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 172-बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पूरनराज पुत्र श्री जोरावरमलजी नेहरू पार्क स्कीम, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री रूप सिंह एवं श्रीमती भंवरी बाई पत्नी श्री चन्दर सिंह, सत्संग भवन के सामने, 5वां रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं 172-बी जो पांचवे रोड पर सत्संग भवन के सामने सरदारपुरा, जोधपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 1290 दिनांक 20-7-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवक्षित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980.

मोहर:

प्रकृष घाई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/654—यतः मुझे,

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाल मिल है तथा जो तह० जहाजपुर में स्थित है, और (इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जहाजपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 16 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए संपत्ति को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पचाहू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विभाजित चाहिए या, विभाजित में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अर्थों, अर्थात्:—

1. श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री शिवराज एवं श्री नवल किशोर एवं शीशकरण पुत्रान शिवराज मालपाणी, निवासी देवली।

(अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द राम सराफ निवासी देवली एवं श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री चौधमल मूमिया निवासी मून्वी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संपत्ति जो 'गणेश दास मिल' जो ग्राम कुचेलबाड़ा तह० जहाजपुर जिला भीलवाड़ा में स्थित है और उप पंजियक, जहाजपुर द्वारा क्रम संख्या 319/343 दिनांक 16-7-79 पर पंजियबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/658—यतः, मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० में लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), तारीख 16 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तिलक काक पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पावर आफ अटॉर्नी होल्डर हाजी मोहमद रमजान पुत्र हाजी अब्दुल रहमान, खैरावियों का मोहल्ला हाजी बिल्डिंग, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री शिव लाल पुत्र धनराज गोयल, बीपासनी रोड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशकारी के पास विहित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैण्ड जो धर्म नारायण जी के ग्रहाते में, मन्डोर रोड, पावटा जोधपुर में स्थित है और उप पण्डित, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1297 दिनांक 16-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/659—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और  
इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
12 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रयत्नित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकर्ता) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में हमो करने या अपने बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या हिस्से धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-36GI/80

1. श्री तिलक काक पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पावर  
आफ अटॉर्नी होल्डर हाजी मोहमद रमजान पुत्र  
हाजी अब्दुल रेहमान, खरादियों का मोहल्ला  
हाजी बिल्डिंग, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम राज पुत्र श्री धनराज गोयल, चोपासनी, रोड़,  
जोधपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लेण्ड जो धरम नारायण जी का अहाता,  
मन्डोर रोड़, पाबटा जोधपुर में स्थित है और उप पंजियक,  
जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1293 दिनांक 12-7-79 पर  
पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम०एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-80

मोहुर :

प्रकाशक प्राचीन टी० एल० एल०

अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० भा० अर्जन/656—यतः मुझे  
एम० एल० चौहान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-42 है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25  
जुलाई 1979 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत  
से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेम सुधा पारेख, 5 स 8, जवाहर नगर,  
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल भट्टानी, 8 सिंघा कालोनी,  
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना का  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी०-42, बनीपार्क, जयपुर का भाग जो उप  
पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1710 दिनांक 25-7-79  
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रत्येक प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/—यतः मुझे

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 56 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुबन्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तिल्ली बाई परनी श्री मूल चन्द, 102 कंवर नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री किशनचन्द प्लाट नं० 30 कंवर नगर, जयपुर एवं श्री दीपक कंवर नाबालिग पुत्र श्री कन्हैयालाल द्वारा कुदरती संरक्षक श्री कन्हैयालाल, प्लाट नं० 30 कंवर नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचि

दुकान नं० 56, नेहरू बाजार, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1497 दिनांक 5-7-79 पर पंजीयक बिक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन, रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० प्रा० मार्जन/658—यतः, सुमे,

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी 26 जुलाई 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. कन्हैया लाल पुत्र श्री रामनारायण खण्डेलवाल निवासी ग्राम पापड़ तहसील जमवारामगढ़ जिला जयपुर (2) श्री बन्नी नारायण पुत्र श्री भोरीलाल ग्राम नन्दपुरा तहसील जमवारामगढ़।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स डायमण्ड कार्पेट्स रजिस्टर्ड फर्म द्वारा भागीदार श्री धरमचन्द जैन रामगंज बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा जो पुरानी ग्रामेर रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1802 दिनांक 26-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मार्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-80

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/659—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-115 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री डी० डी० पी० वत्ता श्री सीताराम वत्ता, 125, विद्या बिहार पिलानी (राज०)।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वरदास गाढी पुत्र स्व० लाला नारायण दास, गिरवाहा मंडी, जिला करीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट न० डी०-115 ग्रामा बाडी स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 1854 दिनांक 28-7-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मचालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/660—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-2 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तिलक राज पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पावर आफ अटार्नी होल्डर हाजी मोहमद रमजाव पुत्र हाजी अब्दुल रहमान, खैरादियों का मोहल्ला, हाजी भवन, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती छोटा देवी पत्नी श्री जेठमल, 807 बी० पावटा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी-2, धरम नारायण का अहाता, मन्डोर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1390 दिनांक 18-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/661—यतः, मझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1-बी है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री छत्र सिंह पुत्र चम्पकमल भण्डारी, जाटाबास, पावर आफ अटार्नी होल्डर सर्वश्री शिवराम एवं मनहर पुवान श्री लादूरामजी व्यास, सन्तून की पोल, जौधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मुन्नीलाल गर्ग पुत्र पद्मा लाल निवामी करनपुर वर्तमान निवासी बालनिकेतन के पास, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1-बी, धरम नारायण जी का ग्रहाता, मन्ोर रोड़, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1367 दिनांक 6-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/657—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27 है तथा जो जौधपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27 सितम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से तथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में तमी करने या उतने बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माति:—

1. श्रीमती राम कंवरी पत्नी श्री गंगा बिसन, श्री  
श्रीमप्रकाश एवं श्री शिव प्रकाश पुत्रान श्री गंगा  
बिसन एवं श्रीमती अमर कंवर पुत्री श्री गंगा  
बिसन, जौधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द राम पुत्र श्री गुरुमुखदाम सिधी, लोहाना,  
बी० रोड सरदारपुरा, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27 सरदारपुरा पर स्थित मकान सम्पत्ति,  
बी०-रोड जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1853  
दिनांक 27-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उन्हे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी गन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धारा 269-घ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10-36 GI/80

1. सर्वश्री चित्रकमल, मूल चन्द्र पुत्रान लेखमल, खशाल जी का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री शंकर लाल, ईश्वर लाल पुत्रान श्री केवलराम, कंवरनगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लेण्ड जो ब्रह्मपुरी, जागेश्वर महादेव, सीताराम बाजार में खसरा नं० 51/3, 51/4 और 48/10 पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1877 दिनांक 30-7-1979 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-3-1980

मोहर :

**प्रकरण आई० डी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/160—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इस प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बस्ती देवी पत्नी डा० रणजीत कुमार गांगुली, अलकनन्दा सी-स्कीम, जयपुर।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती मंजु देवी पत्नी श्री कमल कुमार, गोमती भवन, जामली गली, भिबली वेस्ट, बम्बई-92।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० बी, अलकनन्दा, चितरंजन लेन, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1641 दिनांक 18-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-3-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० एक शील्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र स्व० श्री गुलाब राय अग्रवाल  
स्वयं एवं श्री अमीन खेतान एवं अनामिका नाबालिग  
पुत्र एवं पुत्री श्री कृष्ण कुमार द्वारा संरक्षक  
श्री कृष्ण कुमार निवासी खेतान भवन, एम० आई०  
रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सांवरमल पुत्र श्री उमा दत्त सराफ, हवा सड़क  
रेडीकट हाउस, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाय लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

खेतान भवन, एम० आई० रोड, जयपुर में एक शील्ड  
जो उन पंजीक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1858 दिनांक  
28-7-79 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-3-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.—

1. श्री देव करण पुत्र श्री धेंदरचन्द, 111 आतिश मार्केट, जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/655—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें 'भाय-कर' अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

2. श्री सुभाष तनेजा पुत्र श्री गीरधान लाल तनेजा, भगत वाटिका, सिविल लाइन्स, जयपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्रिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 667 वर्ग गज है तथा जो सिविल लाइन्स, जयपुर में स्थित है और उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1828 दिनांक 27-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-3-80  
मोहर :



प्रारूप आर्द्धं टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/668—यतः मुझे, एम०  
एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 26 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल सचदेव प्लॉट नं० बी-21, राजापार्क,  
जयपुर-4।

(अन्तरक)

2. कुमारी दीपा कछावा बकुमारी सीमा कछावा नाबालि-  
गान जरिए पिता व वैधानिक संरक्षक श्री चन्द्र  
मोहन सिंह कछावा, प्लॉट नं० 26, रामगली नं०  
8 राजापार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 26, रामगली नं० 8, राजापार्क, जयपुर का  
भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1499 दिनांक  
5-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर।

तारीख: 20-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/669—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 26 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिगत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अंतरितो (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए ता राखा गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहनलाल सचदेव, बी-21, राजापार्क, जयपुर-4।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती विमला कछावा, 26, रामगली नं० 8,  
राजापार्क, जयपुर।  
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी  
के पाव लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 26, रामगली नं० 8, राजापार्क गली नं० 8, राजापार्क  
जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या  
1484 दिनांक 5-7-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/669—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 218ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दलपत सिंह पुत्र श्री शिव सिंह राजपूत, डी 218-बी भास्कर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर। (अन्तरक)
2. श्री जगमाल सिंह पुत्र ठाकुर जोध सिंह जी राजपूत, डी० वाई० एस० पी०, चितोड़गढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 218-ए, भास्कर मार्ग बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1536 दिनांक 10-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 21-3-1980  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/—यतः मुझे

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में स्थित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अश्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन छर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य चीस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आनन्द कुमार कौशिक पुत्र श्री महावीर प्रसाद कौशिक एवं श्री गिवकुमार कौशिक, जै-35 कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा पुत्र श्री आर० के० शर्मा, मुरज मिनेमा ग्रामा रोड, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० आर-14, जमनालाल बजाज मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1926 दिनांक 310 जुलाई 1979 पर पंजिबद्ध विपणन पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारी : 26-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

आवेदन सं० राज०/महा० आ० अर्जन/8673—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

11—36GI/80

1. श्री चान्प बिहारी सामोडिया पुत्र श्री भंवरलाल  
सामोडिया; खेतड़ी, हाउस रोड, चान्पपोल बाहर,  
जयपुर।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री कानाराम, लक्ष्मीनारायण, कजोड़, एवं राम-  
चन्द्र पुत्रान जगन यादव, चक पीथावास उर्फ  
बदरवास तहसील जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्राम पीथावास उर्फ बदरवास तहसील जयपुर में स्थित  
19 बीघा 14 बिस्वा कृषि भूमि का जो आधा भाग जिसमें  
कुआ और पम्पसेट भी है तथा जो उप पञ्जिक, जयपुर द्वारा  
क्रम संख्या 1813 दिनांक 27-7-1979 पर पञ्जिबद्ध विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/672—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अग्न्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चान्द किहारी सामोदिया पुत्र भंवरलाल खेतड़ी हाउस रोड, चान्दपोल बाहर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री गोपाल, बिरदी चन्द, मोहनलाल, नरसी लाल पुत्रान श्री जगन यादव, नक पीथावास उर्फ बदरवास तहसील जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भूमि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम पीथावास उर्फ बदरवास तहसील जयपुर में स्थित 19 बीघा 14 बिस्वा कृषि भूमि का आधा भाग जिसमें कुआरा तथा पम्पिंग सेट भी है तथा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1814 दिनांक 27-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृतिरूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० बी० जी० आर०/10/79-80—यतः मुझे ओ० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव पल्ला तह० बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामकिशन, देवी सिंह पुत्रान श्री शिवदयाल निवासी पल्ला तह० बल्लभगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ग्रेटर देहली प्लानर (लिमिटेड) 3-शंकर मार्केट कनाट सरकस नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 15 कनाल 11 मरले भूमि जो कि गांव पल्ला तह० बल्लभगढ़ में स्थित है तथा जिसका जायदाद विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3141 दिनांक 18-7-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-2-1980

मोहुर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० बी० जी० आर०/12/79-80—यतः मुझे,  
गो० सी० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 187 कनाल 15 मरले है तथा जो  
सराय खवाजा (बल्लभगढ़ में स्थित है और इससे उपाध्व  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः

1. श्री नन्धू पुत्र श्री कल्लू निवासी सराय खवाजा जिला  
गुड़गांव।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ग्रेटर देहली प्लानर 3-गंकर मार्केट नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति 17 कनाल 15 मरले भूमि जोकि सराय खवाजा  
(बल्लभगढ़) में स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3411  
दिनांक 31-7-1979 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 29-2-1980

मोहूर :



प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश स० ए० एम० बी०/19/79-80—यतः मुझे गो  
सी० गोपाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी स० भूमि 9 कनाल 14 मरले गांव सिंहवाला  
है तथा जो अम्बाला गांव सिंहवाला में स्थित है और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातु:—

1. श्री मुरजीत सिंह पुत्र इन्द्रसिंह गांव सिंहवाला तह०  
अम्बाला।

(अन्तरक)

2. श्री लाल चन्द, रामजी लाल व बनारसीदास पुत्र  
श्री बुद्ध राम, अम्बाला शहर श्री सोम नाथ पुत्र  
श्री शरधा राम निवासी काली बाड़ी ओक अम्बाला  
कैन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 9 कनाल 14 मरले भूमि जो कि गांव सिंहवाला  
तह० अम्बाला में स्थित है तथा जिसका उपायुक्त विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1484  
दिनांक 14-7-979 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 29-2-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी०/20/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बुकान नं० 5395-डब्ल्यू-3/2192-बी है तथा  
जो अम्बाला अनाज मण्डी में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अम्बाला; में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तर्गत (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तयपाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में सार्वजनिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण या हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना आवश्यक नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शिवलाल सेठी मार्फत  
मैमर्स शिवलाल कृष्णलाल अनाज मण्डी अम्बाला  
शहर।

(अन्तरक)

2. श्री रवीश कुमार पुत्र (पण्डित शादीलाल मकान नं०  
नं० 5565-66 बार्ड नं० 3 अम्बाला शहर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष निहित में किया जा सके।

संशोधन - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुभाग 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रयोग  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बुकान नं० 5395-डब्ल्यू-3/2192 बी०-11  
जोकि अनाज मण्डी अम्बाला में स्थित तथा जिसका और  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री-  
कर्तांक 1748 दिनांक 7-8-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 29-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रज रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एम०/31/79-80-अतः मुझे गो०  
सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० ई०-110, मोहल्ला मुगलान  
करनाल है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1909 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामधितामल पुत्र श्री भेदिया राम निवासी  
करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल दास पुत्र श्री जय राम मकान न० एम०  
सी०/ XIV-160 (ई०-10) मोहल्ला मुगलान  
मुभाय गेट करनाल-132001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० ई०-110 मोहल्ला मुगलान जोकि  
करनाल में स्थित है तथा जिसका जयदाद विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्रीक्रमांक 3412 दिनांक  
6-8-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अग्रज रेंज, रोहतक

तारी : 29-2-1980

मोहर :

प्रकृष आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० बी०/21/79-80—यतः मुझे गो०  
सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 320-बी० माडल टाउन है तथा  
जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कस्तूरीलाल, सुरजप्रकाश पुत्रान श्री मूलख राज  
निवासी-320-बी० माडल टाउन अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव राज पुत्र श्री मूलख राज निवासी  
माडल टाउन अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 320-बी० जोकि माडल टाउन  
अम्बाला शहर में स्थित है तथा जिसका जायदाद विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2010  
दिनांक 13-8-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारी : 3-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/6/79-80 अतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान दो दुकान व आंगन है तथा जो हमीदा कालोनी यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उतारने/बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—36GI/80

1. श्री हरचन्स सिंह जोगिन्द्र सिंह पुवान श्री माया सिंह मकान नं० 537, खालसा कालेज के पास हमीदा कोलोनी, यमुना नगर।

(अन्तरक)

2. श्री जगतजीत सिंह, बलबन्त सिंह, श्री मन्सा सिंह, बलदेव सिंह पुवान श्री जगतजीत सिंह मकान 239, भाटिया नगर यमुना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 239 जोकि भाटिया नगर यमुना नगर में स्थित है तथा जिसका जवाबदारी विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय के रजिस्ट्री क्रमांक 1712 दिनांक 2-7-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० एम० आर० एम०/29/79-80--अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि 231 कनाल है तथा जो कोटली  
(मिरसा) में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
(मिरसा), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उक्त वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे  
वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख्य  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राक्षा राम, बागराम पुत्र बघेलाराम दर्शन राम,  
कृष्ण राम, पुत्र श्री बागराम, लछमन दाम, लाल चन्द  
अर्जन दास कालूराम माधा रामपुत्र श्री बसाखा  
राम सुवान ।

(अन्तरक)

2. श्री धामूराम, सुखी राम करम चन्द पुत्र श्री पालू  
राम निवासी राधो सुहारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छोत्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 231 कनाल जो कि गांव कोटली  
में स्थित है तथा जिसका जायदाद विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
मिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2178 दिनांक  
12 7 79 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 11-3-1980

पीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देश सं० 27/जुलै/79, यतः मुझे, ओ० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 26 कृष्णाप्पा मकान है, जो नाईकैन टैंक  
स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता कृषिकारी के कार्यालय,  
मद्रास नार्थ (डाक नं० 2828/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के (अधीनजुलै 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पुरुषोत्तम पिल्लै ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजेस्वरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2828/79 जे० एस० आर० मद्रास नार्थ

भूमि और निमाण डोर० नं० 26, कृष्णाप्पा मकान  
नाईकैन टैंक स्ट्रीट, मुद्रास-600001 ।

ओ० आनन्दाय

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-3-1980

मोहर :

प्रकृष आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० 110/8 जूली/79—यस, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीरजित्री सं० 43 पेटिशन रोड है जो एगमोर मद्रास-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट मद्रास (डाक नं० 752/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जूलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वाकिया जना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री ए० पी० चंद्रसेखरम।

(अन्तरक)

2. श्री अमरलाल किशनदास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 752/79 एम० आर० श्री० पेरियमेट

भूमि डोर नं० 43 पेटिशन रोड मद्रास एगमोर मद्रास-8।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-3-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री ए० एम० पोन्नप्पन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मोहनी अमरलाल।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज मद्रास

मद्रास-8, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश स० 109/जुलै/79—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० नमी न० 43, पेंतिमन रोड है, जो एकमोर,  
मद्रास 8 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिमेट,  
मद्रास (डाक न० 751/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई  
1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के खखीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाहरण—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रबल होगा जो उन पदों में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट न० 751/79 एम० आर० श्री० पेंतम पेरिमेट मद्रास  
भूमि और निर्माण डोर न० 43, पेंतिमन रोड, एकमोर  
मद्रास-8।

श्री० आनन्दराम  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-3-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास 21, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० 15/अगस्त/79—यतः मुझे श्री० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० नमो न० 22 III लेन है, जो  
सेवीसम्मन कोमील स्ट्रीट मद्रास 21 में स्थित है (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, रामपुरम, मद्रास (डाक नं० 1149/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री एम० सतानन्दम और सातिमों

(अन्तरक)

2. श्री जी० कमलीस्वरन पवर एजन्ट एम रामन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डाकूमेंट नं० 1149/79 एस० आर० श्री० रामपुरम  
मद्रास

भूमि और निर्माण डोरन० 22, III लेन, सेन्नीमम्मन  
कोमील स्ट्रीट, मद्रास-21

श्री० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास-21

तारीख : 5-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 36/जुलाई/79—यतः, मूझे, ओ० आनन्दम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 37 ईस्ट चिल्ड्रेन स्ट्रीट है, तथा जो मदुरै में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमड्यम,  
मदुरै (डाकुमेंट सं० 1117)/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
भूमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० एस० मंडा सैट

(अन्तरक)

2. श्री के० जी० रामसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1117/79 एस० आर० ओ० पुदुमड्यम,  
मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 37, ईस्ट चिल्ड्रेन स्ट्रीट,  
मदुरै।

ओ० आनन्दम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रकाश सं० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 43/जुलाई/79—यतः, मूझे, ओ० आनन्दम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 9/2 (2 डब्ल्यू०/5) कुहविकारन सालै है, तथा  
जो I स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, ठल्लाकुलम, मदुरै (डाकुमेंट नं० 2713/79) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उतने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्

1. श्री डब्ल्यू० जी० नेपियर

(अन्तरक)

2. (1) श्री ई० जान रूपकुमार सेमूवेल,  
(2) श्री आशा कस्तूरी रूप कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2743/79 एस० आर० ओ० ठल्लाकुलम मदुरै  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 9/2 (2 डब्ल्यू०/5) कुहविकारन  
सालै 1 स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनन्दम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज, मदुरै

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

2. श्रीमती समारंभ

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० रामन

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाही करने का हेतु है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

निर्देश सं० 23/जुलाई/79—यतः, मूले, ओ० आनन्दम,  
अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 39, अशातून रोड, है, तथा जो रामपुरम,  
मद्रास-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास नार्थ (डाकुमेंट नं० 2739/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वक सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती), के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के धन-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
13-36GI/80

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

अन्तरिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2739/79 जे० एस० आर० मद्रास नार्थ  
भूमि और निरक्षण नंबर सं० 39, अशातून रोड, रामपुरम,  
मद्रास-13।

ओ० आनन्दम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 7-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 49/जुलाई/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 9, अम्मन सन्नदी है, तथा जो स्ट्रीट, मदुरै  
में स्थित है (और इससे उपायय अन्वसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०  
मदुरै (डाकुमेंट नं० 2359/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० आर० रत्नम अम्मा

(अन्तरक)

2. श्री भैरव के० नागनाथन

वै गाडियन—कासान चैट्टीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2359/79 जे० एस० आर० मदुरै भूमि और  
निर्माण—डोर नं० 9, अम्मन सन्नदी मदुरै।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 50/जुलाई/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम,  
सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० 9 अमन ससदी स्ट्रीट है, तथा जो मदुरै  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०  
मदुरै (डाकुमेंट नं० 2360/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979  
में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और पुनः यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसा अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल अन्तरिती उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती एस० आर० रतीनम अम्माल मैनर के०  
मागनाथन

(अन्तरक)

2. श्री बी गार्डियन कातान चैट्टीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2360/79 जे० एस० आर० मदुरै भूमि  
और निर्माण—डोर नं० 9, अमन ससदी स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनन्दम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

## प्रकाशित की गई सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 67/जुलाई/79-अतः, मुझे ओ० आनन्दम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 59 सबूत पांडिमत अनील स्ट्रीट, है, तथा  
जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०  
एस० आर०-2, मदुरै (डाकुमेंट नं० 2743/79) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जुलाई 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कबित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्रीमती राजम्माल और  
(2) श्रीमती बी० सुन्दरी  
(अन्तरक)
2. (1) श्री एस० कतिरेसन चेट्टियार  
(2) श्रीमती के० अम्बुसया देवी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पंथ में कोई भी आशय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2743/79 जे० एस० आर०-1, मदुरै भूमि  
और निर्माण—डोर नं० 59, सबूत पांडिमत अनील स्ट्रीट,  
मदुरै।

ओ० आनन्दम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 102/जुलाई/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम,  
भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 60 है, तथा जो अप्पासामी मुदली स्ट्रीट,  
छेरिंगटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पेरिमगेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 721/79) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकर्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्ष से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकर्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर्ष निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त प्रसारण निबन्ध में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उतने बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० प्रताप

(अन्तरक)

2. (1) डा० एन० एम० शक्तिवेल

(2) श्रीमती स्वतन्त्र शक्तिवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संक्षेपहरण :—इसमें प्राप्ता गन्तों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 821/79 एम० आर० ओ० पेरिमगेट,  
मद्रास भूमि और निर्माण—डोर नं० 60, अप्पासामी मुदली  
स्ट्रीट, छेरिंगटन रोड, चेटपट, मद्रास-31।

ओ० आनन्दम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 112/जुलाई/79-यतः, मूझे, श्री० आनन्दम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 193 है, तथा जो पूनमल्ली छ रोड, मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमगेट, मद्रास (डाकुमेंट न० 888/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजेश्वरी वनर्जी

(अन्तरक)

2. (1) श्री विष्णूदास
- (2) श्री कीमत राम
- (3) श्री अशोक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 888/79 एस० आर० ओ० पेरिमगेट मद्रास भूमि और निर्माण—डोर न० 193, पूनमल्ली छ रोड मद्रास-84।

श्री० आनन्दम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज मद्रास।

तारीख 7-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० 74/जुलै 79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसमें इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 24, तथा जो काका तोफरट्टी, मदुरै में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडलम, मदुरै (डाकुमेंट  
नं० 1222/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के समूह रजिस्ट्रेशन से अधिक है और धनारक  
(धनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० एम० वारियार

(अन्तरक)

2. मैमर्स इलाई (फरम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रारम्भ आर्थों और तथ्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही भर्त होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1222/79 एस० आर० ओ० पुदुमंडलम,  
मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 24, काका तोफरट्टी।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन I रेंज, मद्रास

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० 92/जुलाई/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 13/68बी है, तथा जो आबतरवेटरी रोड,  
जो कोडकानल में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोडकानल (डाकुमेंट नं० 256/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लूमिस सी० पैस ए० बी० आर० एम० बी० शंकर-  
नारायण मुदलियार ।

(अन्तरक)

2. पिमिकल कल्चूरल सोसायटी ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बार में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 256/79 एस० आर० श्री० कोडकानल  
भूमि और निर्माण—29.8 सेटम—मारवतरी—13/68बी,  
आबतरवेटरी रोड, कोडकानल ।

श्री० आनन्दम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 11-3-1980:  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० 7389—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28, बाग रोड, टी नगर है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी, नगर, मद्रास (डाकुमेंट नं० 940/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14—36GI/80

1. श्री पी० शनमुगम

(अन्तरक)

2. श्रीमती कविता रानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—28, नया बाग रोड, टी नगर, मद्रास-17 (डाकुमेंट नं० 940/79)।

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 7474—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 870 है, तथा जो पूनमल्ली रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत (डाकुमेंट नं० 2713/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजय लक्ष्मी सुन्दरम और दूसरे

(अन्तरक)

2. पी० एन० आरमूरम और अवर०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—870, पूनमल्ली है रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2713/79)।

राधा बाल कृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8626—यतः मुझे, राधा बाल कृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 285, श्री सुब्रमनिय भारती स्ट्रीट है, तथा जो कारेखाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारेखाल (डाकुमेंट नं० 390/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवस्थितियों, अर्थात् :—

1. श्री वरमामबाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती जीबूती नोतेर मुरात बारह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 285, श्री सुब्रमनिय भारती स्ट्रीट, कारेखाल (डाकुमेंट सं० 390/79)।

राधा बाल कृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 7-3-1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8642—यतः, मूसे, राया जालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

है जिसकी सं० 20, वीरबद्र स्वामी, कोयिल स्ट्रीट है, तथा जो  
चिदम्बरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 1803/79) में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हासे में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० बालसुब्रमनियम पिल्लै

(अन्तरक)

2. श्री मूतलकषमि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—20, वीरबद्रस्वामी कोयिल स्ट्रीट,  
चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 1803/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8643—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 65 है, तथा जो कील स्ट्रीट चिदम्बरम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम  
(डाकुमेंट सं० 1761/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निधो धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री देव कुमार

(अन्तरक)

2. श्रीमती कांविमती अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—65, कील स्ट्रीट, चिदम्बरम (डाकु-  
मेंट सं० 1761/79)।

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

घाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8646—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपुक्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है, तथा जो पी० एल० स्ट्रीट कारखुठि  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारखुठि  
(डाकुमेंट सं० 841/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वलियम्मै आचि ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० एम० विस्वानाथन और ओखलिगम  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबेप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखौदस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

शरब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—28, पी० एल० स्ट्रीट, कारखुठि  
(डाकुमेंट सं० 841/79) ।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-3-1980  
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एच०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8741—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 310 और 311 चेट्टिपट्टू है, जो श्री पेरुमबदूर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, श्री पेरुमबदूर (डाकुमेंट सं० 1616/79) में रजि-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इण्डियन जूल कारपोरेशन

(अन्तरक)

2. श्री राम केमिकल काम्पलेक्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस बन्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—चेट्टिपट्टू सर्वे नं० 310, 314 श्री पेरुमबदूर।

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10276—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
जिसकी सं० 15/12, रामलिंग नगर है, जो  
कृष्णस्वामी नायडू ले आउट कोयम्बटूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, धाकुमेट (डाकुमेट  
सं० 2193/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया, या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री टी० आर० वेनकटरामन (अन्तरक)

(2) श्री एन० बी० वेनुगोपाल पे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ता-  
जारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निमाण 15/12 रामलिंगनगर कृष्णस्वामी नायडू  
ले आउट, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 2193/79)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 7-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज- , मद्रास

[मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980]

निवे सं 10297—यतः, मूख्य राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32/163, करुण चौडर स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट नं 3329/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उलट कर देने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वास्तविक को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
15—36GI/80

(1) श्रीमती न्यानसौमवरी, (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्बलक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धमकी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 32/163, करुणा चौडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3329/79)

राधा बालकृष्णन्

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-II मद्रास

तारीख 7-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10297—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32/163, करुण घोडर स्ट्रीट है जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3327/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

(1) श्री न्यान सौंदरी

(अन्तरक)

(2) श्री पेलराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्तासरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निमान 32/163, करुण घोडर स्ट्रीट कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3327/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10298—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 19/48, है, तथा जो बिग बजार कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3285/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के सम्बन्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सी० बी० जहारा (अन्तरक)

(2) श्री टी० के० रामन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 19/48, बिग बजार स्ट्रीट कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 3285/79)

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज , मद्रास।

तारीख : 7-3-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एम० मनगल्लम और शंकरस (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) दोलतराम टहलराम (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 10301—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 13/364, है, जो तठागम रोड कोयम्बटूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट  
सं० 1973/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में [कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 13/364, तठागम रोड कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 1973/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-3-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० 10301—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/346 है जो तठागम रोड कोयम्बटूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1974/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज मनगलम और प्रदर्स (अन्तरक)

(3) श्रीमती राज राजकुमारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 13/364, तठागम रोड कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1974/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री चेन्नीमलै कौंडर और अदर्स (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) दि कोयम्बटूर थयोसिस सोसाईटी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10304—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसकी सं० तनगम मियेटर है जो कीलपलूर, कोपी में  
स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोपीचेट्टपासयम  
(डाकुमेंट सं० 1849/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण तनगम मियेटर कोलयमूल थोपी  
(डाकुमेंट सं० 1849/79)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 7 मार्च 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० रामचन्द्रन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा—  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृष्णस्वामी कौंडर और अवरस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृस्वाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 10318—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० 158/2 ई और 158/2 सी है, जो वेठपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदुमल पेड (डॉकुमेंट सं० 2297/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि सं० सं० 158/2 ई और 158/2 सी वेठपट्टी (डॉकुमेंट सं० 2297/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 7 मार्च 1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10319—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 417, तलागम रोड है, जो कोयम्बटूर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर डाकूमेंट  
सं० 4566/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री के० बी० रालसी चाको (अन्तरक)

(2) श्री० रास मनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 417, तलागम रोड, कोयम्बटूर  
(डाकूमेंट सं० 4566/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख: 7-3-1980

मोहर:

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 8736—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 57, है ओ साऊथ असनघम स्ट्रीट टेनजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टेनजूर (डाकूमेंट सं० 2358/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—36GI/80

(1) श्री नारायणदास और अवंतस (अन्तरक)

(2) श्री नटराज जापालर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्वेषणकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—57, असनघम स्ट्रीट, टेनजूर (डाकूमेंट सं० 2358-79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7475--यतः मुझे, राधा बालकृष्णन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 870 है, जो पूनमल्ली हाई रोड मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ  
(डाकूमेंट सं० 2878/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979)  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पी० एन० आरुमुडम और अदरस (अन्तरक)
- (2) श्री सी० टी० रामनाथन और अदरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

भूमि अदरस—/870, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास  
(डाकूमेंट सं 2878/79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख 19-3-1980

मोहर:

प्रास्ताविक टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 8652—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० 92, है, जो फोर्ट स्टेशन रोड चिन्तामनी तिल्लैनगर ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेन्ट सं० 1861/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रकारग निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उन से बचने में युक्ति के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सिवाकामी अम्माल

(अन्तरक)

(2) सैदिराम आन्वी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घातधरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निमाण सी० 92, फोर्ट स्टेशन रोड, तिल्लैनगर (ट्रिची-18 (डाकुमेन्ट सं० 1861/79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० कृष्णनामूरती जगदीसवरी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० अश्वामलै और अवरस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास दिनांक 19 मार्च 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 7343—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 16, 17, 18 और 20 ए० है जो इन्डस्ट्रियल इस्टेट गुयन्डी, मद्रास, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेन्ट सं० 1777/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 16, 17, 18 और 20 ए०, इन्डस्ट्रियल स्टेट गुयन्डी मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 1777/79)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख 19-3-1980  
मोहर:



प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

- (1) आर्या माता सभा (अन्तरक)  
(2) श्री बी० रामदास सूर्या बाई (अन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7479—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 848, मौउन्टरोड, है जो मद्रास-2, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपलिकेन (डाकुमेन्ट सं० 576/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20 में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और निर्माण-848 मौउन्ट रोड, मद्रास-2  
डाकुमेन्ट सं० 576/79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 19-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट 13 ई, है, जो थोमस रोड मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (इंफुमेन्ट सं० 1002/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० एस० दनलक्ष्मी (अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफारदीन और नाबालग राणी व कासम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण C 1/2 भाग शेयर प्लॉट 13ई, मद्रास-6  
(इंफुमेन्ट सं० 1002/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० एन० आरुमाचम और अवरस (अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफारहोन और अदर (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 13डी है जो थोमस रोड मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर डाकुमेंट सं० 1001/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि और निर्माण (5/40 भाग) प्लॉट 13डी ग्रिमस रोड, मद्रास 6 ।

(डाकुमेंट सं० 1001)

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 19-3-1980

मोहर:

प्रत्यक्ष आर्. टी. एस. एस्.-----

(1) श्री पी० एस० पलनी (अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफोरद्दीन और अदरस (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट एफ०, है जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1000/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत् नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि और मकान-13 एफ०, ग्रीमस रोड, मद्रास-6  
(1/3 भाग)  
(डाकुमेंट सं० 1000/79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

तारीख : 19-3-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 13 ई है जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डॉक्यूमेंट सं० 999/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—36GI/80

1. श्री पी० एन० सुरया और अवरस

(अन्तरक)

2. श्रीमती नूरजेहान जफारदीन और अवरस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 13 ई, ग्रीमस रोड, मद्रास-6 (5/40 शेअर डॉक्यूमेंट सं० 999/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० आर० विजयकुमार (अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफराबीन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7397—यतः मुझे राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट 13 एफ है जो भीमस, रोड मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 998/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-प्लॉट 13 एफ, भीमस रोड, मद्रास (1/3 क्षेत्र)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-3-1980  
मोहर:

प्रकृष आइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट 13 एफ है, जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध नअनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डकुमेंट  
सं० 997/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० टी० समपतकुमार । (अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफारदीन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-13 एफ, ग्रीमस रोड, मद्रास-6  
(1/3 क्षेत्र) ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट 13 ई है, जो श्रीमस रोड मद्रास-6 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 996/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित बड़े-से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० ए० सीतकलरुमी (अन्तरक)

(2) श्रीमती मूरजहान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लॉट 13 ई श्रीमस रोड, मद्रास-6  
(1/3 शेरर) (डाकुमेंट सं० 996/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-3-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्राबलक पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ध (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

काशी, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मब्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० 10267—यतः मुझे राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके  
पश्चात् 'उत्तर प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन मन्त्र प्रार्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर वसति निवका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 30, मद्रास कालिकट रोड है जो अवनशी, कोयमबटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अवनशी (डाकुमेंट सं० 1192/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन जलाई 1979

में पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभूतारण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रभूतरक के दायित्व में जमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या

(ख) ऐसी किमी प्राय या किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अस्तित्वों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

(1) श्रीमती दैवयानै अम्माल (अन्तरक)

(2) श्री सरस्वती ग्रन्थालय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राश्वपत्र में प्रकाशन की तागीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अग्र्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविदा में किए जा सकेंगे ।

रखी करग :— इसमें प्रयुक्त शब्दों की रचना, जो एकत्र ग्रन्थि के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमुख सूची

भूमि और निर्माण 30, मद्रास कालिकट रोड, अवनाशी  
(डाकमेंट सं० 1192/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 20-3-1980

**मोहुर :**

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर०-I/4220-3/जुलाई/79—अतः

मुझे वही एस० शेषाद्रि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 84/6 है तथा जो सायन डिबीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रुटि माना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिता जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री के० एन० भाटिया 2. एन० आर० रंगनाथन  
3. एस० रामकृष्णन 4. के० आर० गुलशन 5. सी एल० बेलचा 6. विरामल मोहनदास 7. के० टी० बिजलानी (अन्तरक)

2. रामेश्वर को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरितो)

3. (1) श्रीमती माया एन० लाखानी (2) श्रीमती मीना-कुमारी बी० सोनी (3) श्री शामजी बरजंग (4) श्री मूलजी बालजी हारीया (5) श्री एस० रामकृष्णन (6) श्री बीजलाल हिराचंद छाबलानी (7) से (11) श्री जे० आर० गुलशन (12) श्री नीरांजन आर० चावला (12. ए०) श्रीमती राधाबाई जो छयनानी (13) श्रीमती आशा लेलाराम चावला (14) श्री नूर महम्मद (15) श्रीमती लक्ष्मीबाई जी अहुजा (16) श्री एन० आर० रंगनाथन (17) श्री खहराम नारायणदास भाटिया (18) श्री रामचंद के राधाकृष्णन (19) श्री बी० बी० सूर्यनारायण (20) श्री बी० राघवन, (21) श्रीमती सरस्वती बाई शानभाग (22) श्रीमती मेधाबाई किशनचंद भाटिया (23) श्री ए० एच० गुलशन (24) श्री एम० आर० आसराणी (25) श्रीमती भागीबाई आर० आसराणी (26) श्री महेश जी० चेतनानी (27) श्री बी० आर० आसराणी (28) श्रीमती लक्ष्मी पी० खोलनानी (29) श्री तश्मोवद नारुमल (30) श्री नवलराय आय० तहेलियानी (31-32) श्रीमती इंदिरा खन्ना, (33) श्री एम० के० पारोख (34) श्रीमती जी० के० शारदा (35) श्रीमती पारवती बाई हरोराम खोलनानी (36) श्री किशनचंद आर० नाथन (37) श्री एल० एन० किनगर (38) श्री मुंदरा पांडित्य (39) श्री मोतीलाल रचोराम जयसोर्गानी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 772/62/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 19-7-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० एस० शेषाद्रि  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 21 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

निदेश सं० अ० आर० 1/4228-11/जुलाई 79—

अतः मुझे, श्री० एस० शेषाद्रि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन न्याय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 518/10 है तथा जो माटुंग छिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिसेज पेरीनबानू हस्तमजी जानीसी (प्रन्तरक)

(2) 1. मिनूवर पेस्तनजी डोरडि, 2. मिसेज परविन बेहराम कावराना, 3. मिसेज अलो मिनोवर डोरडि (प्रन्तरिती)

(3) 1. श्री जे० सी० डॉक्टर, 2. श्री ई० एफ० तारापोर 3. मिसेज के० जे० बक्सतर 4. श्री व्ही० के० ऑफ मिसेज डी० के० सफार 5. मिसेज व्ही० सी० दाखवाला, 6. श्री जे० आर० जामसजी 7. श्री ए० एम० गांधी 8. श्री एल० सी० हनसोटिया 9. श्री के० एच० बरुचा 10. मिसेज पी० एम० गांधी 11. श्री टी० डी० दहिवाला 12. मिसेज एफ० बी० करंजा बाला 13. श्री एस० एन० राना 14. श्री एन० आर० जामसजी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषोद्घातकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० 109/78 (बंबई) उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-7-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्री० एस० शेषाद्रि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

तारीख : 28-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी० 345/79-80—अतः  
मुझे व्ही० एस० शेषाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अंतर्गत मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 54 (फलनी) 53 प्लॉट नं० 12 और फलनी नं० 3 और 4, 55 (फलनी 6) 76 (फलनी 1 और 4, 77 (प्लॉट नं० 3, 4, 5, फलनी नं० 78) प्लॉट नं० 1 79 जे० (फलनी नं० 1 और एस० नं० 1) है तथा जो गुडवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-7-1979 विलेख संख्या एस० 2092/78)

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यशवंतसिंग विजयसिंग डोसा (अन्तरक)

(2) श्री किशोर कन्नो (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्रमाण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2092/78 उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 18-7-1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

व्ही० एस० शेषाद्रि,

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 29-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1980

निर्देश सं० ए० आर० 1/4224.7/79—प्रतः, मझे, पी०

एल० रंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 98 की है तथा जो बरलि डिव्हीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिशाब जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित अर्थों, धर्तृत्व:—

18—36GI/80

(1) श्री सुमतिबाई मारोतिराम धनवटि (अन्तरक)

(2) श्री कल्पना मौलिक गांधी (अन्तरिती)

(3) (1) मेसर्स ओर-बो० प्रा० लि०

(2) मेसर्स मेहता कारपेट शोरूम,

(3) मेसर्स मोटर इंडस्ट्रिज कं० लि०,

(4) मेसर्स जे० एल० मोरीसन सन अन्ड जोन्स (इंडिया) लि०,

(5) मेसर्स टेक्सटाइल कमिटि,

(6) मेसर्स ब्रा० डमा आफ इंडिया लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख नं० बंबई 2023/73 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-7-1979 का रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रंगटा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख : 6-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 18 जनवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/111/79-80—यतः,  
मुझे, एस० के० बिलय्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इस वृत्त में 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है  
और जिसका मकान नं० 651/0+8 है तथा जो नागपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 25-7-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धनरक (धनरको)  
और धनरिती (धनरितियों) के बीच ऐसे धनरक के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) धनरक से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के धनरक के  
राशियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ धनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री श्रीपद दिनकर आपटे, 2. श्री चाकदन  
श्रीपद आपटे, 3. श्री चंद्रशेखर दिनकर आपटे  
मभी रहने वाले गिरीपेठ, अग्रसेन मार्ग, नागपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री रामदास रामकृष्ण गायकी, मोदी लाइन नं० 2,  
सिताबड़ी, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्तावरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

सहोदरगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही मर्म होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूचा

मकान नं० 651/0+8 सर्कल नं० 20, वार्डन 70  
अग्रसेन रोड, गिरीपेठ, नागपुर।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 18-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/112/79-80—

यतः, मुझे, एम० के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका सर्वे नं० 37, मौजा पाला, त० मोशी है तथा जो पाला, त० मोशी में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोशी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 11-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती भुमनबाई अजाबराब काले और अन्य  
2. श्रीमती सुशीलबाई चक्रधर रासे और अन्य,  
दोनों रहने वाली मोशी, जिला अमरावती। (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती नलिनी नारायणराव ढोले, 2. श्री नारायण शामराव ढोले, 3. श्री नामदेव नारायणराव ढोले,  
4. श्री साहेबराव नारायणराव ढोले सभी रहनेवाले,  
मोशी, जि० अमरावती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11.1 एकड़ कृषि योग्य भूमि जिसका सर्वे नं० 37, मौजा पाला, त० मोशी, जिला अमरावती।

एम० के० बिलय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 19-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/113/79-80—

यतः मुझे एस० के० बिलड्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका मकान नं० 681 प्लॉट नं० 39-बी है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री जी० एस० मिश्रा, तर्फे अशोक ड्रेसर्स, गोले बाजार, बिलासपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मधुबाला के० चां।क, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 39-बी०, मकान नं० 681, बार्ड नं० 70, तिलक नगर, नागपुर।

एस० के० बिलड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 19-1-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठाकुर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 23 जनवरी, 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/115/79-80—

यतः मुझे एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 171, म्यूनीसिपल नं० 201/0+3, है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री रामभाऊ पांडुरंग राहुगुडे, 2. श्रीमती शकुन्तलाबाई रामभाऊ राहुगुडे 171, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जयश्री हमचन्द शाह, (2) श्रीमती कुमुद मधुसुदन शाह, 171, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 17, म्यूनीसिपल नं० 201/0+3, बार्ड नं० 73, डी० डब्ल्यू० 8, धरमपेठ एक्स्टेंशन स्कीम, नागपुर।

एस० के० बिलय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 23-1-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठाकुर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 24 जनवरी 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/116/79-80—  
यतः मुझे, एस० के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22 शिट नं० 56 सी० है तथा जो मौजा तारखेडा, अमरावती में स्थित है (और इससे उसबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती टाउन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बछराज फैंक्टरीज लिमिटेड, श्री जिवराज जिवनदास, अमरावती (अन्तरक)

(2) ट्रस्ट सत्यम शिवम् सुंदरम, प्रेसीडेंट, ट्रस्टी, रामदेव जगन्नाथजी त्रिपाठी, अमरावती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहरी हरण :- इसमें प्रमुख गद्दों और रादों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22 शिट नं० 56 सी० मौजा तारखेडा, पुराना कॉटन मार्केट के पास, अमरावती।

एस० के० बिलय्या  
सज्जम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 24-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठाकुर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 30 जनवरी, 1980

का० सं० आई० ए० सी०/अर्जन /79-80—

यतः मुझे, एम० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सिट नं० 55 सी०, प्लॉट नं० 23 है, तथा जो राजापेठ, अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तराया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा: (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अहीव्यावाई शिवनारायण सरय्या, रेलवे स्टेशन के पास, अमरावती (अन्तरक)

(2) श्री शिवाजी शिक्षण संस्था, अमरावती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17,742.81, स्कवेयर फीट जगह, जिसका प्लॉट नं० 23, सिट नं० 55 सी० रेलवे स्टेशन के पास अमरावती।

एम० के० बिलय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर,

तारीख : 30-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्रीमति प्रियदासा साहू (अन्तरक)  
(2) श्री नूरुल हक और एकजन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जनवरी, 1980

निर्देश सं० एस० 1. 528/टी० आर०-51/सी० 42/कल०-1/  
79-80—मतः, मुझे आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 14/1 है तथा जो सईद साली लेन, कल० में  
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 25-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो तल्ला मकान साथ 5 कठ्ठा 10 छटाक 5 स्को०  
फुट जमीन जो 14/1, सईद साली लेन, कलकत्ता पर अवस्थित  
और जो रजिस्ट्रार आफ एयुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत  
दलिल सं० I-4032 तारीख 25-7-1979 के अनुसार  
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 19-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-2/कल०/19—यतः, मुझे, के० मिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 230/1 है तथा जो रामकृष्ण सरिन  
वेहाला, स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 23-7-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्ष की गई है और मुझे यह विचारित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसी  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के खर्चण कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता जगह था, ठिकाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

19—3531/3)

(1) श्री रथोन्द्र नाथ घोष (अन्तरक)  
(2) अजन्ता को-प्रपार्टेडिज हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रसूचित  
के नाम निश्चित में किये जा सकेंगे।

साबदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीर परिमाण—7 कठ रामकृष्ण सरिन वेहाला।

के० मिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी, 1980

सं० ए० सी०/रज-2/कल०/19—यतः, मुझे, के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो रामकृष्ण सरिन, में  
स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणेन्द्र नाथ घोष । (अन्तरक)

(2) श्री अजन्ता को-प्रोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमिर परिमाण 7 काठा रामकृष्ण सरिन, बेहाला ।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, कलकत्ता

तारीख : 18-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

(1) श्री सौमेन्द्र नाथ घोष । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजन्ता को-अपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(A) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(B) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-2/कल०/19—यतः मुझे के सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 230/10 है तथा जो रामकृष्ण सरनि  
में स्थित है (और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्णरूपसे से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

जमीर परिमाण 7 काठा, रामकृष्ण सरनि, वेहाला ।

के० सिन्हा;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 18-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महापत्र प्राचर प्राप्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० ए० सी०/ रेंज-2/कल०/19—यतः मुझे, के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 230/9 है तथा जो रामकृष्ण सरीन,  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती ममता घोष और दीपक घोष । (अन्तरक)

(2) श्री अजन्ता को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन परिमाण 6 काठा 1 छटाक 24 स्कोयअर फुट ।  
रामकृष्ण सरीन, वेहाला ।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 18-1-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अमिता मित्र (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री अजन्ता को-अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मं० ए० सी०/रेंज—2/कल०/19—यतः, मुझे, के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 230/4 है तथा जो रामकृष्ण सरनि, स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

जमिर परिमाण—7 काठा—3 छटांक 23 स्कोयार फुट  
रामकृष्ण सरनि, बेहाला।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख 18-1-1980  
माहुर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शिखर रतन सिंह राठौर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 667/एक्यू० आर०-III/79-80/कल०—यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2/2 है तथा जो पंडितिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री जिवलाल साउ, नारायण साउ सिताराम साउ, नाचियादेवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

समुच्चा आंशिक दो तल्ला और तीन तल्ला मकान साथ 3 कक्षा जमीन जो 2/2 पंडितिया रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता।

तारीख : 3-3-80

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री सोमेश्वर नाथ बनर्जी, रमेन्द्र नाथ बनर्जी  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री चतुर्भुज अग्रवाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

निर्देश सं० ए० सी० 108/रेंज-IV/कल/79-80—यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 49, 49/1 है तथा जो कालि बनर्जी लेन, हावड़ा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49, 49/1, कालि बनर्जी लेन, जिला हावड़ा स्थित 7 कट्ठा 4 छटाक 44 स्को० फीट जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे के 1979 का दलील सं० 1041 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिंहा,  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-3-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-109/रेंज-IV/कल०/79-80—यनः, मुझे,  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 49, 49/1 है तथा जो कालि बनर्जी लेन,  
जिला हावड़ा में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 2-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री मोरेंद्र नाथ बनर्जी, रमेन्द्र नाथ बनर्जी  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अची देवी अगरवाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चदश में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49, 49/1, कालि बनर्जी लेन, जिला हावड़ा स्थित  
5 कट्टा 12 छटाक 38 स्को० फीट जमीन के सब कुछ  
जैसे के 1979 का दलिल सं० 1042 में, और पूर्ण रूप  
से वर्णित है।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-3-80  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० ए० सी० IV/रेंज /कल०/ 79-80—यतः,  
मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी० 6 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उतः पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) हिमालयान को अपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री चंचल कुमार महाचार्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० बी० 6, छय तल्ला पर जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रार्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किदवाई कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 678/एक्यू० आर० III/79-80/कल०—यतः मुझे  
आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए० 4, है तथा जो 178 ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
तन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रन्तरितो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) हिमालयान को-अपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री सुभ्रत राय चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० ए० 4, चार तल्ला पर, जो 178 ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, 54 रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 677/एक्यू० आर-III/79-80/कल०—यतः मुझे  
आई० टी० एन० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट सं० ए० 3 है जो तथा 178 ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हिमालयान को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री विपक रन्जन बनार्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लाट सं० ए० 3, तिन तल्ला पर, जो 178 ए०;  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा;

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 676/एक्यू० आर०-III/79-80/कल०—यतः मुझे  
आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० सी०-8, और सी० 9 है तथा  
जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवगत —

(1) हिमालयान को० अपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री प्रसान्त कुमार दत्त । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्घातन के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-त में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रवचन में दिया  
गया है।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० सी० 8 एण्ड सी० 9, 8वीं 9वीं मंजल पर,  
जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 675/एक्यू० आर० III/79-80/कल०—यतः मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी०-2 है तथा जो 178-ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. हिमालयान को अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री भोलानाथ मुखर्जी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या स्तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोदस्वाक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिला गया है ।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० बी०-2, दो तल्ला पर, जो 178 ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 674/एक्यू०- आर०-III/79-80/कल०---यतः मुझे  
आई० टी० एन० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन वशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए०-5 है तथा जो 178 ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसी करने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी मांग या किसी धन या प्रत्येक प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) हिमालयान को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड। (अन्तरक)

(2) श्री विष्णुपद चटर्जी एण्ड तमिता चटर्जी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अन्वय में दिया गया है।

### अनुसूची

समूचा प्लॉट सं० ए०-5, पांच तल्ला पर, जो 178-ए०,  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 673/एक्वी० आर०-II/79-80/—यतः मुझे  
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० सी० 8 है तथा जो 178 ए०  
एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीमेलरन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) हिमालयान कोअपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री नरदिन्दु नारायण दत्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० सी०-8, चार तहला पर, जो 178 ए०,  
ए० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

- (1) हिमालयान कोप्रगारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड। (अन्तरक)  
(2) श्री देवव्रत भट्टाचार्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 672/एक्वी० आर०-III/79-80/कल०---यतः मुझे  
आई० टी० एन० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी०-3 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बांटा गया है से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० बी० 3, तिन तहला पर, जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, -III कलकत्ता

तारीख : 3-3-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 671/ए०सी०क्यू० आर०-III/79-80/कल०—

यतः मुझे आई० टी० एन० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० सी 2 है, तथा जो 178 ए०,  
एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग करने के अन्तरक के बायिस्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—  
21—36GI/80

1. हिमालयन को-प्रोपरेटिव हार्जिसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरक)

2. श्री राघारमन वास।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धोखा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्-  
सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहोदरता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के धारा 20-क में  
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस धारा  
में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा प्लॉट सं० सी०-2, तल्ला पर, जो 178 ए०, एस०  
पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980

मोहर :

**प्रारूप आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 670/ए०सी०क्यू०/प्रार-III/79-80/कल—

अतः मुझे आई० बी० एस० जोनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी-6 है, तथा जो 178ए, एम० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों:—

1. हिमालयान को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री सुमेन्दु मोहन घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम निहित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्यान:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

समुचा प्लॉट सं० बी-9 नवतला पर जो 178ए, एम० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 669/ए० सी०क्यू०/आर०-III/79-80/कल०--  
यतः मुझे आई० बी० एस० जनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० बी-10 है, तथा जो 178-ए, एस०  
पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बी व ऐसे अन्तरण के लिए  
तब माया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. हिमालयान को-प्रोपर्टिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
(अन्तरक)

2. श्री पार्थसारथी बसु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० बी-10, वसंतल्ला पर जो सं० 178 ए,  
एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जनेजा

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 678/ए० सी० क्यू०/आर-III/79-80/कल०---

यतः मुझे आई० टी० एन० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी फ्लैट सं० बी-4 है, तथा जो 178, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1---

1. हिमालयान को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री विमलकुमार घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रवचन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रवचन में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० बी-4 है, चार तल्लों पर जो 178 ए, के० के० बी०

आई० टी० एन० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980  
मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०/आर- /79-80/कल०—

यतः मुझे आई० टी० एन० जुनेजा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नार्थ वेस्ट प्लैट है तथा जो 102 साउथन  
एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और का जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पचासवर्षीय सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेक एपार्टमेन्ट्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरक)

2. श्री प्रबाल चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सहोदरग—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा नार्थ वेस्ट प्लैट पांच तहसी, पर, जो 102 साउथन  
एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 5 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देश सं० 681/ए० सी० ब्यू०-आर-III/79-80/कल०—  
यतः मुझे आई० बी० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे हममें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० साउथ वेस्ट फ्लैट है तथा जो 102, साउदर्न  
एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 20-7-1979 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह 15 प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों)  
के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रभाव में कर देने के अन्तरक के लिए में  
कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेक एपार्टमेंट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरक)
2. श्री एस० बि० अभंकर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- हमने प्ररुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रभाव में 20-रू में परिभाषित है, वही  
अर्थ लगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा साउथ वेस्ट फ्लैट, एक तल्ला पर जो 102 साउदर्न  
एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित है।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 5 मार्च, 1980

मोहर :

प्रारूप पार्क-टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी.-112/रेंज-IV /कल०/79-80—  
यतः, मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोजि सं० 203 है, तथा जो थाना नागराकाटा जिला जलपाईगुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स रामेश्वर प्रसाद प्लान्टेशन एण्ड इंजिनियरिंग इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,  
(अन्तरक)

2. मेसर्स निस्ता भालि टि को० लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्वयन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्वयन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

परगणा-चेंडारि, थाना, नागरा काटा, जिला जलपाईगुड़ी, तौजि सं० 203, स्थित 1436.91 एकड़ जमीन के साथ स्ट्रक्चर्स तथा बिस्किंग, के सब कुछ जैसे के 1979 का 3693 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख 11 मार्च, 1980  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सी०ए० सी०एयू० 113/रेंज-IV/कल/79-80—यतः  
मुझे के० सिन्हा

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38/9 है, तथा जो क्षेत्र मित लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी धान की वास्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धान या किसी धान या धान्य धास्ति को जो जिन्हें भारतीय धान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धान-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात।—

1. श्रीमती मन्द रानी बोस, हिरालाल बोस

(अन्तरक)

2. श्री पिरोष चन्द्र वत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्रवाई करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताधरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के धार्या 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

38/9, क्षेत्र मित लेन, सालकिया, हावड़ा में 4 का० 1 छटांक, 11 स्कवायर फुट, जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 2041 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सख्त प्राधिकारी

सहायक प्रायकर, आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-IV, 54, रफी अहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता

दिनांक : 12 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकाशित टी० एन० एन०—

1. श्री ओंकार सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मसर्स काछि पेटेलस मिल्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 114/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः,

मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० फ्लैट 701, 702, तथा 705 है तथा जो टगोर रोड, आसनसोल, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आसनसोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
22—36GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टगोर रोड, आसनसोल, वर्धमान, में 13 कांठा जमीन का साथ भूकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 4033 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद

किन्वाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12 मार्च 1980

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० 115/रेंज-IV/कल/79-80—यस: सुधे  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति बिक्री उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 30 है, तथा जो निर्ड टालीगंज, पूर्व पुटियारी  
24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 20-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यस: धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हासि शनि बोस

(अन्तरक)

2. लिली अटरशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

30 निर्ड टालीगंज, पूर्व पुटियारी, 24 परगना में 2.5 काठा  
जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०  
3283 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV 54, रफी अहमद

किडवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सि० क्यू०-536/टी०आर०-44/सी-39/कल/I  
79-80—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 46 है, तथा जो बि० बि० गांगुली स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 5-7-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिफल से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित है वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षात् :—

1. श्री एस० आचारिया

(अन्तरक)

2. मेसर्स एस० आर० एम० इन्वेस्टमेन्ट प्रा० लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धांधला—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा उक्त व्यक्तियों के पास  
निहित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के पठ्यार्थ 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, या वह अर्थ प्रयोग में  
दिया गया है।

अनुसूची

46, बिपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित  
14 कट्टा 4 छटांक जमीन पर आंशिक एक तल्ला और  
आंशिक दो तल्ला मकान जो 5-7-79 तारीख में डीड नं०  
3669 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 686/ए० सी०एच०/रेंज-III/79-80/कल०—

यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 डि० है तथा जो बैणव घाटा, बाइसेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुनीति घोष

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 10 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान जो 3 डि० बैणव घाटा, बाई सेन, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 13 मार्च, 1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रेंज-IV/कल०/79-80—यतः  
मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 231/ए, है तथा जो मानिकतला, मैन रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, गण धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्रीमती सालिमन बिवि और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री अश्विनी विश्वास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवस्थाओं पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में म प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित किए जा सकेंगे।

संक्षेपण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 2 काटा 14 छटांक 39 स्वभाव फुट,  
231/ए, मानिकतला मैन रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

के० सिन्हा  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 16 मार्च, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रेंज-IV/कल०/79-80—यतः

मुझे के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० पी-276 है, तथा जो मानिक तला में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेन्द्र नाथ टे ।

(अन्तरक)

2. दुलाल कान्ति शाहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन परिभाण-1 काठा 8 छाटांक, पी-276, मानिकतला  
कलकत्ता ।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 15 मार्च, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री गोपाल राय चौधुरी, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री जयन्त कुमार साहा ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० मि०/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः

मुझे के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० पी-276 है, तथा जो मानिकतला,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 30-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हिनवद्र किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन परिमाण-13 छटाक 35 स्क्वायर फुट पी-276,  
मानिकतला, कलकत्ता ।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 15 मार्च, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० 116/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः मुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 61/5 है, तथा जो ठाकुरिया स्टेशन रोड, थाना कसबा, में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रार्थ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रताप चन्द्र बनर्जी, लक्ष्मी बनर्जी, मंजुला बनर्जी शान्ति बनर्जी।

(अन्तरक)

2. लेखा दास गुप्ता।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थाना-कसबा, मौजा ठाकुरिया 61/5 स्टेशन रोड, स्थित 2 कट्ठा 7 छटाक 12 स्कवा० फिट जमीन के सब कुछ जैसे के 1979 का दलिल सं० 3259 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 17 मार्च, 1980  
मोहर :

प्रथम प्राईवेट टी० एन० एल०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० /117/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः  
मुझे, के० सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 61/4 है, तथा जो स्टेशन रोड, ठाकुरिया में  
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बलिसुंदर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 20-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—36GI/80

1. श्री प्रताप चन्द्र बनर्जी, लक्ष्मी बनर्जी, मंजूला बनर्जी,  
कमलि बनर्जी।

(अन्तरक)

1. लेखा दास गुप्ता।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थाना-कस्बा, मौजा-ठाकुरिया, 61/4 स्टेशन रोड, स्थित  
2 कट्ठा 7 छटाक 35 स्क्वायर फिट जमीन के सब कुछ जैसे  
के 1979 की दलिल सं० 4749 में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 17 मार्च 1980

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मार्च, 1980

निर्देशा सं० 687/ए० सी०क्यू०/रेंज-III/कल०/79-80—

यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1 है, तथा जो कृपानाथ लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिनांक 7-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अश्व्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दीपक चौधरी

(अन्तरक)

2. श्री कुमारेण चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पौर सं० 1, कृपानाथ लेन, कलकत्ता पर अवस्थित अस्थावर सम्पत्ति को अभिभक्त अधीन जो दलिल सं० 3712/1979 का अनुसार है।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 17 मार्च 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सिगुभ मन्डल

(भारतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री निरन्जन मन्डल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 20 मार्च 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० ए० सी० 122/रेंज-IV/कल/79-80—यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 641 एण्ड 642 है, तथा जो बेलियाटोर गयरा, जिला बांकुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जि० बांकुरा, पो० बांकुरा, गयरा, बेलियाटोर, दाग सं० 641, 642 में 5.65 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3867 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)

अर्जन रेंज-IV/कलकत्ता

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 20 मार्च, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० सं० २२०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-121/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः  
 मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1543 है तथा जो खारिवा मैम रोड  
 खरगपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 मिथनापुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन दिनांक 2-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
 के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में,  
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती कुम कुम बेसा बेगम  
(अन्तरक)
2. महिन्द्र कुमार जैन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जासे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में निहित  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृत्वकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

श्रीव-जंगल, पो० खरगपुर, जिला सिन्हापुर, में 82  
 स्टैकस का सब कुछ जैसे 1979 का क्रिस्ता सं० 1812  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
 सक्षम अधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 20-3-1980  
 मोहर।



प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/79-80—यतः

मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० अधिक है और जिसकी सं० 26/7, है तथा जो गरपार रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रकटित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रकटन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व न कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का प्रत्यक्ष प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्नेहलता घोष

(अन्तरक)

2. श्री सुबेन्दु चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या पूर्वोक्त व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसूची 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अनुसूची में दिया गया है।

प्रमाण

जमीन परिमाण 13 छटाक 30 स्क्वायर फुट 26/7, गरपार रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 24-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रेंज-II/कल०/79-80—यतः मुझे,  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25/5ए, है तथा जो गरपार रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के पक्षीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्नेहलता घोष

(अन्तरक)

2. श्री सुवेन्दु चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 11 छटाक 7 स्क्वायर फुट 25/7, गरपार  
रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 24-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०आर० IV/7-79/

1088—अतः मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान बखसरा नं० 652/153, प्लॉट नं० 126 है तथा जो आजाद नगर पश्चिम गांव गोडली इलाका शाहदरा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री हरनाम सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी 126, पश्चिमी आजाद नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री दिग्विन्दर मोहन बनाम मन मोहन (हि० प्र० प०) पुत्र अर्जुन देव आनन्द निवासी 651/ 23ए, नजदीक डी० ए० बी० स्कूल गांधी नगर दिल्ली (अब मकान प्लॉट नं० 126 बखसरा नं० 652/153 पश्चिमी आजाद नगर, शाहदरा दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बुमंजिला मकान जो मध्य हिस्से के प्लॉट नं० 126 पर बना है क्षेत्रफल 168 वर्ग गज, जो बखसरा नं० 652/153 का हिस्सा है आजाद नगर पश्चिम गांव गोडली, इलाका शाहदरा दिल्ली-51, में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर—हिस्सा प्लॉट नं० 126

दक्षिण—सड़क 15 फुट

पूर्व—बाकी हिस्सा प्लॉट नं० 126

पश्चिम—बाकी हिस्सा प्लॉट नं० 126।

जी० सी० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 16-4-1980

मोहर:

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अप्रैल, 1980

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/7-79/  
275—प्रतः मुझे, जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वामय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या ई०-469 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांसी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी अन्य की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्ति-  
तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री प्राण नाथ शर्मा पुत्र स्व० श्री सरदारी लाल  
शर्मा निवासी क्वाटर नं० 572, सैक्टर-VI,  
आर० के० पुरम, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्णा सहगल पति एम० आर० सहगल,  
निवासी डी० 289, डिकैन्स कालोनी नई दिल्ली  
व श्रीमती संगीता चौपड़ा पति राजेश चौपड़ा  
निवासी 22 सेंट्रल सेम, बंगाली मार्केट, नई  
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उसके सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तुतधारी के  
पास लिखित में किम् जा-सकचे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमिश्नरी प्लॉट नं० 469 ब्लॉक ई० क्षेत्रफल 248 वर्ग  
गज जो रिहायशी कमरों की ग्रेटर कैलाश नं० II के नाम से  
जानी जाती है, गांव बाहापुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार  
से स्थित है।

पूर्व—प्लॉट नं० ई० 467

पश्चिम—प्लॉट नं० ई० 471

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—सड़क

जी० सी० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-1980

मोहर:

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1980

सं० एफ० 10/5/79-म I (ख)-1(बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 26 अप्रैल 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार निचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 28 सितम्बर 1980 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षण में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध I पैरा II)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जाती है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से संबद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (सहायक) का सामान्य संवर्ग का ग्रेड-IV—\*50\*\*.
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-IV (सहायक)—\*
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड—\*
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड—103 (इनमें 15 रिक्तियाँ अनुसूचित जातियों तथा 8 रिक्तियाँ अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (v) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं—\*

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*सरकार द्वारा रिक्तियाँ सूचित नहीं की गईं।

\*\*अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा निर्धारित रीति से किया जाएगा।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

24—36G1/80

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा-6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्रों में जिन सेवाओं/पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उनके संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भाँति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों, जिनके लिए वह प्रतियोगी है, के वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक ग्रेड परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक ग्रेड परीक्षा 1980 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से हटकर पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के पास 16 जून 1980 या उससे पहले (16 जून 1980 से पहले की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 30 जून 1980 तक) डाक द्वारा अवश्य पहुंचाना

चाहिए या इस तारीख तक काउंटर पर खुद जमा करा दें निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप-समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों में, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 16 जून 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग की रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जोकि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को, नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता, जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या नीचे की परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है।

"भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेना सहित संघ की सशस्त्र सेना (अर्थात् संघ की थल, जल और वायु सेना) में किसी भी रैंक में (चाहे सामरिक हो या असामरिक 16 जून 1980 के अभि-प्रमाणन के बाद कम से कम छह मास की अवधि तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें

असम राइफल्स डिफेंस सिक्युरिटी कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर कोर्स, जम्मू व काश्मीर मिलीशिया, लोक सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं है।

(i) जो निर्मुक्त हुआ हो बशर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति दूराचार या अक्षमता के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के आशय से रिजर्व में स्थानान्तरित न हुआ हो; या अथवा

(ii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानांतरण का पात्र बनने के लिए 16 जून 1980 की आवश्यक सेवावधि को समाप्त करने में अभी छह मास से कम सेवा करनी हो।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवार की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

नियमावली के परिशिष्ट I में उल्लिखित परीक्षा की योजना में बताए गए अंग्रेजी भाग I, अंकगणित और सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी सम्मिलित है, के प्रश्न पत्रों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। वस्तुपरक परीक्षण के विवरण और नमूने के प्रश्नों के लिए अनुबंध II पर उम्मीदवारों के सूचनार्थ विवरणिका का संदर्भ दिया जाए।

आर० एस० अहलूवालिया  
उप-सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध I

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां

वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुसूची पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कांड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोजता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोजता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य-भारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें या परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 तथा नीचे दिया गया पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी० के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिसमें एक प्रति आवेदन पत्र पर तथा दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दें।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

(vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

(viii) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (i), (ii), (iii), (v), (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। परिणाम सम्भवतः मार्च, 1981 में घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिए और परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय में अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः, रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकसित या कटे-फटे पोस्टल-आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहाँ से मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हैं, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु में संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख

एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठें हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखते हैं वे आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सेंम मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) 3(iv) 3(v) और 3(vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र, आवेदन में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी



अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री—  
जो गांव/कस्बा\*  
जिला/  
मंडल\* राज्य/  
संघ\* राज्य क्षेत्र  
के/की\* निवासी हैं,  
जाति/जनजाति\* के/की\* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां), आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन, अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश 1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959। अनुसूचित जातियां और

अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
और/या\* उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा\*  
जिला/मंडल\*  
राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र  
में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर —————

\*\*पदनाम —————

(कार्यालय की मोहर) सहित

स्थान —————

तारीख —————

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "ग्राम तौर से रहते/रहती हैं" शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन ऑफ दि पिपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है। जाति/जन जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सर्वा डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट के अभाव में से कम नहीं)।

(ii) सीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल सीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिविजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर लक्षणीय।

(5) (क) नियम 6(ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले लोअर डिवीजन क्लर्क/अपर डिवीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड थ को अपने विभाग कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण-पत्र मूल रूप से प्रस्तुत करना चाहिए:—

प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक ----- से ----- के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ\* राज्य क्षेत्र ----- का विभाग कार्यालय है, में लोअर डिवीजन क्लर्क/अपर डिवीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड थ\* के पद पर कार्य कर रहे/रही है और उन्होंने 1 जनवरी, 1980 को लोअर डिवीजन क्लर्क/अपर डिवीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड थ\* की हैमियत से लगातार और नियमित सेवा 3 वर्ष से कम नहीं की है और वे इस पद पर कार्य करते रहे/करती रहेगी।

हस्ताक्षर -----

पदनाम -----

मंत्रालय/विभाग -----

कार्यालय की मुहर -----

\*जो लागू न हों उसे काट दें।

(ख) नियम 6(ग) (ii) अथवा 6(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवजन कर भारत आया है।

(1) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट;

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है;

(3) संबंधित जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी प्रतिरक्षित जिला मैजिस्ट्रेट;

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबंधित सब-डिविजनल अफसर;

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ग) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्री लंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(घ) नियम 6(ग) (vi) अथवा 6(ग) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(ङ) नियम 6(ग) (viii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(च) नियम 6(ग) (ix) अथवा 6(ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महा-निदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म -----

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ----- के क नं० -----

श्री \_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अप्रतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(छ) नियम 6(ग) (xi) या 6(ग) (xii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैंक नं० \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

(ज) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(झ) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण-स्वरूप, थल-सेना/वायु सेना/ नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में उस की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं में से उसकी नियुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्याशित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख), (ग) तथा (घ) में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसकी किसी जिला अधि-

कारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद् सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किये गये झूठे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बन्ध आवेदन पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार की अपने आवेदन पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किया जाने के बावें से वंचित हो जायेगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकायें प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां बिज्जी के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल रिवोनी सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक,

बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) बिन्नी केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफत्सिल नगरों में भारत-सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम —————
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष —————
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म की तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें: (i)—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें (ii):—परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं करता।

#### अनुबन्ध-

#### उम्मीदवारों की सुनिश्चित विवरणिका

#### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फँलाकर रखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, ..... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे, a b c ..... के क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, ..... के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिये यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिलें (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ या सजवट आदि पड़ जाए और वह देखा हो जाए।

**घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम**

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 48 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिये इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिये गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्डबोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, माना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको मांगने पर एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

**ड. विशेष अनुदेश**

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी

परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

**च. कुछ उपयोगी सुझाव**

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं। बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

**छ. परीक्षण का मापन**

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपकी परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चे काम करने का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

**नमूने के प्रश्न**

1. मौर्य वंश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन सा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद सम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिये पाठ्येतर कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है,

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

#### कर्मचारी चयन आयोग

#### मंक्षिप्त विज्ञप्ति

नई दिल्ली दिनांक 26 अप्रैल 1980

उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980

सं० 1/8/2/79-समन्वय-II (अनुवाद)—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूचियों में वृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा 22 और 23 मितम्बर, 1980 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेशों

में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जायेगी।

2. पात्रता की शर्तें:—उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी अथवा अस्थायी अधिकारी होना चाहिए और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:—

(क) सेवा अवधि:—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-8-1980 को पांच वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु:—1-8-1980 को 50 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) टंकण परीक्षा:—जब तक अवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध)/अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित मासिक/त्रैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की विज्ञप्ति जारी होने की तारीख को अथवा इस से पहले ऐसी परीक्षा पास होना चाहिए।

3. फीस:—12/- रु० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3/- रु०)।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र क्षेत्रीय निदेशक, (उ० क्षेत्र), कर्मचारी चयन आयोग, लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान माकिट, नई दिल्ली-110003 को 1.00 रुपया के रेखित ("प्राप्त कर्ता लेखा") भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को लोधी रोड डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 27-5-1980 (10-6-1980 विदेशों में तथा अंशमान एवम् निकोबार द्वीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

ज्ञान नाथ खन्ना  
अवर सचिव (समन्वय)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-1100011, the 31st March 1980

No. A.38015/1/Admn.II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st March, 1980 (Afternoon), Shri M. P. Guha has relinquished the charge of the office of the Senior Research Officer (Bengali) in the office of the Union Public Service Commission.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd April 1980

No. D.I. 12/77-ESTT.—Consequent on his retirement from Government service Shri Bhoom Singh, of CRPF relinquished charge of the post of Dy. S.P., while on deputation to Mizoram Police, on the afternoon of 31-8-79.

No. O.II.1348/77-ESTT.—The President is pleased to relieve Shri P. R. Meena, Dy. S.P. of 28 Bn, CRPF w.e.f. the afternoon of 20-11-79 on expiry of one month's notice under rule 5(i) of the CCS (TS) Rules, 1965.

No. O.II.1461/80-ESTT.—The President is pleased to appoint on re-employment Major B. S. Shorey (Retd) as Assistant Commandant in the Central Reserve Police Force until further orders.

2. Major B. S. Shorey took over charge of the post of Assistant Commandant A.W.S.-I C.R.P.F. Hyderabad on the forenoon of 28th February, 1980.

K. R. K. PRASAD, Asstt. Dir. (Adm)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1st April 1980

No. 11/99/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jayanta Roy, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 12th March, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Roy will be at Calcutta.

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. J. Jhala, an Officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Gujarat at Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 13-3-1980 until further orders.

The headquarter of Shri P. J. Jhala will be at Ahmedabad.

No. 7/4/79-Ad.I-1187.—The President is pleased to appoint the following Officers as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from 3rd December, 1977.

1. Shri Lal Krishan
2. Shri S. S. S. Jaiswal.
3. Shri S. K. Agarwal
4. Shri B. L. Bhan

No. 11/118/79-Ad.I-1188.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Chaubal, an Officer belong to the Maharashtra, Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chaubal will be at Bombay.

The 3rd April 1980

No. 11/57/79-Ad.I-1197.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Shah, an Officer belonging to the Government of Gujarat, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations,

Gujarat, Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 4th March, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Shah will be at Ahmedabad.

The 5th April 1980

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same Office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri R. K. Bhatia will be at New Delhi.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27th March, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri O. P. Sharma will be at New Delhi.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

The 7th April 1980

No. 10/22/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. P. Ittaman, Research Officer in the Ministry of Social Welfare, as Senior Research Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation on *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from the afternoon of 15th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarter of Dr. Ittaman will be at New Delhi.

No. 11/117/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ganguli, an Officer belonging to the Tripura Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tripura Agartala, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14th March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Ganguli will be at Agartala.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. D. Dighe, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by Transfer on deputation, with effect from the forenoon of 15th March, 1980, until further orders.

The Headquarter of Shri Dighe will be at Nasik.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

## INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd March 1980

No. 1589/A.—The undersigned hereby appoints Shri G. S. Sapkal, Sectional Officer (Class III non-Gazetted), Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Assistant Controller of Stamps (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 1st March, 1980 to 30th June, 1980 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 30th March 1980

No. 1590/M.—On his superannuation retirement from Govt. service, Shri R. A. Patel relinquished charge of the office of the Asstt. Controller of Stamps, Central Stamp

Store, Nasik Road, with effect from the afternoon of 29th February, 1980.

N. RAMAMURTHY  
Sr. Dy. General Manager

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st April 1980

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's Notification number BNP/C/5/79 dated 23-12-79 the *ad hoc* appointment of Shri R. C. Agrawal as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 25-3-1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/5/79 dated 29-11-79, the following *ad hoc* appointments have been continued upto 31-3-80 on the same terms and conditions.

Sl No.	Name	Post to which appointed on <i>ad hoc</i> basis initially
	S/Shri	
1.	M. Ponnuthurai	Technical Officer (Printing & Platemaking)
2.	D. R. Kondawar	-do-
3.	Y. Janardhan Rao	-do-
4.	Rampal Singh	-do-
5.	N. R. Jiraman	-do-
6.	Samrendra Dass	-do-
7.	Mridul Dutta	Technical Officer (Designing & Engraving)
8.	Arun Kumar Ingle	Technical Officer (Ink Factory Research & Laboratory)
9.	J. N. Gupta	Technical Officer (Ink Factory Production)

P. S. SHIVARAM  
General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

##### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ORISSA

Bhubaneswar, the 19th February 1980

E.O. No. 85.—The Accountant General is pleased to appoint the following permanent section officers of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates noted against each until further orders.

1. Sri M. S. Sarkar—25-1-80 A.N.
2. Sri G. S. Prakash Rao—25-1-80 A.N.
3. Sri V. R. G. K. C. Bhatta—25-1-80 A.N.
4. Sri P. K. Kochukutty—25-1-80 A.N.
5. Sri B. S. R. Sarma—25-1-80 A.N.
6. Sri Ch. R. Suryanarayana—4-2-80 F.N.
7. Sri S. K. Chatterjee—1-2-80 F.N.

Their inter-se-seniority will be as indicated above and their promotion is also on *ad hoc* basis subject to the decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudiced in the Courts.

The 25th February 1980

No. Admn-IAD-1-29-Con-4635.—The Accountant General is pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officer's from the dates noted against each.

1. Sri G. K. Patnaik—28-12-78
2. Sri C. R. Misra—1-6-79

3. Sri H. D. Mitra—26-6-79

4. Sri M. K. Chidambaram—1-11-79

5. Sri A. K. Mazumdar—1-11-79

6. Sri V. Krishna Rao—1-2-80.

K. P. VENKATESWARAN  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### THE ACCOUNTANT-GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 2nd April 1980

No. Admn.1/8-132/80-81/2.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Nagaialoan officiating Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18-2-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

P. HARIHARAN  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

##### OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 3rd April 1980

No. 18293/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri M. N. NARAYANAN, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment on 31-8-1980 and accordingly be struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-8-80 (AN).

No. 18295/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri DEV RAJ SEHGAL, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment on 31-10-1980 (AN) and accordingly be struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-10-1980 (AN).

No. 18343/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri J. L. BALI, Assistant Controller of Defence Accounts transferred to the Pension Establishment with effect from 30-11-79 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 30-11-79 (AN).

K. P. RAO  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th April 1980

No. 53/A-Admn/130/79.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Council of Agricultural Research, with effect from 1-9-79 (FN) the lien of Shri S. P. Singh, officiating Audit Officer, substantive Section Officer (Audit) in this Department has been terminated in terms of FR-14-A(d) from the same date.

K. B. DAS BHOWMIK  
Jt. Director of Audit, DS

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

##### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 28th March 1980

No. 8/80/A/E-1(NG).—Shri B. K. Chatterjee, Substantive and Permanent Asst./Ty. ASO having been declared permanently incapacitated for Govt. Service by the Medical Board, the D.G.O.F. has sanctioned invalid pension to him under provision of Rule 38, C.C.S. Pension Rules 1978 (Edition). Shri Chatterjee is transferred to pension establishment w.e.f. 20-2-80 the date on which the Medical Board



certified him as permanently incapacitated for further Service under Govt.

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 31st March 1980

No. 11/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. F. Mascarenhas Offg. Manager Subst. & Permt. Deputy-Manager retired from service w.e.f. 31st Dec., 1979 (A.N.).

No. 12/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. K. Ranade, Offg. Deputy Manager Subst. & Permt. Assistant Manager retired from service w.e.f. 31st Jan., 1980 (A.N.).

The 2nd April 1980

No. 13/G/80.—Shri D. Y. MOGHE, Regional Director (NR) (offg. DDG, Level-I) voluntarily retired from service w.e.f. 11-5-79 (AN).

No. 14/G/80.—Shri I. K. NAYAK, Addl. DG/Member, O.F. Board (offg. DDG Level-I) voluntarily retired from service w.e.f. 7-1-80 (AN).

No. 15/G/80.—On expiry of extension of service for six months beyond 58 years Shri S. S. BASU, Offg. DDGOF (Permt. ADG Gr. I) retired from service w.e.f. 20-9-79 (AN).

No. 16/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. C. KHANNAN, Offg. Manager (Subst. & Permt. Dy. Manager) retired from service w.e.f. 31-1-1980 (AN).

No. 17/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. C. KUMAR, Offg. Deputy Manager (Permt. Asstt. Manager) retired from service w.e.f. 31-12-79 (AN).

No. 18/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri MISKEEN HUSSAIN, Offg. Dy. Manager (Subst. Foreman) retired from service w.e.f. 31-7-79 (AN).

No. 19/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. R. SIBAL, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 30-11-1979 (AN).

V. K. MEHTA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

### MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd April 1980

No. 12/170/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri S. H. Nirokhekar permanent Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) and officiating Deputy Director (Mechanical) in Regional Testing Centre, Bombay, to retire from Govt. service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st December, 1979.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 12th March 1980

No. CER/1/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68,

dated the 2nd May, 1968, namely :—

In paragraph 2 of the said Notification :—

I. For sub-item (v) of item (b) and NOTE thereof the following shall be substituted, namely :—

“(v) Of woven yarn of average count not exceeding 34.49s and includes any type of printed mull and printed voile having a length not below 5 metres per picce.”

“NOTE. For this purpose item Printed Mull and Printed voile shall mean any printed fabric of plain weave manufactured with single yarn and with warp count not lower than 28s.”

II. For sub-item (iv) of item (c) the following shall be substituted, viz. :—

“(iv) has a width ranging between 84 cms and 120 cms (both inclusive).”

III. This notification shall come into force with immediate effect.

M. MADURAI NAYAGAM  
Additional Textile Commissioner

### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta-700096, the 7th April 1980

No. Jute(A)/187(1)/71.—Jute Commissioner, Calcutta hereby appoints Shri T. S. Chakrabarti, as Executive Officer in the office of the Jute Commissioner, Calcutta in a substantive capacity with effect from 14th November, 1977.

R. N. CHAKRABORTY  
Dy. Jute Commissioner

### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th March 1980

No. A-1/1(948).—Shri Babu Lal, substantive Senior Economic Investigator in this office is appointed as Assistant Director (Statistics) (Grade I) on *ad hoc* basis in this office with effect from the forenoon of 12-3-1980.

The 31st March 1980

No. A-1/1(585).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Chawla, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 20-3-1980.

2. The *ad hoc* promotion of Shri V. S. Chawla as Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on *ad hoc* basis.

No. A-1/1(873).—The President is pleased to appoint Shri I. S. Garg, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies and Disposals, New Delhi, to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 20-3-80.

2. The *ad hoc* promotion of Shri I. S. Garg as Deputy Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on *ad hoc* basis.

K. KISHORE  
Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 1st April 1980

No. A6/247(324)/61-III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Hazra, Asstt. Inspecting Officer (Met)

in the office of Dy. Director of Inspection (Met) Durgapur under the Burnpur Inspectorate to officiate on *ad hoc* basis as Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met Branch) in the office of Director of Inspection, Burnpur w.e.f. 27-2-1980 (FN) and until further orders.

Shri Hazra relinquished the charge of the post of AIO (Met) in the office of Dy. Director of Inspection (Met) Durgapur on 25-2-1980 (AN) and assumed charge of the post of ADI (Met) in the office of Director of Inspection (Met) Burnpur on 27-2-1980 (FN).

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(DEPARTMENT OF MINES)  
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st March 1980

No. 19012(125)/80-Estt.A Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Sarbeshwar Singh, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 18th March, 1980, until further orders.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd March 1980

No. A19019/23/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Ram Kishan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 11th March, 1980.

N. N. GHOSH  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 7th April 1980

No. A.12026/18/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Pushp Kumar to the post of Lecturer in Statistics & Demography at Lady Hardinge Medical College & Smt. Sucheta Kirpalani Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 26th February, 1980 on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad-121001, the 2nd April 1980

No. A-19023/58/78-A.III.—The short-term appointment of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 30-6-1980 or until regular arrangements are made, whichever is earlier :—

1. Shri S. B. Chakravarty
2. Shri S. V. Krishnamurthy
3. Shri R. V. Kurup
4. Shri S. D. Phadke.

No. A-19025/4/80-A.III.—The short-term appointments of the following Officers to the post of Assistant Marketing

Officer (Group I) have been extended upto 30-6-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier :—

1. Shri G. V. Ramamurthy
2. Shri P. D. Girase
3. Shri K. Jeyanandan
4. Smt. R. Lalitha.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 27th March 1980

No. 602/6/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints the following persons to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

1. Shri A. V. Wedpathak
2. Shri P. V. Mathew

The above officers will be on probation for a period of two years with effect from 22nd March, 1980 (forenoon) in the grade of Assistant Research Officer (Physics).

No. 602/8/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri N. N. Koti to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Maths) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

Shri N. N. Koti will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (MATHS), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from 22-3-1980 (Forenoon).

No. 602/19/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri M. L. Nath to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

Shri M. L. Nath will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

M. R. GIDWANI  
Administrative Officer  
for Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th March 1980

No. 5/1/79-Estt. II/909.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned official to officiate on an *ad hoc* basis as Security Officer for the period shown against his name :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to Officiate as	Period	
			From	To
1	2	3	4	5
1.	Shri V. K. Murthy . Asstt. Security Officer	Security Officer	15-9-79 (FN)	26-10-79 (AN)
2.	Shri V. K. Murthy . Asstt. Security Officer	Security Officer	7-1-80 (FN)	8-2-80 (AN)

No. 5/1/79-Estt.II/910.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri L. B. Gawde, Assistant, to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period from 15-1-1980 FN to 29-2-1980 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd April 1980

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Sohail Fahmi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 14, 1980 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd April 1980

No. E(1)03380.—Shri S. Kumar, Director, Headquarters office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 30-11-1979 on attaining the age of superannuation.

The 5th April 1980

No. E(1)03286.—Shri C. R. V. Raman, Deputy Director General of Meteorology, who was performing the functions of the Project Director (Monex), India Meteorological Department, retired from the Govt. service from the afternoon of 29th February 1980, on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE  
Meteorologist  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st April 1980

No. A. 31011/1/77-EC.—The President is pleased to appoint the following 27 officers in a substantive capacity in the grade of Technical Officer in the C. A. D. with effect from 26-4-1979 and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station of posting
1	2	3
S/Shri		
1.	H. S. Gahlot .	A. C. S., Ahmedabad.
2.	V. K. Khandelwal .	C. A. T. C., Allahabad.
3.	M. A. Venugopal (Retd.)	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
4.	S. K. Saraswati (on deputation to G. C. E. Ltd.)	-do-
5.	S. P. Hardas .	A. C. S., Gauhati.
6.	B. N. M. Rao .	A. C. S., Calcutta.
7.	V. K. Chaudhuri	A. C. S., Bombay.
8.	S. Krishnaswamy .	Regional Controller of Communication, Madras.
9.	Sushil Kumar .	D. G. C. A. (HQ)

1	2	3
10.	P. S. Mullick .	Regional Controller of Communication Calcutta.
11.	R. K. Sood .	C. A. T. C., Allahabad.
12.	J. V. Sarma .	A. C. S., Safdarjung Airport, New Delhi.
13.	M. M. Poullose .	A. C. S., Hyderabad.
14.	A. G. Narasimhan .	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
15.	K. Surender .	A. C. S., Palam
16.	A. Jagdesan .	Controller of Aeronautical Inspection, Madras.
17.	Roop Chand .	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
18.	S. K. Govilkar .	A. C. S., Bombay.
19.	S. Jayaraman .	A. C. S., Madras.
20.	Rakesh Kumar .	Radio Construction & Dev. Units, New Delhi.
21.	S. Venkateswaran .	Regional Controller of Communication, Bombay.
22.	K. S. Narasimhan .	Controller of Aeronautical Inspection, Bombay.
23.	Vijay Panwar .	A. C. S., Palam.
24.	K. K. Narayan (Retd)	A. C. S., Calcutta.
25.	A. K. Pansal .	Radio Construction & Development Units, New Delhi.
26.	K. P. B. Nair .	-do-
27.	D. Anbalagan .	Radio Construction & Dev. Units, New Delhi.

The 7th April 1980

No. A. 31011/1/78-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned 32 officers in substantive capacity in the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department with effect from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Station of posting	Date of substantive appointment
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Dalip Singh (Retd)	A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi	1-4-70
2.	H. Nilakanta Iyer (Retd.)	A.C.S., Madras	1-4-70
3.	S. M. Gupta (Retd)	DGCA (HQ)	1-4-70
4.	S. K. Roychoudhury (Retd)	A.C.S., Dum Dum, Calcutta.	1-4-70
5.	I. P. K. Menon (Retd)	A.C.S., Bangalore	1-4-70
6.	Kishu Tekchandani	A.C.S., New Delhi	1-4-74
7.	V. K. Kalra .	A.C.S., Bombay	1-4-74
8.	S. K. Gupta (Retd)	A.C.S., Calcutta	1-4-74
9.	S. C. Goswami .	R.C.C., New Delhi	1-4-74
10.	R. P. Sharma .	D.G.C.A. (HQ)	1-4-74
11.	D. R. Gupta (Retd)	D.G.C.A. (HQ)	1-4-74
12.	L. R. Garg .	C.R.S., Depot, New Delhi.	1-4-74
13.	A. D. Dhingra (Retd)	A.C.S., New Delhi	1-4-74
14.	N. K. Puri .	D.G.C.A., (HQ)	1-1-75
15.	S. V. Raghvan (Retd)	A.C.S., Madras	1-1-75
16.	S. H. Khan .	A.C.S., Calcutta	1-1-75
17.	S. R. Raghvendra Rao	A.C.S., Calcutta	1-4-75
18.	P. K. Singhal .	A.C.S., New Delhi	1-4-76

1	2	3	4
19.	M. C. Jain (Retd).	D.G.C.A., (HQ)	1-4-76
20.	K. S. Krishnamoorthy	R.C.C., Madras	1-4-76
21.	S. A. Narayan (Retd)	A.C.S., Bangalore	1-4-76
22.	S. K. Maheswari	D.G.C.A., (HQ)	1-4-76
23.	B. G. Shaw (Retd)	A.C.S., Bombay	1-4-76
24.	Arun Talwar	C.R.S. Depot, New Delhi.	1-4-76
25.	R. C. Chitkara	R.C.C., Bombay	1-4-76
26.	N. B. Mathur	R.C.C., Calcutta	1-4-76
27.	M. Dheendayalan.	A.C.S., Madras	1-7-78
28.	P. Anil Kumar	G.D.C.A., (HQ)	1-7-78
29.	N. Sadasiva Sarma	A.C.S., Trivandrum	1-7-78
30.	P. Paulose (Retd)	A.C.S., New Delhi	1-7-78
31.	R. K. Maheswari	D.G.C.A. (HQ)	1-7-78
32.	R. H. Subramanian	R.C.C. Bombay	1-7-78

R. N. DASS  
Asstt. Director of Adm'n.

New Delhi, the 14th March 1980

No. A.32013/13/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director, Air Safety, Civil Aviation Department, to the post of Director, Air Safety, in the same Department on *ad hoc* basis with effect from 19th November, 1979 (forenoon), and until further orders.

2. The Notification issued vide this office No. A.32013/13/79-E.I. dated the 7th March, 1980, is hereby cancelled.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Guntur-4, the 29th January 1980

No. 1/80.—The following permanent S. G. Inspectors of Central Excise have been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) in the Central Excise Collectorate Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) on the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Supdt of Central Excise Grade-B (Gazetted)
1	2	3	4
S/Shri			
1.	G. Devallu	Rajamundry Division	11-7-79
2.	G. Veerabhadrrao	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division	12-7-79
3.	M. Seshagiri Rao	Nidadavole Range Eluru Division	5-7-79
4.	P. V. Veera Raghava Rao	Tenali Range, Guntur-II Division	7-7-79
5.	Ch. Pydiraju	Visakhapatnam-I Division	17-8-79
6.	H. M. F. Rahim Shaik	Visakhapatnam-II Division.	22-10-79
7.	K. V. Narasimharao	Visakhapatnam-I Division	12-1-80 A.N.
8.	S. V. Ranganathan	Hqrs. Office, Guntur	14-1-80
9.	Md. Badruddin	Visakhapatnam-II Division	16-1-80

1	2	3	4
10.	E. V. Raghavarao	Visakhapatnam-I Division	10-1-80
11.	N. V. Ramanarao	-do-	12-1-80 A.N.
12.	A. Seshagiri Rao	Eluru-I Range, Eluru Division.	9-1-80
13.	T. V. L. Narasimha Rao	Vijayawada Division	19-1-80
14.	N. V. V. Sambasiva Rao	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division.	10-1-80
15.	P. Satyanarayana Gupta	Satopalli Range, Guntur-II Division	9-1-80
16.	K. Sundara rama Rao	Jangareddigudem Range of Eluru Division.	4-2-80
17.	M. Govardhana Rao	Singarayakonda Range of Ongole Division.	19-1-80

No. 2/80.—The following Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) retired from service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of retirement from services.
1	2	3	4
S/Shri			
1.	B. J. Vijendrarao	Guntur-II Division	31-3-79 A.N.
2.	M. P. Soorma	Eluru Rural Range Eluru Division	31-3-79 A.N.
3.	K. Prasada Rao	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division	30-6-79 A.N.
4.	P. Shouri Reddy	Tenali Range Guntur-II Division	30-6-79 A.N.
5.	K. Vijayam	Rajamundry Division	30-6-79 A.N.
6.	B. A. Somayajulu	Nidadavole Range Eluru Division	30-6-79 A.N.
7.	G. Gopalakrishnamurthy	Vijayawada Division	31-7-79 A.N.
8.	P. Putraiah	Ramachandrapuram Range of Rajamundry Division	30-9-79 A.N.
9.	P. A. Gajapathi Rao	Srikakulam-I Range Visakhapatnam-II Division	30-11-79 A.N.
10.	J. Ramamurthy	Hqrs. Office, Guntur	30-11-79 A.N.
11.	Md. Nayeemuddin	Eluru-I Range Eluru Division	31-12-79 A.N.
12.	A. Ramadas	Ongole Division	31-12-79 A.N.

No. 3/80.—Shri Mettupalli Venkata Subba Reddy a candidate selected by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent of Central Excise (Group-B) Gazetted has reported for duty on 7-1-80 A.N. in Visakhapatnam-I Division.

No. 4/80.—The following Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer, Group-B (Gazetted) retired from

service on attaining the age of Superannuation with effect from the dates noted station each.

Sl. No.	Name of the Officer and Designation	Station	Date of retirement
S/Shri			
1.	V. Veerabhadrarao, Asstt. Chief Accounts Officer-II	Hqrs. Office, Guntur	31-8-79 A.N.
2.	A. Poornachandra Rao, Administrative Officer	Guntur-I Division	30-9-79 A.N.

No. 5/80.—The following Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) expired on the dates noted against each while working at the stations as indicated :

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of Expiry
S/Shri			
1.	Y. Ramaiah.	Guntu III Range of Guntur-I Division	7-6-79
2.	K. Bhrungeśwararao	-do-	26-10-79

No. 6/80.—Shri D. Chandrapal, Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) Visakhapatnam-I Divisional Office was retired from service with effect from 31-12-79 A.N. under the provisions of F.R. 56(J).

No. 7/80.—Shri T. Chinmayachari, Office Superintendent, Hqrs. Office, Guntur has been promoted as Administrative Officer, Group-B (Gazetted) and assumed charge at Visakhapatnam-II Divisional Office on 28-12-79 afternoon.

C. BHUJANGASWAMY  
Collector

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd April 1980

No. 7/80.—Shri H. D. Majumdar, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in Calcutta Collectorate, on transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) at Calcutta vide Directorate's Order C. No. 1041/41/79 dated 21-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 12-3-80 (afternoon).

No. 8/80.—Shri M. K. Samaddar, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal Calcutta, on transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit (Customs and Central Excise) at Calcutta vide Directorate's Order C. No. 1041/41/79 dated 21-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 14-3-80 (forenoon).

K. L. REKHI  
Director of Inspection

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 5th April 1980

##### MERCHANT SHIPPING

No. 3(7)CRA/74.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the Director General of 26—36GI/80

Shipping is pleased to appoint Shri D. D. Jadhav, Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Bombay as Dy. Shipping Master, Calcutta, on regular basis with effect from the 17th March, 1980 (P.N.), until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 5th April 1980

No. 33/11/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Bawa a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group 'A') in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 12-3-80 (FN) on the usual terms and conditions.

He is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his joining in this department.

No. 33/12/78-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri S. K. Bhatnagar, a nominee of the UPSC as Assistant Architect against temporary post on a pay of Rs. 650/- P.M. in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40 — 1200 with effect from 28th February 1980 (FN) on the usual terms and conditions. His pay will be re-fixed according to rules shortly.

2. He is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Architect as shown above.

K. A. ANANTHANARAYANAN  
Dy. Director of Administration

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

##### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Jaya Commercial Agents & Consultants Private Limited*  
Pondicherry, the 3rd April 1980

No. 68.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Jaya Commercial Agents & Consultants Private Limited" has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO  
Registrar of Companies,  
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Bekay Wood Products Private Limited*  
Bombay, the 26th March 1980

No. 13865/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bekay Wood Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Puzzolana Machineries Private Limited*

Bombay, the 26th March 1980

No. 15742/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Puzzolana Machineries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Relaxa Textiles & Garments Private Limited*

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 17299/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Relaxa Textiles & Garments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. C. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Coimbatore Pioneer Engineering Company Limited*

Madras, the 1st April 1980

No. DN/5260/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3), of Section 560 (3) of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Coimbatore Pioneer Engineering Company Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

#### CORRIGENDUM

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Revathi Construction Private Limited*

Madras-6, the 1980

No. 3589/560(5)/80.—The name of the Company may please be read as "REVATHI CONSTRUCTIONS PRIVATE

LIMITED" instead of "GOWRI TRANSPORTS PRIVATE LIMITED" appear in the Notification No. DN/3589/560(5)/80 published in the Gazette of India, Part III, Section 1 dt. 8-3-80 at Page No. 2769.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Siva Ram Transports Private Limited*

Madras, the 5th April 1980

No. DN/3827/560(3)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 ( ) of the Companies 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Siva Ram Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Pioneer Breweries Limited*

Madras, the 5th April 1980

No. DN/6691/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 ( ) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pioneer Breweries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu, Madras

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX, DELHI

New Delhi, the 2nd April, 1980

#### INCOME TAX DEPARTMENT

No. Coord./Pub./Delhi/B/78-79/7.—In pursuance of sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in the public interest so to do, hereby publish names and other particulars of assesses on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1978-79.

Sl. No.	Name and Address	Status	Asstt. year	Section	Amounts Rs.
1	2	3	4	5	6
1. 22-023-CV-1634	M/s. Alok Udyog Services Ltd., 5-P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI.	Company	1974-75 1974-75 1974-75	273(b) 271(1)(b) 271(1)(c)	36,220 47,660 2,67,347
2. 22-004-CT-5631	M/s. Alok Udyog Vanaspati & Plywood Ltd., 5-P. N. B. Building, Parliament Street, New Delhi. Now at 6-A, Raja Subodh Mullick Square (7th Floor), Calcutta.	Company	1974-75	271(1)(a) 271(1)(b)	1,52,250 30,450

No. Coord./Pub./Delhi/A-78-79/12.—Following is list showing the name (a) being individuals and H.U.Fs who have been assessed on an income of more than two lakhs of rupees (b) being firms, association of persons or companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1978-79 (i) Indicates status (I) for Individuals (H) for N.U.F. (c) for Company (F) for Firms (A) for Association of persons (ii) for assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee and (vi) tax paid by the assessee :—

(1) PY-1808, A. K. Puri, P/o. Sophistica Enterprises, 90, Nehru Place, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,09,050

(iv) 2,09,060 (v) 1,36,976 (vi) 1,36,976 (2) 22-030-PX-8804, Abdul Rehman, C-181, Daya Nand Colony, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) NIL (iv) 2,64,000 (v) 1,79,839 (vi) NIL (3) 22-004-PZ-4895 A. C. Gulati P/o. M/s. A. Duggal & Co., D. B. Gupta Road, New Delhi (i) I (ii) 1978-79 (iii) 1,89,450 (iv) 2,02,120 (v) 1,15,542 (vi) 1,06,800 (4) PX-1545 A. N. Ahuja, P/o. M/s. Ahuja Radio, 3778 N. S. Marg, Darya Ganj, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 3,98,490 (iv) 4,00,555 (v) 2,84,990 (vi) 2,84,990 (5) FY-7224 M/s. Batra Bros. 3976, R. A. Road, Delhi (i) F (ii) 1977-78 and 1978-79 (iii) 18,30,750, 24,36,934 (iv) 18,47,560, 24,81,940 (v) 4,72,355, 6,58,909 (vi) 4,72,355 6,58,909 (6) PX-3715 C. N. Chawla, P/o. M/s. Universal

Book Stall 5 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,08,840 (iv) 2,17,632 (v) 1,44,134 (vi) 1,37,366 (7) PY-7123 M/s. Glob Super Parts, A-38, NDSE, Pt. II, New Delhi (i) F (ii) 1977-78 (iii) 40,93,867 (iv) 41,25,810 (v) 10,73,813 (vi) 10,65,383 (8) 22-007-CZ-5436 Indo-European Machinery (P) Ltd., Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi (i) C (ii) 1978-79 (iii) 17,04,668 (iv) 16,82,292 (v) 11,48,163 (vi) 11,66,540 (9) PZ-0670 Jagdish Chand P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,89,240 (iv) 2,99,200 (v) 2,06,937 (vi) 2,06,937 (10) PN-1383 Kanso Devi P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,40,850 (iv) 2,48,630 (v) 1,67,997 (vi) 1,67,997 (11) 22-007-CT-4768 M/s. Micro Abrassives (I) (P) Ltd. 65, Jorbagh, New Delhi (i) C (ii) 1978-79 (iii) 15,29,200 (iv) 15,40,978 (v) 9,70,818 (vi) 9,70,818 (12) AZ-6492, M/s. Mahendra Endowment Trust, 11, Tolstoy Marg, New Delhi (i) A (ii) 1975-76 (iii) 2,98,312 (iv) 2,98,750 (v) 2,05,078 (vi) 2,04,732 (13) FY-2715, M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) F (ii) 1976-77 (iii) 10,86,910 (iv) 11,22,100 (v) 2,80,834 (vi) 2,80,834 (14) PX-1562 N. S. Ahuja P/o. M/s. Ahuja Radio, Darya Ganj, Delhi (ii) I (ii) 1976-77 (iii) 2,70,570 (iv) 2,71,944 (v) 1,85,935 (vi) 1,85,935 (15) 22-007-CX-5046 National Seed Corporations of India, New Delhi (i) C (ii) 1974-75 (iii) 49,77,780 (iv) 91,59,262 (v) 52,89,472 (vi) 52,89,472 (16) PZ-2866 P. C. Gupta P/o. Siya Ram Bros. Opp. Sciendia House, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 3,65,730 (iv) 3,82,330 (v) 2,71,338 (vi) 2,58,160 (17) PN-6260, Shyam Sunder P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,90,270 (iv) 2,99,350 (v) 2,07,051 (vi) 2,07,051.

No. Coord/Pub./Delhi/C/78-79/1369.—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-1977 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assesseees who are in default of the Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the Financial year 1978-79 i.e. as on 31-3-1979.

Sl. No.	Name & Address of the assesseees	Amount of default for the period of 2 years and above.
1	2	3
1.	M/s. Alok Udyog Services Ltd., 5, P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI.	15,27,441

1	2	3
2.	M/s. Alok Udyog Vanaspati & Plywood Ltd., 5, P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI. (Now at) 6-A, Raja Subodh Mullick Square, Calcutta.	7,84,912
3.	M/s. Chand Finance & Chitfund (P) Ltd. through Yesh Paul Bhasin, F-41, West Patel Nagar, NEW DELHI.	2,18,000
4.	M/s. Green Group & Finance Chit Fund C/o M/s. S. K. Bhandari & Co., Chartered Accountants, M-132, Connaught Circus, NEW DELHI.	1,30,368
5.	M/s. Indira Electric (P) Ltd., C/o Shri D. K. Bantbia, 4, Synagogue Street, CALCUTTA.	3,78,576
6.	M/s. Indraprastha Finance & Chitfund (P) Ltd., C/o Shri S. C. Suneja, Advocate M/4-A, Jangpura Extension, NEW DELHI.	1,78,264
7.	Dr. J. Dharma Teja C/o M/s. Raghu Nath Rai & Co., Chartered Accountants, 3, Hanuman Road, NEW DELHI. (Now at) Apartment No. 65, 38, Avenue, 1219-DV-LIG Non- Geneva, Switzerland.	5,48,13,675
8.	M/s. Pearls Cycle Industries Ltd., (In liquidation) C/o Official liquidator, 16, Ring Road, NEW DELHI.	40,34,193
9.	M/s. United India General Finance (P) Ltd., C/o Official Liquidator, Bharat Scouts Building, NEW DELHI.	6,81,825
10.	Shri Damodar Prasad Gupta, 109, Daryaganj, DELHI.	1,37,271
11.	M/s. Indian Iron & Hardware Co., Chawri Bazar, DELHI.	1,46,375
12.	M/s. Lachhman Das Ram Chand Prop. Shri Tara Chand, Chauri Bazar, DELHI.	7,45,000

M. W. A. KHAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-I, NEW DELHI.

FORM ITNS -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1008.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 23-37-29 situated at Opp. Christian Barial Ground, Bandar Road, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 16-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chakravarthula Sreenivasa Chakravarthi, S/o Late Narasimha Charyulu, Aurvedic Doctor, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Nersu Venkata Subbamma, S/o Sri Bhimsankara Rao, Near Gandhi Statue Kasturbaipet, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 4868 dated 16-7-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1009.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-21-13 situated at Kaleswararao Road, Governorpet, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Wothuru Dakshna Ganapathi Atma Rama Rao  
(ii) Shri K. Venkata Subba Rao  
(iii) K. Chandra Sekhara Bargava Smt. Annapurnamma and K. D. G. A. Rama Rao,  
respectively, Kaleswararao road, Vijayawada.  
(Transferor)
- (2) (i) Tandapu Venkata Hanumantha Rao.  
(ii) T. Suguna Susela Bharathi,  
(iii) T. Ratna Sreenivas, (iv) T. Rama Rao,  
(v) T. Ramakrishna, (iii) to (v) miners by guardian T. V. Hanumantha Rao,  
192 Vastralatha, Vijayawada.  
(Transferee)
- (3) Dr. Y. Madhusudhana Rao  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered Document No. 4804 dated July 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1010.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20-16-20 situated at Ward No. 16 Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. B. P. V. Chalapathi Rao, 12, Rutland Gate, 4th Street, Cathedral, Madras-6.  
(Transferor)
- (2) Sri Chukkapalli Venkateswara Rao, Sanyasiraju Street, Gandhinagar, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4910/79 dated July 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1011.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-49-311 situated at Sivalayam St., Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-7-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chintha Chittemma, W/o Sri C. Somaraju, Kattavari Street, Narsimharaopeta, Eluru.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sukhi Jethmalji, W/o Jethmal, Pawn Broker and Banker, Ramgopal Street, Vijayawada-1.  
(Transferee)

- (3) S/Shri Sukhi Jethmalji, Daima, (ii) Shantilal Maganlal & (iii) Pilla Pharasramaiah.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4724 & 4583 dated 4-7-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1012.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47-1-3 situated at Dwarakanagar, Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 18-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S. Audilaxmi W/o Sri Venkatachalam, Premnagar, Near Masab Tank, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri N. Thammayya, 47-1-3, Dwarakanagar, Visakhapatnam.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5616/79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Smt. Rukhibai, W/o Abdul Wahab, 75th Road, Visakhapatnam-1.

(Transferor)

(2) Smt. Manam Tayaramma, W/o M. V. Krishna Rao, D. No. 30-8-20, Dabagardens, Visakhapatnam-20.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1013.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-8-20 situated at Allipuram, Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 27-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—36GI/80

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5146 dated 27-7-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1014.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25-3-10 situated at Kommireddywari Lane, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 26-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Abbireddy Sarojini, W/o Nagaveerabhadra Rao, 25-3-10 Kommireddywari Lane, Kakinada. (Transferor)
- (2) Smt. Sunkara Satyanarayamma, W/o Veerraju, Kommireddywari Lane, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5603 dated 26-7-1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. P. Laxmi, W/o Prathiwadi Govindakumar, Advocate, Kakinada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nagam China Veerajulu, S/o Koudaiah 23-7-28, Duggiralavari Street, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1015.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-7-28 situated at Duggiralavari St. Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5007 dated July 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1016.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Station Road, Tenali (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tenali on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Jaganmohana Rao, Managing Director, M/s The Tenali Sri Rama Lingeswara Rice Factory Ltd., Tenali.  
(Transferor)

(2) Shri G. Viswanath, Managing Director, M/s The Poorna Cine Theatres (P) Ltd., D. No. 27-9-9, 9/1, Ramarao Street, Gandhinagar, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 2166/79 registered before the S.R.O. Tenali.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1980

Seal :



## FORM ITNS

- (1) Smt. Gummadi Nagendramma, W/o Veeraiiah, Shyamaladas Agraharam, Guntur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

- (1) (i) Alla Satyanarayana Reddy, Nallapadu,  
(ii) Kallam Haranadha Reddy, Guntur,  
(iii) Alla Sundara Rami Reddy, Guntur.  
(iv) S. Lakshmi Narayana, LIC Colony, Guntur.  
(v) Kallam Venkateswara Reddy, Guntur.  
(vi) Kusam Anki Reddy, Syamalanagar, Guntur.  
(vii) Poluri Venkateswara Reddy, Syamalanagar, Guntur.  
(viii) Gurram Seshagiri Rao, Syamalanagar, Guntur.  
(ix) Bhavanam Pothi Reddy, A.T. Agraharam, Guntur.  
(x) Devarapalli Venkata Subbarao, LIC Colony, Guntur.  
(xi) Kallam Venkata Subbayamma, Guntur.  
(Transferee)

Ref. No. 1017.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-10-6 situated at Rasoolpet, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered Document No. 4898 dated August 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th March 1980

Notice No. 268/79-80.—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 998 and CTS No. 997 (only west side open site) situated at Mahalingapur, Tal : Mudhol Dist. Bijapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mudhol under document number 587 on 17-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Sunderabai W/o Maniram Belgaonkar.  
2. Shri Maniklal Maniram Belgaonkar.  
3. Shri Hiralal Maniram Belgaonkar.  
4. Shri Madanlal Maniram Belgaonkar,  
Agriculturists, R/o Mahalingapur, Tq. Mudhol  
Dist. Bijapur.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Basappa Ittappa Koligudd,  
2. Shri Mahalingappa Ittappa Koligudd,  
Commission Agents, Mahalingapur Tal. Mudhol  
Dist : Bijapur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 587, dated 17-7-1979)

Open site bearing CTS. No. 998 measuring 5260.86 Sq. Yards, and CTS. No. 997 (only west side open site). Total area of both sites measuring 76000 Sq. feet situated at Mahalingapur, Tq. Mudhol, Dist. Bijapur.

H. TIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th January 1980

C.R. No. 62/24251/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 823, situated at IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 877/79-80 on 5-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. K. Satyanarayana Setty, No. 912, Behind Sandle Kote, K.R. Puram, Hassan. (Transferor)
- (2) Shri K. S. Balaji, No. 17, 19th Cross, Rangaswamy Temple Street, Bangalore-53. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 877/79-80, dated 5-7-79)  
Premises No. 823, Division No. 35, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

East by site No. 824.  
West by site No. 822.  
North by Road.  
South by site No. 846.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 25-1-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th January 1980

C.R. No. 62/24873/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New No. 110, situated at Sampangi Tank Road, Fort Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doct. No. 1540/79-80 on 9-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimathi C. A. Ponnappa, 1, Brunton Road Cross, Bangalore.  
2. Dr. (Mrs.) P. Minnie Uttappa,  
3. Miss. P. Bala Uttappa,  
4. Master P. Ponnappa-Uttappa, Sol. No. 2 to 4 residing at No. 90, III Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-6.  
(Transferor)
- (2) Shri M. D. Shetty S/o Puttanna Shetty, No. 1064, 5th Block, Rajajinagar, Bangalore-10.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/79-80, dated 9-8-1979)  
Premises with building bearing No. New 10, Sampangi Tank Road, Fort Road, Division No. 43, Bangalore.

## Boundaries :

North by Sampangi Tank Road and Fort Road,  
South by New Road laid by C.I.T.B.  
East by New Road laid by C.I.T.B.  
West by Property of Sanyasi and Bros.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 29-1-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd January 1980

Ref. C.R. No. 62/24765/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Mysore Road, Chamrajpet, Bangalore-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 1484/79-80 on 31-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—36GI/80

- (1) Master K. M. Shuaibkhan (Minor) Reptd. by his father and Guardian Sri C. M. Khalimullakhan, r/o 3/2, Berli street cross, Longford town, Bangalore-25.  
(Transferor)
- (2) 1. Sri G. Devendra Setty, 2. Sri G. C. Prabhakar, No. 406, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10.  
(Transferee)
- (3) Karnatak Electricity Board.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1484/79-80, dated 31-8-79)

Premises bearing No. 7, Mysore Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

Bonded on :

East : by Property of Sri B. R. Mohamed Shafiulla.  
West : by Vacant land of Shah.  
North : by Foot path and Bangalore Mysore Road,  
South : by Private property.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 18th February 1980

C.R. No. 62/24457/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 447/1B T.S. situated at Casaba Bazar village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 294/79-80 on 28-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Ramachandra Nayak S/o K. Venkappa Nayak, Agriculturist, Panc Mangalore Kasba, Bantwal Taluk.  
(Transferor)
- (2) M/s Guruprasad Traders, Rep. by Partner Shri G. Viswanath Kamath, Bunder, Mangalore.  
(Transferee)
- (3) 1. M/s Sevgoor Madhana Kamath & Sons.  
2. M/s U. Narayana Mallya & Co.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 294/79-80, dated 29-1-1980)  
House property No. T.S. 447/1B, Casaba Bazar, Mangalore.

Bounded by :—  
North : Lane  
South : J.D. Lane.  
East : Road.  
West : TS No. 447/1A.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-2-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Puttamma, Shri B. H. Subbaiah, No. 15, 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore.  
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lakshminarayana, No. 6, Siddanna Galli, Bangalore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th February 1980

C.R. No. 62/24128/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 861/79-80 on 1-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 861/79-80, dated 1-7-1979)  
House property No. 14, 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th February 1980

C.R. No. 52/24520/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at 37th Road Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1152/79-80 on 31-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. V. Anasuyadevi No. 39, Masilamani Mudaliar Road, Balajinagar, Rayapettah, Madras-600014.  
(Transferor)

(2) 1. Sri S. N. Bheemananda.  
2. S. N. Arjuna.  
3. S. N. Bharat Kumar.  
4. S. N. Ananthapadamanabha.  
5. S. N. Ravisankar.  
6. Smt. S. N. Parijatham, No. 43, Sulthanpet, Bangalore-53.  
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1152/79-80, dated 31-7-79)  
Vacant site bearing No. 12, 37th Road Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th February 1980

C.R. No. 62/24392/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34 situated at I Cross Road, Nehrunagar, Bangalore, situated at Model House, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 1059/79-80 on 21-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimathi M. G. Nirmala.  
2. Sri M. G. Jayathilak Singh.  
3. Smt. M. G. Sulekha.  
4. Smt. B. Sushma.  
5. Miss. M. G. Shubhaprabha, r/o No. 497/1, Model Colony, Yesbwantpur, Bangalore-560022.  
(Transferors)

- (2) Shri M. Raya Manickam, S/o Sri T. S. Manickam, No. 17, II Floor, 21st Cross, Cubbonpet, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1059/79-80, dated 21-7-1979)

House premises No. 34, I Cross, Nehrunagar, Sheshadripuram, Bangalore-560020.  
Boundaries :

On East by Ist Cross Road  
On West by Conservancy.  
On North by Property No. 35.  
On South by Property No. 33.

H. THIMMAIAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-2-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 20th February 1980

C.R. No. 62/24417/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2128 & 2129A Municipal No. 47 situated at II Stage, 8th Main D Block, Rajajinagar, Bangalore. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 1422/79-80 on 9-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. K. Bharadwaja Iyenger, No. 47, II Stage Rajajinagar, D'Block 8th Main, Bangalore.  
 (Transferors)

(2) Shri K. N. Shyamasundar, No. 102, Margosa Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferees)  
 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

( Registered Document No. 1422/79-80, dated 9-7-1979)  
 House Property No. 47, Rajajinagar, II Stage, 8th Main, Bangalore-10.

Bounded by :

North : Site No. 2129.  
 South : Site No. 2127.  
 East : Site No. 2283A & 2284.  
 West : Site No. Road.

**H. THIMMAIAH**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore-560001.

Date: 20-2-1980.  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 18-B, 19A/2 &amp; 20, situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli, Doc. No. 1020/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Venkatarao, Ramarao Deshpande, Thimmasagar Oni, Hubli.  
(Transferor)
- (2) Shri Sidhalingeswar Co-operative Housing Society Ltd. Hubli, Rep. by its Chairman Sri N. G. Kulkarni, Vidyanagar, Hubli.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non Agricultural land in S. Nos. 18-B, 19A/2, & 20 situated in Mariyana Thimmasagar, Hubli 1/5th share in the above property. Total area of the land is 10 acres, 17 guntas.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Suresh Venkatarao Deshpande, Thimmasagar  
Oni, Hubli.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Sidhalingeswar Co-operative Housing Society  
Ltd. Vidyanagar, Hubli, Rep. by Shri N. G.  
Kulkarni, Chairman.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138A/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,  
H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Sy. No. 18-B, 19A/2 & 20, situated at Mariyana Thimma-  
sagar, Hubli,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hubli, Doc. No. 1021/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1021/79-80 dated 30-7-1979]

Non Agricultural land in Sy. Nos. 18-B, 19A/2 & 20,  
situated in Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th share in  
the above property, Total area of the land is 10 acres, 17  
guntas.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Ramesh Venkatarao Deshpande, Thimmasagar, Oni, Hubli.

(Transferor)

(2) Sri N. G. Kulkarni, Chairman, Sri Sidhalingeswar Co-operative Housing Society Ltd. Vidyanagar, Hubli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C.R. No. 62/138-B/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 18-B, 19A/2 & 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli Doc. No. 1022/79-80 on 30-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—36GI/80

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1022/79-80, dated 30-7-1979)

Non agricultural lands in Sy. Nos. 18.B 19A/2 and 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th share in the above property. Total area of the land is 10 acres, 17 gunthas.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Prakash Venkatrao, Deshpande Thimmasagar, Oni, Hubli.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. G. Kulkarni, Chairman, Sri Sidhlingeswara Co-operative Housing Society, Vidyanagar, Hubli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138C/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,

H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 18-B, 19A/2 & 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli Doc. No. 1023/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1023/79-80 dated 30-7-1979)  
Non Agricultural Lands in Sy. No. 18-B 19A/2 and 20 situated at Mariyana Thimmasagar Hubli.

The total area of the land is 10 acres 17 Gunthas 1/5th share in the above property.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bimesh Venkatrao Deshpande Thimmasagar, Hubli.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. G. Kulkarni Chairman, Sri Siddlingeswara Co-operative Housing Society Limited, Vidyanagar, Hubli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138-D[1]80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 18-B, 19A/2 & 20.

situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli Doc. No. 1024/79-80 on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1024/79-80, dated 30-7-1979)

Non agricultural lands in Sy. Nos. 18-B, 19A/2, and 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th Share in the above property. Total area of the land is 10 acres 17 Gunthas.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-377/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 4, Touzi No. 438, Ward No. 11, Survey Plot No. 665 & 666, Khata No. 98, Plot No. 25, Holding No. 108/A, situated at Kuzipur, Rajendra Nagar (near water Tonki)), Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subash Chandra Mehta alias Hanuman Das Mehta, s/o Late Mangal Das Mehta Road No. 1, Rajendra Nagar, Patna.

(Transferor)

- (2) Smt. Raju Devi Bothra w/o Sri Raj Karan Bothra Road No. 3, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

- (3) M/s Mahabir Industries.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 11 Dhurs with building, situated at near Pani Tanki, Road No. 1 Rajendra Nagar, Patna, morefully described in deed No. 4382 dated 7-7-79 registered at District Sub Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna, Bihar.

Date : 1-3-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR  
Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-378/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5292, Thana No. 23, Katha No. 56 & 78, Khesra No. 85 & 86 situated at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Danapur on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bangali Singh s/o  
Sri Sant Lal Singh,  
At Rukunpura, P.O. Bihar Veterinary College,  
P.S. Danapur, District Patna.  
(Transferor)
- (2) Shri S. N. Singh s/o  
Sri Suraj Prasad Singh,  
for and on behalf of M/s Bihar Wheel Point System  
and Fabricators  
E/50 Peoples Co-operative Colony,  
Kankarbagh, Patna-20.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, District-Patna morefully described in deed No. 3324 dated 9-7-79 registered at Sub-Registrar, Danapur.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna, Bihar.

Date : 1-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-379/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5292, Thana No. 23, Katha No. 56 & 78, Khesra No. 85, 86 & 89, situated at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, District Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danapur on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Sinha s/o Sri Bangali Singh  
At Rukunpura, P.O. Bihar Veterinary College,  
P.S. Danapur, District Patna.  
(Transferor)
- (2) Shri S. N. Singh s/o Sri Suraj Prasad Singh  
for and on behalf of M/s Bihar Wheel Point System  
and Fabricators,  
E/50 Peoples Co-operative Colony, Kankarbagh,  
Patna-20.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 3323 dated 9-7-79 registered at Sub Registrar, Danapur.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 1-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-382/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 17 (Old) 25 (New), Holding No. 166-26, Plot No. 1553/K, 1553/KH, 1554, 1555, situated at Alamganj (Khuskibagh), Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 3-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Santosh Kumar Pal and  
Prantosh Kumar Pal  
Both sons of Sri Gayanath Pal  
At Khuskibagh, P.O. Purnea City,  
Dist. Purnea.

(Transferor)

- (2) Shri Maheswar Prasad Singh  
s/o Sri Bateshwar Prasad Singh,  
r/o Madhubani,  
P.O./Dist. Purnea.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1 Bigha 12 Kathas 16½ Dhurs at mouza Alamganj (Khuskibagh) District Purnea with Mango, Jack and Litchi trees, morefully described in deed No. 11849 dated 3-7-79 registered at District Sub Registrar, Purnea.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 1-3-1980  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR**

Patna, the 10th March 1980

Ref. No. III-383/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 80, Khata No. 83, Ranchi P.S. No. 188, situated at Kanke Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (23 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons( namely :—

(1) Shrimati Vidyawati Devi Johar, w/o Shri G. L. Johar, Mugma P. S. Nirshachatti, Dist. Dhanbad, At Present Nagra Toli, P.S. Lalpur, Dt. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Behari Tripathy, s/o Shri Ramdhari Tripathy, Kanke Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

44 Kennal of land with building at Kanke Road, Ranchi more fully described in deed No. 7825 dated 24-9-1979.

J. NATH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 10-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 10th March 1980

Ref. No. III-384/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 877, Khata No. 9 etc. situated at Ratu Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30—36G1/80

(1) Shri Ambikeshwar Bux Rai,  
s/o Late Nageshwar Bux Rai  
Mohl. Abadhganj, P.S. Daltonganj,  
Dt. Palamau,  
At present Hesal, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Nath Tripathy, s/o  
Shri Shyam Bihari Tripathy,  
Ratu Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 Kathas 9 Chataks 34 sq. ft. land with a building thereon, situated at Ratu Road, Ranchi more fully described in deed No. 9416 dt. 20-12-1979.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 10-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-380/Acq/79-80/6499.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 391 (Old) 625 (New) Ward No. 1, Plot No. 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7, 8 Khata No. 11, 14, and 16 situated at Barahmasia, P.S. Giridih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27 October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shree Krishna Investment Company Ltd.  
At 13 Old Court house Street,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sanjib Samanta  
s/o Sri Tarashankar Samanta,  
at Makatpur, Dist. Giridih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of vacant land measuring .87 Dec. situated at Mouza Barahmasia, Dist. Giridih and more fully described in deed No. I-5578 dated 27 October, 1979 registered at Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Patna, Bihar.

Date : 21-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

(NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No III-385/Acq/79-80/6500.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 165, Khesra No. 2507, 2515, 2508 etc. situated at Mouza Daharia, Dt. Katihar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katihar on 24-7-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopi Krishna Agrawalla,  
s/o Shri Prabhu Dayal Agrawalla,  
Smt. Bimla Devi,  
d/o Sita Ram Agrawalla of Bara Bazar,  
P.O. & Dt. Katihar.

(Transferor)

(2) Shri Ajoy Kumar Agrawalla s/o  
Sri Chhedi Lal Agrawalla,  
r/o Binodpur,  
P.O. & Dt. Katihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 Katha land with a building thereon, situated at Mouza Daharia, Katihar bearing Khata No. 165, Khesra No. 2507, 2515, 2508 etc. more fully described in deed No. 9816 dt. 24-7-1979 registered with the district Sub-Registrar, Katihar.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 21-3-80

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-386/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 5, New 11, Holding No. 95, Plot No. 101, situated at Madhubani, Dist. Purnea

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Purnea on 21-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sorendra Nath Ganguli s/o  
Bhupendra Mohan Ganguli,  
r/o Nauratanhata, P.S.K. Hat,  
P.O. & Dt. Purnea.

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Kumar Roy  
Shri Ashit Kumar Roy,  
ss/o Abhani Mohan Roy,  
r/o Nauratanhata,  
P.O. & Dt. Purnea.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 Kathas 1 Dhur land with building, situated at Mouza Madhubani, District Purnea, Mohalla Nauratanhatta, Ward No. 5 New H. No. 95 more fully described in deed No. 12589 dated 21-7-1979 registered with the District Sub-Registrar, Purnea.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 21-3-80

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-387/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 579 Khata No. 29 etc.  
situated at Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Amar Nath Singh s/o Tara Singh,  
2. Smt. Rampiyari Devi w/o  
Amar Nath Singh,  
3. Kuldip Singh s/o Amar Nath Singh,  
Seoti Bari, P.S. Chirkunda Dhanbad.  
(Transferors)
- (2) Smt. Santi Debi, w/o Khajam Singh,  
At Joridih Bazar, P.S. Bermo,  
Distt. Giridih.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12 Katha 6 Chataks land with a double storeyed building on plot No. 579, Khata, No. 29 more fully described in deed No. 5808 dated 20-7-1979 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna Bihar

Date : 21-3-80

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/642.—Whereas J. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram,  
s/o Shri Chhanga Ram,  
r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

(2) Shri Nishith Pareek s/o  
Shri Madan Kumar Pareek,  
112-N Block, Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 1941 dated 18-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/643.—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram,  
s/o Shri Chhanga Ram,  
r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

(2) Shri Nishith Pareek s/o  
Shri Madan Kumar Pareek,  
112-N Block, Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1896 dated 7-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/644.—Whereas I. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram,  
s/o Shri Chhanga Ram,  
r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

(2) Shri Nishith Pareek s/o  
Shri Madan Kumar Pareek,  
112-N Block, Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1913 dated 17-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Chander, Gir Raj and Mukhram,  
s/o Shri Chhoga Ram,  
r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

(2) Shri Ripudan Singh s/o Bhoop Singh Bisnoi,  
R/o 112-N Block, Sriganganagar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/645.—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land, situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 9-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—36GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha situated at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 1914 dated 9-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

**Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/648.**—Whereas **I, M. L. CHAUHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 24-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukat Beharilal Bhargava,  
s/o Sh. Vinodilal Bhargava  
r/o Beawar, At present at Sardar Patel Marg,  
Jaipur.

(Transferor)

- (2) M/s. Mahaveer & Co., Beawar  
Through Shri Mohan Singh Lodha and  
Shri Lal Chand Sindhi, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 1179 & 1448 measuring 4 bigha located at Naya Nagar, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar Vide registration, No. 2463 dated 24-10-79 .

**M. L. CHAUHAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/649.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Beawar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mukat Beharilal Bhargava,  
s/o Sh. Vinodilal Bhargava  
r/o Beawar, At present at Sardar Patel Marg,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Mahaveer & Co., Beawar  
Through Shri Mohan Singh Lodha and  
Lal Chand Sindhi, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing Khasara No. 1449 & 1450 measuring 3 bigha 14 biswa & 5 Biswansi located at Naya Nagar Beawar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 2462 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1980

Ref. No. Raj/IAC, Acq.)/641.—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Raipur (and more fully described in the Echeduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Golcha Farms, A registered partnership firm through its partners Svs (1) Motichand, (2) Kishan Chand, (3) Nemi Chand & (4) Chetan Mal Ss/o Shri Manohar Mal, r/o Ajmer Road, Beawar.

(Transferor)

- (2) Shri Prabhulal s/o Shri Ram Skuh Mali Ghelot, r/o Delwara Road, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khasra No. 14, 22 & 23 measuring 69 bigha including well fitted with electric motor and engine house, situated at village Bali Teh. Raipur, Distt. Pali and more fully described in the sale deed registered by S.R. Raipur vide registration No. 294 dated 29-10-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-3-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brij Narain s/o  
Shri Shiv Narain Nerula,  
through G.P.A. holder Shri Ram Laxman s/o  
Shri Bali Ram Gupta  
r/o Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Khubilal s/o Sh. Vardichand Parmar,  
Smt. Ladkanwar w/o Basantilal Badala and  
Shri Laxmilal s/o Kanhiyalal Bagrecha,  
Kali Bawadi, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 955, and measuring 6 bighas and 8 Biswas located at Vill. Bedwas, Tehsil Girwa, near Debari Road, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2106 dated 30-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980  
Seal :

## FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref No. Raj/IAC (Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-3(F), situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhatkar Chowdhary s/o  
Shri Mangal Chand Choudhary,  
12, Dhuleswar Garden,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Radha Ballabh Gupta,  
s/o Gopi Pd. Ji Gupta  
Motor Centre, M.I. Road,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern half portion of plot No. A-3(F), situated at Sundar Path Bani Park, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1596 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-3(F), situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhaskar Chowdhary s/o  
Shri Mangal Chand Choudhary  
12, Dhuleshwar Garden,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Lal Gupta,  
s/o Gopi Pd. Ji Gupta  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western half portion of plot No. A-3(F), situated at Sundar Path Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1595 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/651.—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hemandas s/o Lakhmal Sindhi  
r/o Plot No. 432 Near Bees Dukan  
Adarsh Nagar,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Ruddi w/o Sh. Raja Ram Agarwal,  
r/o Village Meeda, Teh. Nawa,  
Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property bearing plot No. 432 (constructed portion at ground floor with open land) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1627 dated 18-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 3-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/652.—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shops, situated at Jaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—36GI/80

(1) Hemandas s/o Lakhmal Sindhi  
r/o Plot No. 432 Near Bees Dukan,  
Adarsh Nagar,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Devi w/o  
Shri Radhey Shyam Agarwal,  
r/o Village Meeda, Teh. Nawa,  
Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property bearing plot No. 432 (5 shops at ground floor facing south) and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1582 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 3-3-1980

Seal:

**FORM ITN**

(1) Shri Purnaraj s/o Shri Jorawarmalji Nehru,  
Park Scheme, Jodhpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Chander Singh s/o Shri Roop Singh and  
Smt. Bhanwari Bai w/o Shri Chander Singh,  
Opp. Satsang Bhawan, 5th Road,  
Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR**

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 172-B, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Plot No. 172-B, situated on 5th Road, Opp. Satsang Bhawan, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1290 dated 20-7-1979.

**M. L. CHAUHAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Ref./IAC(Acq.)/654.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Jahazpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jahazpur on 16-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Shri Prakash Chand s/o Shri Shiv Raj and Shri Naval Kishore and Seshe Karan Sons of Shri Shivraj Malpani, R/o Deoli. (Transferor)
- (2) Shri Mahaveer Parsad s/o Shri Govind Ram Saraff R/o Deoli and Shri Gulabchand s/o Shri Chouthmal Mumia, R/o Bundi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property named 'Ganesh Dal Mill' situated at Village Kucchelwada Teh. Jahazpur Distt. Bhilwara and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jahazpur vide registration No. 319/343 dated 16-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/658.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Kak s/o Jainath Kak  
Through GPA holder  
Hazi Mohmad Ramzan s/o Hazi Abdul Rahman  
Kharadiyon ka Mohalla Hazi Building,  
Jodhpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Shiv Lal s/o Dhanraj Goyal,  
Chopasani Road, Jodhpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Dharam Narainji ka Ahata, Mandore Road, Pota Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1297 dated 16-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :



**FORM IINS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/659.—Whereas, I, **M. L. CHAUHAN**, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Kak s/o Jainath Kak through GFA holder Hazi Mohamad Ramzan s/o Hazi Abdul Rahman Kharadiyon ka Mohalla Hazi Building, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Prem Raj s/o Shri Dhanraj Goyal, Chopasni Road, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land situated at Dharam Narainji ka Ahata, Mandore Road, Paota Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1293 dated 12-7-1979.

**M. L. CHAUHAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/656.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-42 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prem Sudha Parekh,  
5-Jh-8, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Girdharilal Advani,  
8-Sindhi Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. D-42 situated at Banl Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1710 dated 25-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 56 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tilli Bai w/o Shri Moolchand,  
102 Kanwar Nagar, Jaipur.  
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Kumar s/o Shri Kishanchand,  
Plot No. 30 Kanwar Nagar Jaipur and  
Shri Deepak Kanwar  
Minor son of Shri Kanhyalal  
Through legal heir Shri Kanhyalal,  
30-Kanwar Nagar, Jaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 56 situated at Nehru Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1497 dated 5-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,

M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhyalal s/o Ram Narain Khandelwal,  
Village Papad, Teh. Jamwa Ramgarh.  
2. Shri Badri Narain s/o Shri Bhaurilal,  
Village Nandpura, Teh. Jamwa,  
Ramgarh.

(Transferor)

- (2) M/s. Diamond Carpets,  
Reg. Firm Through Partner  
Shri Dharamchand Jain Ramganj Bazar,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Purani Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1802 dated 26-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. D. P. Datta s/o Shri Sita Ram Datta,  
125 Vidya Bihar, Pilani (Raj.)(2) Shri Ishwardass Gadi so late Lala Narain Dass  
Gidarvaha Mandi, Distt. Faridkot.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Plot No. D-115 situated at Jaipur  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Jaipur on 28-7-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said Instrument of transfer with the  
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
periods, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. D-115 situated at Amba Badi Scheme, Jaipur  
and more fully described in the sale deed registered by the  
S.R. Jaipur vide registration No. 1854 dated 28-7-79.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely :—  
33—36GI/80

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/660.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-2 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Raj s/o Shri Jainath Kak  
Through GPA holder Hazi Mohmad Ramzan  
S/o Hazi Abdul Rahman,  
Kharadiyon ka Mohalla, Hazi Building,  
Jodhpur. (Transferor)
- (2) Smt. Chotta Devi w/o Shri Jethmal,  
807-B, Paota, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. D-2 Dharam Narain ka Ahata, Mandore Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1390 dated 18-8-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Δcq.)/661.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1-B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Chatter Singh s/o Champakmal Bhandari, Jata Bas, Power of attorney holder S/Shri Shiv Ram and Manhar Sons of Shri Laduramji Vyaa, Sandoon Ki Pole, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Munnilal Garg s/o Pannalal, R/o Karanpur at present Near Balniketan, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1-B, Dharam Narain Ji ka Ahata, Mandor Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1367 dated 6-8-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Req/IAC(Acq.-/657.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 27 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Kanwari w/o Shri Ganga Bishan Shir, Om Prakash and Shri Shiv Prakash Sons of Shri Ganga Bishan and Smt. Amar Kanwar d/o Shri Ganga Bishan, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Govind Ram s/o Shri Gurmukh Dass Sindhi Lohana, B-Road, Sardarpura Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property on plot No. 27 Sardarpura, B-Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 1653 dated the 27-9-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-3-80  
Seal :



## FORM ITNS

(1) S/Shri Chhibadmal, Moolchand  
Sons of Shri Lekhumal,  
Khawasji-ka-rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) S/Shri Shankerlal, Ishwarlal,  
Sons of Kewalram,  
Kanwarnagar, Jaipur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 18th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Brahmpuri, Jogeshwar Mahadeo Sitaram Bazar in khasra No. 51/3, 51/4 and 48/10 and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1877 dated 30-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Basanti Devi w/o Dr. Ranjit Kumar,  
Ganguli Alaknanda, C-Scheme,  
Jaipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Manju Devi w/o Shri Kamal Kumar,  
Gomti Bhawan, Jamli Gali, Brivli West,  
Bombay-92.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 18th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jaipur on 18-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. B, Alaknanda, Chitranjan Lane, C-Scheme, Jaipur  
and more fully described in the sale deed registered by the  
S.R., Jaipur vide registration No. 1641 dated 18-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-3-1980  
Seal :

**FORM INS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR**

Jaipur, the 13th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,

M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One show room situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishna Kumar s/o late Shri Gulab Rai Agarwal, Self & Shri Amin Khetan and Anamika minor son & daughter of Shri Krishna Kumar Through Guardian Shri Krishna Kumar R/o of Khetan Bhawan, M. I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Sanwaramal s/o Shri Uma Dutt Saraff, Hawa Sadak, Ready Cut House, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One show room at Khetan Bhawan, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1858 dated 28-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-8-80  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Deo Karan s/o Shri Ghevarchand,  
111, Atish Market, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Subhash Taneja s/o Shri Gordhanlal Taneja,  
Bhagat Vatika, Civil Lines, Jaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 13th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/655.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jaipur on 27-7-79for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of agricultural land measuring 667 sq. yds. situat-  
ed in Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale  
deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1828  
dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/668.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 26 situated at Jaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jaipur on 5-7-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
34—36G180

- (1) Shri Mohanlal Sachdev,  
B-21 Raja Park, Jaipur-4.

(Transferor)

- (2) Kumari Deepa Kachhawa & Kumari Sima Kachhawa,  
Minor through legal guardian and father  
Shri Chandramohan Kachhawa,  
Plot No. 26 Ramgali No. 8 Raja Park,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 26 Ramgali No. 8, Raja Park, Jaipur  
and much more fully described in the sale deed registered  
by S.R. Jaipur vide registration No. 1499 dated 5-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-3-80  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohanlal Sachdev,  
B-21, Raja Park, Jaipur-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimla Kachhawa,  
26, Ramgali No. 8, Raja Park,  
Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/669.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 26 situated at Jaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Jaipur on 5-7-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 26 Ramgali No. 8, Raja Park, Jaipur  
and much more fully described in the sale deed registered  
by S.R. Jaipur vide registration No. 1484 dated 5-7-79.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dalpat Singh s/o Shri Shiv Singh Rajput,  
D-218-B Bhaskar Marg, Bani Park,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Jagmal Singh s/o Thakur Jodh Singhji  
Rajput, Dy. S.P. Chittorgarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 21st March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 218-A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jaipur on 10-7-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from a service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 218-A, Bhaskar Marg Bani Park, Jaipur and more  
fully described in the sale deed registered by the Sub-  
Registrar, Jaipur vide registration No. 1536 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act,  
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 21-3-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.)/.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. R-14 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anand Kumar Kaushik s/o Shri Mahavir Pd. Kaushik and Shri Shiv Kumar Kaushik,  
J-35 Kishna Marg C-Scheme, Jaipur.  
(Transferor)

(2) Chandra Prakash Sharma  
S/o Shri R. K. Sharma,  
Suraj Cinema Ghassa Road,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R-14, Jammalal Bajaj Marg C. Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 1926 dated the 31-7-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-3-80  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chand Behari Sawodiya  
S/o Shri Bhanwarlal Sawodiya,  
Khetri House Road,  
Outside Chandpole Gate, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kanaram, Laxminarain, Kajod and Ramchandra sons of Jagan Yadav,  
Chak Pithawas alias Badarama, Teh. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 10 bighas 14 biswa and well with pump set situated at Village Pithawas, Alias Badarama, Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1813 dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-3-80  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Chand Behari Sawodiya s/o Bhanwarlal  
Khetri House Road, Outside Chandpole Gate,  
Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopal, Birdhi Chand, Mohanlal Narsilal  
Sons of Shri Jagan Yadav,  
Chak Pithawas alias Badarama,  
Teh. Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 26th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Agril. land situated at Jaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jaipur on 27-7-79  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object or—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 19 bighas 14  
biswa and well with pump set situated at Village Pithawas,  
Alias Badarama Teh. Jaipur and more fully described in the  
sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No.  
1814 dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 26-3-80  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
ROHTAK**

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. BGR/10/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 kanal 11 Marla situated at Villa Palla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kishan Devi Singh sons of  
Shri Shiv Dayal R/O Palla Teh. Ballabhgarh.  
(Transferor)
- (2) M/S Greater Delhi Planner (Ltd.)  
3, Shanker Market Connaught Circus,  
New Delhi.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 15 kanal 11 marlas situated at Vill. Palla and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3141 dated 18-7-79 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nathu S/O Shri Kallu  
R/O Sarai Khawaja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/S Greater Delhi Planner,  
3-Shanker Market, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. BGR/12/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 17 kanal 15 marla, situated at Sarai Khawaja, (Ballabhgarh) (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals 15 marlas situated at Saraikhawaja (Ballabhgarh) and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3411 dated 31-7-1979 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. AMB/19/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 0 kanal 14 marlas situated at village

Singhanwala (Ambala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ambala in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—36GI/80

- (1) Shri Surjit Singh S/O Shri Inder Singh of Vill. Singhanwala Teh. Ambala. (Transferor)
- (2) Shri Lal Chand, Ramji Lal, and Banarsi Dass sons of Shri Budh Ram, Ambala City Sh. Som Noth S/O Sardha Ram R/O Kalibari Chowk, Ambala Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanal 14 marlas situated in Village Singhanwala Teh. Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1484 dated 14-7-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Ramesh Kumar S/O Shiv Lal Sethi c/o  
M/S Shiv Lal Krishan Lal, Anaj Mandi, Ambala  
City.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravish Kumar S/O Pt. Shadi Lal,  
House No. 5565-66 Ward No. 3 Ambala City.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. AMB/20/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5395-W-3/2192-B-II, Anaj Mandi situated at Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 5395-W-3/2192-B-II, situated in Anaj Mandi, Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1748 dated 7-8-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-2-80

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ramditta Mal S/O Shri Madia Ram  
R/O Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gopal Dass S/O Sh. Jai Ram  
House No. MC/XIV-160 (E-110)  
Mohalla Mughlan, Subhash Gate  
Karnal-132001.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. KNL/31/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. E-110, Moh. Mughlan, Karnal situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. E/110, Moh. Mughlan, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3412 dated 6-8-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-2-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Kasturi Lal, Suraj Parkash sons of  
Shri Mulakh Raj R/O 320-B, Model Town,  
Ambala City.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK**

Rohtak, the 3rd March 1980

Ref. No. AMB/21/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 320-B, Model Town, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambala in Aug., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Baldev Raj S/O Mulakh Raj,  
R/O 320-B, Model Town, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being house No. 320-B situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2010 dated 13-8-1979 with the Sub Registrar, Ambala City.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 3-3-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1980

Ref. No. JDR/6/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House bearing two shops and courtyard situated at Hamida Colony, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Harbans Singh, Joginder Singh  
S/O Shri Maiya Singh House No. 537, near Khalsa College, Hamida Colony, Yamunanagar.  
(Transferors)

(2) S/Sh. Jagatjit Singh, Balwant Singh, Shri Mansa Singh, Baldev Singh S/O Jagatjit Singh  
House No. 239, Bhatia Nagar, Yamunanagar.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 239 situated at Bhatia Nagar, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1712 dated 2-7-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 5-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
ROHTAK

Rohtak, the 11th March 1980

Ref. No. SRS/29/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 231 kanal situated at Kotli (Sirsa)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajha Ram, Bagh Ram S/O Baghela Ram, Sh. Darshan Ram, Krishan Ram S/O Bagh Ram, Lachhman Dass, Lal Chand, Arjan Dass, Kalu Ram, Madha Ram S/O Shri Vasaka Ram, Suchan.

(Transferor)

- (2) Sh. Dhamu Ram, Munshi Ram, Karam Chand S/O Shri Pallu Ram, R/O Radho Luhari.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being agricultural land measuring 231 kanal situated in Village Kotli and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2178 dated 12-7-1979 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 11-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. Purushotham Pillai,  
19, Paddunaicken Street,  
Kondithope, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajeswari,  
77, Tiruppalli Street,  
Madras-600 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 5th March 1980

Ref. No. 27/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26, situated at Krishnappa Naicken Tank Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras North (Doc. No. 2828/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 2828/79 JSR, Madras North.  
Land & Buildings at Door No. 26, Krishnappa Naicken  
Tank Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS  
Madras-600 006, the 5th March 1980

Ref. No. 110/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New Door No. 43, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 752/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. P. Chandrasekar,  
New Door No. 43, Pantheon Road,  
Madras-8.

(Transferor)

(2) Shri Amarlal Kishindas,  
118, Purasawakkam High Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 752/79 SRO, Periamet, Madras.  
Land at Door No. 43, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 5-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri A. M. Ponnappan,  
43, Pantheon Road,  
Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Amaral,  
118, Purasawalkam Road,  
Madras-10.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006. the 5th March 1980

Ref. No. 109/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New No. 43, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-600 008

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Periamet, Madras (Doc. No. 751/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 751/79 SRO, Periamet, Madras.  
Land & Buildings at Door No. 43, Pantheon Road, Egmore,  
Madras-600 008.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 5-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
36—36GI/80

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 5th March 1980

Ref. No. 15/AUG/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New No. 22, situated at III Lane, Senniamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras (Doc. No. 1149/79) on August 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri M. Sathanantham & Others,  
New No. 22, IIIrd Lane,  
Senniamman Koil Street,  
Tondiarpet, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri G. Kamaleeswaran  
represented by Power Agent  
Shri M. Raman,  
New No. 22, III Lane, Senniamman Koil Street,  
Tondiarpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1149/79 SRO, Royapuram, Madras.  
Land & Buildings at Door No. (New) 22, III Lane,  
Senniamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-21.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006.

Date : 5-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 36/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37, situated at East Chitrai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1117/79) on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. S. Munda Sait,  
16, Chairman Muthuramier Road,  
Madurai.

(Transferor)

- (2) Shri K. G. Ramasamy,  
54, Eluthanikara Street,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1117/79 SRO Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 37, East Chitrai Street, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-600006.

Date : 7-3-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, MADRAS**

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 43/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/2 (2 W/5), situated at Kuruvikaran Salai I Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Tallakulam, Madurai (Doc. No. 2743/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri W. G. Napier,  
27/1125, Vanchiyur,  
Trivandrum-695 001.

(Transferor)

- (2) 1. Shri E. John Rupkumar Samuel,  
2. Asha Kasturi Rupkumar,  
No. 9/2 (2 W/5) Kuruvikaran Chalai I Street,  
Madurai-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

*Document No. 2743/79 SRO, Tallakulam, Madurai.*

Land & Buildings at Door No. 9/2 (2 W/5) Kuruvikaram Salai I Street, Madurai-20.

**O. ANANDARAM,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Sayar Bai,  
No. 72, Arathoon Road,  
Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) Shri G. Raman,  
No. 104, Rama Naicken Street,  
Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref. No. 23/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 39, situated at Arathoon Road, Royapuram, Madras-13  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
JSRO Madras North (Doc. No. 2739/79) on July 79  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Document No. 2739/79 JSRO Madras North.

Land & Buildings at Door No. 39, Arathoon Road, Royap-  
puram, Madras-13.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner  
Acquisition Range-I,  
MADRAS 600 006

Date : 7-3-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 49/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Amman Sannadhi, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No. 2359/79) on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S. R. Rathinam Ammal,  
No. 21, Krishnapuram 2nd Cross Street,  
Madurai. (Transferor)
- (2) Minor K. Naganathan,  
by father & guardian Shri Kathan Chettiar,  
North Car Street, Nainarkoil, Paramakudi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 2359/79 JSRO, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 9, Amman Sannadhi, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 50/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Amman Sannadhi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No. 2360/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S. R. Rathinam Ammal,  
No. 21, Krishnapuram 2nd Cross Street,  
Madurai.

(Transferor)

- (2) Minor K. Naganathan,  
by father & guardian Shri  
Kathan Chettiar,  
North Car Street, Nainarkoil, Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 2360/79 JSRO, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 9, Amman Sannadhi Street, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I.  
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 67/JULY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, situated at South Pandian Agil Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 2743/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. G. Rajammal &  
2. Smt. V. Sundari.  
No. 48, Mela Pandian Agil Street, Madurai.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri S. Kathiresan Chettiar &  
2. Smt. K. Anusila Devi,  
No. 41, Lakshmipuram 7th Street, Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 2743/79 JSRO I, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 59, South Pandian Agil Street, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri R. Pratap,  
C-88, Panch Sheel Enclave,  
New Delhi-110 017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (Shri) Dr. L. M. Sakthivel &  
Mrs. Swathanthra Sakthivel,  
60, Appaswami Mudali Street, Harrington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 102/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 60, situated at Appaswami Mudali St., Harrington Road,  
Chetput Madras-31  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SRO Periamet, Madras (Doc. No. 821/79) on July, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
37—36GI/80

## THE SCHEDULE

Document No. 821/79 SRO, Perlamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 66, Appaswami Mudali  
Street, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006

Date : 7-3-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajeswari Banerji,  
No. 193, Poonamallee High Road,  
Madras-600 084.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

( ) 1. Shri M. Vishnudas,  
2. Shri M. Kimat Rai,  
3. Shri M. Ashok,  
No. 35, Avadhanam Pappier Road 2nd Lane,  
Choolai, Madras-600 007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 112/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193, situated at Poonamallee High Road, Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 888/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Document No. 888/79 SRO, Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 193, Poonamallee High Road, Madras-600 084.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th March 1980

Ref. No. 74/JULY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24, situated at Kakka Thoppu Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1222/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Ramavarier,  
24, Kakka Thope Street,  
Madurai-1.

(Transferor)

(2) M/s. Illahi (Firm)  
No. 10, Mohideen Andavarpuram,  
CUMBAM, Madurai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1222/79 S.R.O., Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 24, Kakka Thoppu Street, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 11-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1980

Ref. No. 92/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/68B, situated at Observatory Road, Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 256/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Louis C. Pais,  
Advocate,  
Margesero,  
Observatory Road, Kodaikanal. (Transferor)
- (2) Shri V. R. M. V. Sankaranarayana  
Mudaliar Physical & Cultural  
Society Trust, Ambasamudram. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 256/79 S.R.O. Kodaikanal.  
Land & Buildings—29.8 Cents.  
Marbasero—13/68B, Observatory Road, Kodaikanal.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date: 11-3-1980.

Seal:



## FORM ITNS

(1) P. Shanmugham,  
86, Bazaar St., Panrutti S.A. Dt.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kavitha Rani,  
C. 179, 10th Cross, Tiruchi-18.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 7389.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28, Boag Road, T. Nagar, situated at T. Nagar Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 940/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 28, New Boag Road, T. Nagar, Madras-17.  
(Doc. 940/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 7474.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 870, Poonamallee High Road, situated at Madras (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2713/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Vijayaletchumi Sundaram,  
S. M. Mohanavel,  
S. M. Shanmughavel,  
Pramila Rathnaswami,  
Geetha Dhandapani,  
Latha Vasanthan,  
Padmini Murugavel,  
144, Gollawar Agraharam Road, Madras-21.  
(Transferor)

(2) P. N. Arumugham,  
P. N. Shanmugham,  
P. N. Chandran,  
P. N. Thyagarajan, P. N. Subramanian,  
A. K. Selvaraja Mudallar,  
A. L. Sundararajan,  
S. Radha Bal,  
S. Saroja,  
L. Dhanammal,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras-600 001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at 870, Poonamallee High Road, Madras 22.5 grounds in extent.  
(Doc. 2713/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dharmambal,  
9, First Main Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vaidyanathan (A) Govindan,  
for Jeebuthi Nother Murath Bharah 285, Sri Subra-  
mania Bharathi St., Karaikkal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8626.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 285, Sri Subramania Bharathi situated at St., Karaikkal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. 390/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons( namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 285, Sri Subramania Bharathi St., Karaikkal.

(Doc. 390/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8642.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, Veerabadra Swamy Koil, situated at St., Chidambaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. 1803/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Balasubramania Pillai,  
S/o Shri Kunjithapadam Pillai,  
Vizhalkatti Pillayar Koil St.,  
Chidambaram.

(Transferor)

- (2) Shri Muthulakshmi Ammal, W/o Manicka Mudaliar,  
Veerabadraswami Koil St., Chidambaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 20, Veerabadraswamy Koil St.,  
Kaspa Chidambaram.  
(Doc. 1803/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Madras-600 006

Date : 7-3-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8643.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65, Kizha St., situated at Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. 1761/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devakumar S/o Shri Kavarapattu Seetharama Iyer,  
No. 56, Kizha St., Chidambaram.  
(Transferor)
- (2) Shri Gandhimathi Ammal,  
W/o Shri Ramaseshan,  
No. 11, Kizha Sannathi, Chidambaram.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 65, Kizha St., Chidambaram.  
(Doc. 1761/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 7-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8646.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, P.A.I. St., situated at Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 841/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Valliammai Achi, W/o Sri Veerappa Chettiar, AR. A. RM. St., Karaikudi.

(Transferor)

(2) V. RM. Viswanathan and R.M. Chockalingam  
S/o Ramaswamy Chettiar,  
28, P.A.I. St., Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 28, P.A.I. St., Karaikudi.  
(Doc. 841/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Madras-600 006

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Indian Sales Corporation,  
Chettipattu Village, Sriperumbadur TK.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ram Chemical Complex,  
Chettipattu Village Sriperumbadur TK.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8741.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 112, Chettipattu situated at S. No. 310, and 311, Sriperumbadur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sriperumbadur (Doc. 1616/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Chettipattu Village in S. No. 310 and 311, Sriperumbadur TK.  
(Doc. 1616/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10276.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 397/1, Sangapur situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 2193/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. R. Venkatraman,  
15/12, Krishnaswamy Naidu Lay Out,  
Ramalinga Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri N. V. Venugopala Pai,  
174A, Diwan Bahadur Road,  
R. S. Puram,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 15/12, Ramalinga Nagar, Krishnaswamy Naidu Layout, Coimbatore-11.  
(Doc. 2193/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006

Date : 7-3-1980

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10297. Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/163, Karuppa Gounder situated at St., Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3329/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gnanasoundari,  
9A, No. 1, Othachakkara St.,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Subbalakshmi,  
154, Karuppa Gounder St.,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 32/163, Karuppa Gounder St., Coimbatore.  
(Doc. 3329/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madrus-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10297.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/163, Karuppa Gounder situated at St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3327/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Guana Soundari W/o Shri V. Rajappan Achari,  
9A, No. 1, Othachakkara St.,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri G. Pethuraj,  
154, Karuppa Gounder St.,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 32/163, Karuppa Gounder St., Coimbatore.  
(Doc. 3327/79)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) C. V. Zuhara D/o Shri Ayiehi Chandroth,  
Shri Vannalakath Pudiya Purai,  
Azhiyur, Vadakarai TK.  
Kozhikode Dt, Kerala.

(Transferor)

- (2) Shri T. K. Raman, S/o Itha Kela Magdoor C. Estate,  
Sundacuppa, N. Coorg,  
Karnataka State.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10298.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/48, Big Bazaar situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3285/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 19/48, Big Bazaar St., Coimbatore.  
(Doc. 3285/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1980

Ref. No. 10301.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13/364, situated at Thadagam Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1973/79 in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

at Coimbatore (Doc. 1973/79) on July 1979

- (1) Shri N. Mangalam,  
Shri S. Sankaramahadevan,  
Shri S. Jayaraman,  
Shri S. Balasubramanian,  
Shri S. Gejalakrishnan,  
Shri S. Ramanarayanan,  
Shri S. Ramakrishnan,  
13/363, 364, Thadagam Road, Coimbatore.  
(Transferors)

- (2) Shri Doulatram Tahalram,  
16/5, Thiagaraya New St., No. 3,  
Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 13/364, Thadagam Road, Coimbatore.  
(Doc. 1973/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 12-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1980

Ref. No. 10301.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13/364, situated at Thadagam Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Do. 1974/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39—36GI/80

(1) Shri N. Mangalam,  
Shri S. Sankaramahadevan,  
Shri S. Jayaraman,  
Shri S. Balasubramanian,  
Shri S. Gopalakrishnan,  
Shri S. Ramanayyanan,  
Shri S. Ramakrishnan,  
13/363, 364, Thadagam Road, Coimbatore.  
(Transferor)

(2) Shrimati N. Rajkumari, W/o Shri Doulatram  
Tahalram,  
16/5, Thiagaraya New St., No. 3,  
Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and building at 13/364, Thadagam Road, Coimbatore.  
(Doc. 1974/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date 12-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10304.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thangam Theatre situated at Kolappalur Village Gobi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. 1849/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Chennimalai Gounder, Pallipalayam, Shri Kuppanna Gounder, Pallipalayam, Shri Arunachala Gr. S/o Perumal Gounder, Oonjapalayam, Shri Kuzhandai Gounder S/o Shri Marappa Gr. Chokmaripalayam, Mariappan K. S. Komaraswamy, Kolapalur.  
(Transferor)

- (2) The Coimbatore Diocese Society, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Kolappalur Gobi (Thangam Theatre).  
(Doc. 1849/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006

Date : 7-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ramachandran,  
Cholamadevi, Udumalpet Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Krishnaswamy Gounder,  
Shri Rathinaswamy Gounder,  
S/o Shri Pavalamuthu Gounder,  
Vedapatti, Udumalpet Tk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10315.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K.S. No. 158/2E and 158/2C, situated at Vedapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 2297/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Lands at S. No. 158/2E and 158/2C, Vadapatti.  
(Doc. 2297/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10319.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 417, Thadagam Road situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4566/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. K. V. Elzy Chakko W/o Shri M. I. Chakko, 24/4, Ponnia Rajapuram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri S. Mani S/o Shri R. Subramaniam Chettiar 51, Vaniar Lane, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 417, Thadagam Road, Coimbatore.  
(Doc. 4566/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 7-3-1980

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Narayanadas,  
Shri Kesavadas,  
Shri Krishnadas and  
Shri Damodaradas,  
1495, South Alangam St., Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri Nataraja Gopalar,  
5, Sivajinagar, Thanjavur-613 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 8736.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 57, South Alangam St., situated at Tanjore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at Tanjore (Doc. 2358/79) on July 1979

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Land and building at 57, South Alangam St., Tanjore.  
(Doc. 2358/79)

## THE SCHEDULE

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 19-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7475.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 870, Poonamallee High Road, situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2878/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P. N. Arumugham,  
Shri P. N. Shanmugham,  
Shri P. N. Chandran,  
Shri P. N. Thyagarajan,  
Shri P. N. Subramanian,  
Shri A. L. Selvaraja Mudaliar,  
Shri A. L. Sundararajan,  
Shri S. Radha Bai,  
Shri S. Saroja,  
L. Dhanammal, 39, Iyengar Palayam St.,  
Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Shri C. T. Ramanathan,  
Shri RM Meenakshi,  
Meenakshi Achi,  
Shri R. M. Chockalingam,  
Shri N. K. S. Sundaram Achi,  
Shri A. Nuchammal,  
Shri K. Y. R. M. Sethuchettiar,  
RM. Sethuraman Chettiar 20, College Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 870, Poonamallee High Road,  
(Doc. 2778/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 8652.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fort Station Road situated at Chinthamani, Thillainagar, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 1861/79) on July '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sivakami Ammal W/o Shri Ganapathy Iyer, 11, Rathinaswamy Nadar Road, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. Soundiram Achi W/o Shri Adaikalam Chettiar, Vrachilai, Tirumayam Tk. Pudukottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at C-92, Fort Station Road Thillainagar, Trichy-18.  
(Doc. 1861/79)

**RADHA BALAKRISHNAN**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Madras-600 006

Date : 19-3-1980

Seal :

~~FORM FIVE~~

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7343.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Nos. 16, 17, 18 and 20A situated at Industrial Estate, Guindy, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1777/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Krishnamurthy,  
Shri D. V. Jagadeeswari,  
Vijaya Industries, 92, Pudupalayam Main Road,  
Cuddalore. (Transferor)
- (2) Shri S. Annamalai,  
Shri S. Maheswaran,  
Shri A. Jeyzing,  
Shri S. Ashok,  
Ashok Matches & Timber Industries,  
Virudhunagar Road, Sivakasi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Nos. 16, 17, 18 and 20A, Industrial Estate Guindy, Madras.  
(Doc. 1777/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7479.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 848, Mount Road, situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 576/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—36GI/80

(1) Arya Mata Sabha,  
189, St. Mary's Road, Madras.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramadas,  
Surya Bai,  
42, Oil Monger St., Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 848, Mount Road, Madras-2.  
(Doc. 576/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13E, Greams Road situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1002/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) Shri P. S. Dhanalakshmi,<br>33, Krishnan Koil St., Madras-1.   | (Transferor) |
| (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,<br>Minor Razi Farced Jaffardeen,<br>Minor Casim Fareed Jaffardeen,<br>Rep. by AV.M. Jaffardeen,<br>5A, Kamalia St.,<br>Koothanallur, Tanjore. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building (Half share) at Plot 13E, Madras-6.  
(Doc. 1002/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 13D situated at Greams Road, Madras-6 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1001/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. N. Arumugham,  
Shri P. N. Thiagarajan,  
Shri P. N. Subramanian,  
33, Krishnan Koil St., Madras-1. (Transferor)
- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Fareed Jaffardeen,  
Minor Cassim Fareed Jaffardeen  
5A, Kamalia St., Koothanallur,  
Tanjore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building (5/40 share) Plot 13D, Greams Road, Madras-6.  
(Doc. 1001/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II.  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 13F, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1000/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. S. Palani,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras, (Transferor)
- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Fareed Jaffardeen,  
Minor Casim Fareed Jaffardeen,  
4, Muthupandian Avenue, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 13F, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).  
(Doc. 1000/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13E, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 999/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. N. Surya,  
Shri P. N. Lakshmi,  
Shri P. N. Saraswathi,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras.

(Transferor)

- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Fareed Jaffardeen,  
Minor Casim Fareed Jaffardeen,  
5A, Kamalia Street, Koothanallur,  
Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Plot 13E, Greams Road, Madras-6. (5/40 share).  
(Doc. 999/79)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006

Date : 19-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 13F situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 998/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. R. Vijayakumar,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras-1.

(Transferor)

- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Fareed Jaffardeen,  
Cassim Fareed Jaffardeen,  
4, Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot 13F, Greams Road, Madras, (1/3rd share).  
(Doc. 998/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date: 19-3-1980  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13F situated at Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 997/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. T. Sampathkumar,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras.

(Transferor)

- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Faried Jaffardeen,  
Cassim Faried Jaffardeen,  
4, Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 13/F, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).

(Doc. 997/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13E, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 996/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. A. Seethalakshmi,  
33, Krishnan Koil St.,  
Madras-1.

(Transferor)

- (2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,  
Minor Razik Fareed Jaffardeen &  
Minor Casim Fareed Jaffardeen,  
Rep. by AV. M. Jaffardeen,  
5A, Kamalia St., Koothanallur, Tanjore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot 13E, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).

(Doc. 996/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 19-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Deivayanai Ammal,  
W/o Ayyavu 3/31, Bazaar St., Avanashi.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi W/o Angappan,  
40, Rajaji St., Avanashi-638654.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 20th March 1980

Ref. No. 10267.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, Madras Calicut Road situated at Avanashi, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Avanashi (Doc. 1192/79) in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 30, Madras Calicut Road, Avanashi  
(Doc. No. 1192/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 20-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1980

Ref. No. AR-I/4226-3/July '79.—Whereas, I, V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 84/6 situated at Sion Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. K. N. Bhatia 2. N. R. Ranganathan 3. S. Ramakrishnan 4. A. R. Gulshan 5. C. L. Velacha 6. Virumal Mohandas 7. K. T. Bijleney. (Transferors)
- (2) Rameshwar Bhavan Coop-Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) 1. Smt. Maya N. Lakhani  
2. Smt. Meenakumari B. Soni  
3. Shri Shamji Varjang  
4. Shri Mulji Valji Haria  
5. Shri S. Ramakrishnan  
6. Shri Brijlal Hirachand Chhablani  
7-11. Shri A. R. Gulshan  
12. Shri Niranjan R. Chawla  
12A. Smt. Radhibai G. Chainani  
13. Smt. Aasha Lelaram Chawla  
14. Shri Noor Mohamed  
15. Smt. Lakshmi Bai G. Ahuja  
16. Shri N. R. Ranganathan  
17. Shri Khairam Naraindas Bhatia  
18. Shri Ramchand K. Radhakrishnan  
19. Shri B. V. Suryanarayana  
20. Shri B. Raghavan  
21. Smt. Saraswatibai Shanbhag  
22. Smt. Menghabal Kishinchand Bhatia  
23. Shri A. H. Gulshan  
24. Shri M. R. Asrani  
25. Smt. Bhagibai R. Asrani  
26. Shri Mahesh G. Chetnani  
27. Shri Bindu R. Asrani  
28. Smt. Lakshmi P. Khilnani  
29. Shri Lakhmichand Narumal  
30. Shri Navalrai I. Tahallani  
31-32. Smt. Indira Kannan  
33. Shri M. K. Parikh  
34. Smt. G. K. Sharada  
35. Smt. Parpathibai Hariram Khilnani  
36. Shri Kishenchand R. Nattan  
37. Shri L. N. Klinger  
38. Shri Sundara Pandian  
39. Shri Motilal Rochiram Jaisinghani  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 772/61 (Rom) and registered on 19-7-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 21-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th January 1980

Ref. No. J.R.1/4228-11/July 79.—Whereas, I, V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 518/10 situated at Matunga Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Parinbanoo Rustomjee Jamasjee.  
(Transferor)
- (2) 1. Minochar Pestonji Dordi 2. Mrs. Aloo Minochar Dordi 3. Mrs. Previn Behram Kavarana.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri J. C. Doctor  
2. Shri E. F. Tarapore  
3. Mrs. K. J. Baxter  
4. Shri P. K. Shroff  
Mrs. D. K. Safar  
5. Mrs. C. V. Daruwala  
6. Shri J. R. Jamasji  
7. Shri A. M. Gandhi  
8. Shri L. C. Hansotia  
9. Shri K. H. Barucha  
10. Shri P. M. Gandhi  
11. Shri T. D. Dahiwalu  
12. Mrs. F. B. Karanjwala  
13. Shri S. N. Rana  
14. Shri N. R. Jamasji  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 109/78 (Bom) and as registered on 20-7-79 with the Sub-registrar of Bombay.

V. S. SESHADRI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 28-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Yeshwant Singh Vijaysingh Dossa  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kishore Kanungo  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1980

Ref. No. A.R. III/AP. 345/79-80.—Whereas I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 54 (Falni) 53 (plot No. 12 and Falni No. 3 & 4), 55 (Falni-6), 76 (Falni 1 and 4), 77 (Plot No. 3, 4, 5) Falni No. 1, 78 (Plot No. 1, 79A) (Falni No. 1 and Sr. No. 1), situated at Gundavli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-7-79 (\*)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2092/78 and registered on 18-7-1979 with the sub. Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date 29-1-1980

Seal :



**FORM ITN**(1) Smt. Sumatibai Marotirao Dhanwaty  
(Transferor)(2) Kalpana Mautic Gandhi  
(Transferee)(3) 1. M/s CR-WO Pvt. Ltd.  
2. M/s Mehta Carpet Showroom  
3. M/s Motor Industries Co. Ltd.  
4. M/s J. L. Morison Son and Jones (India) Ltd.  
5. M/s Textiles Committee  
6. M/s Bradsa of India Ltd.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1

Bombay, the 6th February 1980

Ref. No. AP-I/4224-7/79.—Whereas, I P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. C.S. No. 98B of Worli Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2023/73 and as registered on 20-7-79 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Bombay.

Date 6-2-80  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
THAKHAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 18th January 1980

No. IAC/ACQ/111/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 651/O+8,

situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Shripad Dinkar Apate,  
(2) Shri Charudatta Shripad Apate,  
(3) Shri Chandrashekhar Dinkar Apate,  
All resident of Giripeth, Agrasent Road, Nagpur.  
(Transferor)
2. (4) Shri Ramdas Ramkrishna Gaiki,  
Modi Line No. 2 Sitabuldi,  
Nagpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 651/O+8, Circle No. 20, Ward No. 70, Agrasent Road, Giripeth, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,  
GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1980

No. IAC/ACQ/112/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 37, Mouja Pala Tah. Morshi, situated at Pala (Tah. Morshi) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morshi on 11-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Sumanbai Ajabrao Kale & Others.  
(2) Smt. Sushilabai Chakradhar Rasse & Others,  
Both resident of Morshi Dist. Amravati.  
(Transferees)
2. (1) Smt. Nalini Narayanrao Dhole,  
(2) Shri Narayan Shamrao Dhole,  
(3) Shri Namdeo Narayanrao Dhole,  
(4) Shri Sahebrao Narayanrao Dhole,  
All resident of Dist. Amravati.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11.1 Acres of Agricultural land bearing Survey No. 37, Mouja Pala Tah. Morshi, Dist. Amravati.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date 19-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,  
GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/113/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 681 Plot No. 39-B situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 4-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. S. Mishra  
C/o Ashok Dresses,  
Gole, Bazar, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shrimati Madhubala K. Chandok,  
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 39-B, House No. 681, Ward No. 70, Tilak Nagar, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 19-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,  
GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 23rd January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/115/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 171, Municipal No. 201/O+3, Ward No. 73, situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

—36GI/80

- (1) 1. Shri Rambhau Pandurang Rahagude and  
2. Smt. Shakuntalabai Rambhau Rahagude,  
171, Dharampeth Extn., Nagpur.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. Jayshree Hemchand Shah,  
2. Smt. Kumud Madhusudan Shah,  
171, Dharampeth Extn., Nagpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 17, Municipal No. 201/O+3, Ward No. 73, D.W. 8, Dharampeth Extension Scheme, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 23-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,  
GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 24th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/116/79-80.—Whereas, I. S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 22 Sheet No. 56-C, situated at Mouja Tarkheda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati Town on 27-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Buchhraj Factories Ltd.,  
Through Shri Jivraj Jiwandas,  
Amravati.

(Transferor)

- (2) Trust Satyam Shivam Sundaram,  
Through President, Trustee :  
Ramdeo Jagannathji Tripathi,  
Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 22, Sheet No. 56-C, Mouja Tarkheda, near old cotton market, Amravati.

S K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 24-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ahillybai  
W/o Shri Shivnarayan Saraya,  
Near Railway Station, Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Shiwaji Shikshan Sanstha,  
Amravati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,  
GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur-10, the 30th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACO/117/79-80.—Whereas, I, S. K.  
BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sheet No. 55-C Plot No. 23, situated at Rajapeth, Amravati  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Amravati on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the par-  
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

## THE SCHEDULE

17,742.81 Sq. ft. area out of Plot No. 23, Sheet No. 55-C,  
near Railway Station, Amravati.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 30-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Priya Bala Saha.

(Transferor)

(2) Nurul Haque &amp; another.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Calcutta, the 19th January 1980

Ref. Sl. 528/TR-51/C-42/Cal-1/79-80.—Whereas, I,  
I. V.S. JUNEJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 14/7, situated at Syed Sally Lane, Cal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 25-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor  
to pay tax under the said Act, in respect of any  
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Two storied building together with land measuring 5  
cottahs 10 chittacks 5 sq. ft. being premises No. 14/1, Syed  
Sally Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assur-  
ances, Calcutta being No. I-4032 dated 25-7-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range : IV : Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 19-1-80  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri Rathindra Nath Ghosh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. No. AC-54/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230/1, situated at Ramkrishna Sarani, P.S. Behala Dt. 24-Prgns.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7K. situated at 230/1, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-1-1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ranendra Nath Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref.No . AC-55/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

situated at Ramkrishna Sarani

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 7K situated at Ramkrishna Sarani under  
P.S. Behala.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 18-1-1980  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

(1) Sri Soumendra Nath Ghosh.

(Transferor)

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-56/A-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230/10, situated at Ramkrishna Sarani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 7K. situated at 230/10, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. Ac-57/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230/9, situated at Ramkrishna Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mamata Ghosh.  
and Dipak Ghosh.

(Transferor)

- (2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6K-9Ch-28Sq. ft. situated at 230/9, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ashima Mitra.

(Transferor)

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. AC-58/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230/4, situated at Ramkrishna Sarani (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
43—36GI/80

## THE SCHEDULE

Land measuring 7K-3Ch-23Sq. ft. situated at 230/4, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Shew Ratan Singh Rathore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jiblal Shaw, Narayan Shaw,  
Sitaram Shaw, Nathiadevi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd January 1980

Ref. 667/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/2, situated at Panditja Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 23-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that partly two storied and partly three storied building containing an area of 3 cottahs of land situated at 2/2, Panditja Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 3-3-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Soumendra Nath Banerjee &  
Sri Ramendra Nath Banerjee  
49 and 49/1, Kali Banerjee Lane,  
Howrah.

(Transferors)

(2) Sri Chatur Bhuj Agarwalla,  
49 and 49/1, Kali Banerjee Lane,  
Howrah.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-108/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

49 and 49/1, situated at Kali Banerjee Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 7-K, 4-Ch. & 44-Sft. with building situated at 49 & 49/1, Kali Banerjee Lane, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1041 of 1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 3-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-109/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49 and 49/1, situated at Kali Banerjee Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Soumendra Nath Banerjee &  
Shri Ramendra Nath Banerjee  
49 and 49/1, Kali Banerjee Lane,  
Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Achi Devi Agarwalla,  
49 and 49/1, Kali Banerjee Lane,  
Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5-K, 12-Ch. & 38-Sft. situated at 49 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1042 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-3-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 679/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-6 situated at  
178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Sri Chanchal Kr. Bhattacharyya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-6 on the 6th floor situated at 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Subrata Roy Chowdhury.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 678/Acq.R-III/79-79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. A-4 situated at  
178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. A-4 on the 4th floor situated at 178, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dipak Ranjan Banerjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta. the 3rd March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 677/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-3 at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A-3 on the 3rd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prasanta Kumar Dutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 676/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat Nos. C-8 & C-9 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat Nos. C-8 & C-9 on the 8th and 9th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bholanath Mukherjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 675/Acq-R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-2 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-2 on the 2nd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—  
44—36GI/80

Date : 3-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Sri Bishnu Pada Chatterjee and Smt. Namita Chatterjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 674/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-5 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A-5 on the 5th floor situated at 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 3-3-1980

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
54 RAJI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta, the 15th March 1980

Ref. No. 673/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C-4 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited. (Transferor)  
(2) Shri Saradindu Narayan Dutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. C-4 on the 4th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 3-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Hindusthan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Debabrata Bhattacharyya.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
54 RAJI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 672/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-3 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. B-3 on the 3rd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54 Raji Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16

Date : 3-3-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 671/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C-2 situated at  
178A, S. M. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Sri Radha Raman Das,  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. C-2 on the 2nd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16

Date : 3-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, 3RD FLOOR  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 670/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-9 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society, Limited,  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shri Subhendu Mohan Ghosh,  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-9 on the 9th Floor of the bldg. situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16

Date : 3-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society, Limited.  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)

- (2) Shri Partha Sarathi Basu,  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 669/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-10 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-10 on the 10th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited,  
178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bimal Kumar Ghosh,  
178A S. P. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 668/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B-4 situated at  
178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-4 on the 4th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-3-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Probal Chatterjee.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-IV  
54 RAFI AHMED KUDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta-16, the 5th March 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.Ref. No.....—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

North West Flat situated at  
102, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that entire north west flat on the 5th floor situated at 102, Southern Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceeding: for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—36GI/80

Date : 15-3-1980

Seal .

**FORM ITNS—**

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. B. Abhqankar

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 5th March 1980

Ref. No. ....—Whereas, I,  
V. S. JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102, Southern Avenue, Calcutta  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Calcutta on 20-7-1979  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that entire south west flat on the first floor situated at 102, Southern Avenue, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 5-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1980

Ref. No. Ac-112/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I,  
K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Touji No. 203,  
situated at Dt. Jalpaiguri, Pargana Changmari, P.S. Nagra-  
kata,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 190) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 6-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Rameshwar Prosad Plantation &  
Engineering Industries Ltd.,  
4, India Exchange Place (2nd floor),  
Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Teesta Valley Tea Co. Ltd.,  
5 & 7, N. S. Road,  
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1436.91 acres  
with structures and building, situated at Pargana Changmari,  
P.S. Nagrakata, Dt. Jalpaiguri Touzi No. 203 more particu-  
larly as per deed No. 3693 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Ac-113/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38/9, situated at Kshetra Mitra Lane, P.S. Golabari, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nanda Rani Bose and  
Sri Hiralal Bose,  
38/9, Kshetra Mitra Lane,  
Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Shrish Chandra Dutta,  
38/9, Kshetra Mitra Lane,  
Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4-K., 1-CH. & 11-Sft. with building, situated at 38/9, Kshetra Mitra Lane, Salkia, Howrah, more particularly as per deed No. 2041 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-3-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Ac-114/R-IV, Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C/S Plots 701, 702 & 705, situated at Tagore Road, Ushagram, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 7-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Onkar Singh,  
Link Road, Cuttak,  
Orissa.

(Transferor)

(2) M/s. Kachhi Patel Saw Mills,  
Ushagram, Asansol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 13-Khs. with building, situated at Tagore Road, Ushagram, Asansol, Burdwan, more particularly as per Deed No. 4033 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV,

## CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Ac-115/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 situated at New Tollygunj P.O. Purba Putiari, 24-Prgns. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hashi Rani Bose  
30, Purba Putiari,  
24-Parganas,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Lily Atorthy,  
197/1/1, Netaji Subhas Road,  
Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2½-Khs, with building, situated at 30, New Tollygunj, Purba Putiari, P. S. Regent Park, 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 3283 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati S. Acharya,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. R. M. Investment Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Sl. 536/TR-44/C-39/Cal-1/79-80.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

46, situated at B. B. Ganguly St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building partly one and partly two storied on land measuring an area of 14 cottahs 4 chittacks being premises No. 46, B. B. Ganguly Street, Calcutta, vide Deed No. 3669 dated 5-7-79.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Sunity Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Prodosh Kr. Ghosh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1980

Ref. No. 686/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3D, situated at Baishnabghata Bye Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that two storied building erected on a land of area 5 cottahs 10 chittacks, situated at 3D, Baishnabghata Bye Lane, Calcutta-47

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 13-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Saliman Bibi &amp; Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aswini Biswas.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta the 15th March 1980

Ref. No. Ac-61/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

231/A, situated at Maniktala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

46—GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2-Ks. 14-Chs. & 39-Sft., situated at 231/A, Maniktala Main Road, under P.S. Narkeldanga.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Ramendra Nath Dey.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dulal Kanti Saha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1980

Ref. No. Ac-62/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-276, situated at Maniktola, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-K, 8-Chs. with building, situated at P-276, C.I.T. Scheme No. VI-M, Maniktola, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-3-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Gopal Roy Chowdhury.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Joyanta Kr. Saha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Ac/63/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-276, situated at Maniktola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 13-Chs. & 35-Sft. with building, situated at P-276, C.I.T. Scheme VI-M, Maniktola, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1980

Ref. No. Ac/116/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/5, situated at Dhakuria Station Road, P.S. Kosba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Pratap Ch. Banerjee,  
2. Smt. Lakshmi Banerjee,  
3. Smt. Manjula Banerjee &  
4. Smt. Santi Banerjee,  
all of 56/1, Station Road, P.S. Kasba,  
(Transferors)

- (2) Smt. Lekha Dasgupta,  
Nazir Bagan, Haltu,  
P.S. Kasba, Calcutta-31.  
Calcutta-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-Ks., E-Chs. & 12-Sft., situated at P.S. Kasba, Mouza Dhakuria, 61/5, Dhakuria Station Road, more particularly as per deed no. 3259 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 17-3-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1980

Ref. No. Ac-117/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/4, situated at Station Road, Dhakuria (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Pratap Chandra Banerjee,  
2. Smt. Lakshmi Banerjee,  
3. Smt. Manjula Banerjee &  
4. Smt. Santi Banerjee,  
all of 56/1, Station Road, P.S. Kasba,  
Calcutta-31.

(Transferor)

- (2) Smt. Lekha Dasgupta,  
Nazir Bagan, Haltu,  
P.S. Kasba, Calcutta-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-Ks., 7-Chs. & 35-Sft. situated at P.S. Kasba, Mouza Dhakuria, 61/4, Station Road, more particularly as per deed No. 4749 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Dipak Chowdhury.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kumaresh Chowdhury.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th March 1980

Ref. No. 687/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1, situated at Kripanath Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share of property at 1, Kripanath Lane, Calcutta, which was registered under Deed No. 3712 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 19-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 20th March 1980

Ref. No. Ac-122/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 641 & 642, situated at Beliatar, Gauria, Dt. Bankura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sishumati Mnadal,  
43A, Ultadanga Main Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Niranjan Mandal,  
43A, Ultadanga Main Road,  
Calcutta-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5.65 acres with structure situated at Distt. & P. S. Bankura, Garia, Beliatar, Dag Nos. 641 & 642, more particularly as per Deed No. 3867 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date : 20-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IV,

Calcutta, the 20th March 1980

Ref. No. Ac-121/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1543 situated at Kharida Main Road, Kharagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Midnapur on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kum Kum Nessa Begum, Bhawanipur, P.S. & P.O. Kharagpur, Dt. Midnapur.

(Transferor)

- (2) Sri Mahindra Kumra Jain,  
Kharida Main Road,  
Khaagpur, Dt. Midnapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5½ sataks situated at Kharagpur, Vill. Jangal, P.O. & P.S. Kharagpur, Dt. Midnapur, more particularly as per deed No. 1812 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Administration Range IV,  
Calcutta-16

Date : 20-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta, the 24th March 1980

Ref. No. Ac-69/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25/7, situated at Garpar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

47—36 GI/80

(1) Smt. Seohalata Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Suvendu Chatterjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13-chs. & 30-sft. with building situated at 25/7, Garpar Road, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Administration Range IV,  
Calcutta-16

Date : 24-3-1980

Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Seohalata Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Suvendu Chatterjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE IV,

Calcutta, the 24th March 1980

Ref. No. Ac-68/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25/5A, situated at Garpar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11-chs. & 7-sft. with building situated at premises No. 25/5A, Garpar Road, Calcutta.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Administration Range IV,  
Calcutta-16

Date : 24-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Ntw Dtlhi, the 16th April 1980

- (1) Shri Harnam Singh S/o Gopal Singh,  
R/o 126, West Azad Nagar Delhi-51.  
(Transferor)
- (2) Shri Devinder Mohan alias Man Mohan, (HUF)  
S/o Arjun Dev Anand  
R/o 651/23A, near D.A.V. School Gandhi Nagar,  
Delhi Now R/o House, on plot No. 126, Khasra  
No. 652/153, West Azad Nagar, Shahdara Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIV/7-79/1088.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Khasra No. 652/153 on Plot situated at No. 126, Azad Nagar West, Village Ghondli Illaqa Shahdara Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-7-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A double storeyed House, built on Central portion of plot No. 126, area 168 sq. yds. part of Khasra No. 652/153 situated at Azad Nagar West in the area of village Ghaundli, Illaqa Shahdara, Delhi-51 bounded as under :—

North—Portion of Plot No. 126

South—Road 15 ft.

East—Remaining portion of plot No. 126

West—Remaining portion of plot No. 126

G. C. AGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-4-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pran Nath Sharma S/o late Shri Sardari Lal Sharma R/o Qr. No. 572, Sector-VI, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Swarna Sehgal W/o M. R. Sehgal R/o D-289, Defence Colony, New Delhi & Mrs. Sangeeta Chopra W/o Shri Rajesh Chopra R/o 22-Central Lane, Bengali Market, New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI-110002  
4/14A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi-110002, the 5th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/7-79/275.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-469 situated at Greater Kailash II New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Freehold plot of land bearing plot No. 469, Block No. "E" measuring 248 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash No. II situated at village Bahapur, New Delhi bounded as under :—

East : Plot No. E-467.  
West : Plot No. E-471.  
North : Service Lane.  
South : Road.

G. C. AGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1980

Seal :



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1980

No. F.10/5/79-EI(B)

New Delhi, the 26th April, 1980

A competitive examination for recruitment to vacancies in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 28th September, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 26th April, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I para 11)).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

- (i) Grade IV Assistants of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B)—50 \*\*
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—\*
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—\*
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—103 (includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 8 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—\*

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the Application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the examination.

4. A candidate seeking admission in the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1980 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, N. Delhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 16th June 1980 (30th June 1980 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 16th June 1980) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 16th June 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "031 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu and Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army for a continuous period of not less than six months after attestation as on 16th June, 1980

- (i) has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or in-

efficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

- (ii) has to serve for not more than six months as on 16th June, 1980, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. The question papers in English Part I, Arithmetic and General Knowledge, including Geography of India, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

R. S. ABLUWALIA,  
Deputy Secretary,  
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

##### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) *CROSSED* Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee, or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of the Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.

- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).

- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).

- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

- (viii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

NOTE: CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (i), (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICERS OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1981. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.

(i) (a) *CROSSED* Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED* Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit

an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATE SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of qualification prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed to the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_  
son/daughter\* of \_\_\_\_\_  
of village\*/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_  
of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to  
the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as  
a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories Order, 1951.\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories Order, 1951.\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1956\*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/  
or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village\*/town  
\_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District\*/Division of the  
State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_.

Signature\_\_\_\_\_

\*\*Designation\_\_\_\_\_

(With seal of office)

Place\_\_\_\_\_

Date\_\_\_\_\_

State\*/Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector 1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

(5) (a) LDCs/UDCs/Stenographers Grade D claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form :—

Certified that he/she is holding the post of L.D.C./U.D.C./Stenographer Grade D\* in the office of ..... which is a Department/Office\* of the Government of India/Union Territory\* of ..... w.e.f. .... and has rendered not less than 3 year's continuous and regular service as L.D.C./U.D.C./Stenographer Grade D\* on 1st January 1980 and he/she continues to be so employed.

Signature.....  
Designation.....  
Ministry/Office.....  
Office Stamp.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(d) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(e) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(c)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(f) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled

while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate :

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(g) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released, as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

(h) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(i) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 5(b), (c) and (d) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more, such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharg Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B. (i)*—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

*N.B. (ii)*—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13, ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

## ANNEXURE II

### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as

responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

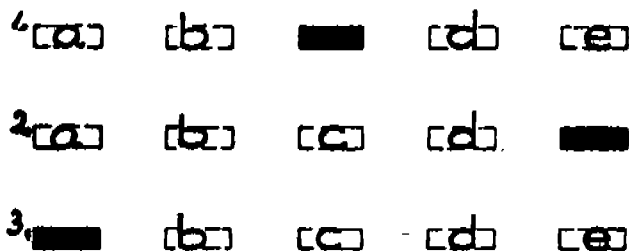
#### B. NATURE OF THE TEST

The Question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read, each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is, important that—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to open the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSIONS OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are **NOT** allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and sheets for rough work, out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - (a) the successors of Ashoka were all weak.
  - (b) there was partition of the Empire after Ashoka.
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Ashokan era.
2. In a parliamentary form of Government,
  - (a) the Legislature is responsible to the judiciary.
  - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
  - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
  - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
  - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual classroom work.
- (d) allow choice in the educational programme.

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

#### STAFF SELECTION COMMISSION

##### SHORT NOTICE

#### UPPER DIVISION GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 26th April 1980

No. 1/8/79-Coord-II(Trs.).—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 22nd and 23rd September, 1980 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions Abroad, a limited departmental competitive examination for making additions to the select list of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat Clerical Service.

2. *Conditions of Eligibility.*—Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

- (a) *Length of Service.*—Must have, on 1st August, 1980 rendered not less than 5 years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service.
- (b) *Age.*—Not more than 50 years on 1st August, 1980. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.
- (c) *Typewriting Test.*—Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission on or before issue of Notice of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.

3. *Fee.*—Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs/S.Ts.).

4. Full particulars and application forms are obtainable from the Regional Director (N.R.), Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003, by remitting Re. 1/- by means of crossed (A/C Payee) Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodi Road, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms must reach the Regional Director (N.R.), on or before 27-5-80 (10th June, 1980 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep).

G. N. KHANNA  
Under Secretary (Coord.)

